29 मई 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

100 करोड़ की लागत से बनेगी मल्टीलेवल पार्किंग, श्रद्धालुओं को खास सुविधा 5

बिहार में बढ़ा कोराना का खतरा... पटना में डॉक्टर-नर्स समेत छह नए संक्रमित मिले

एजेंसी/पटना

बिहार में कोरोना का खतरा बढ़ने लगा है। पटना में पिछले 24 घंटे में छह लोग कोविड पॉजिटिव मिले। इसमें एक महिला डॉक्टर और दो नर्स शामिल हैं। यह तीनों पटना एम्स में कार्यरत हैं। आरपीएस मोड़ के पास भी 41 साल के एक युवक भी कोविड संक्रमित हो गया है। वहीं एनएमसीएच में दो मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इन सभी में सर्दी, खांसी, बुखार जैसे लक्षण दिखे। डॉक्टरों ने इन्हें कोरोना जांच की सलाल दी। जांच करवाने पर सभी कोविड पॉजिटिव पांए गए।

मामले में सिविल सर्जन डॉ. अविनाश कुमार सिंह ने लोगों से सावधान रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पैनिक न हो, कोविड गाइडलाइन का पालन करें। तीन मरीजों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बाकी को होम आइसोलेशन में रहने की सलाह दी गई है। इसके पूर्व सोमवार को दो मरीज कोविड पॉजिटिव मिले थे। इससे पहले सोमवार को पटना के बेली रोड स्थित एक बड़े

अस्पताल में दो मरीज कोविड पॉजिटिव मिले थे। दोनों अस्पताल में भर्ती हुए थे। एक मरीज ने तो पहले ही अपनी जांच करवा ली थी। इसमें वह कोविड संक्रमित पाए गए थे। वहीं दूसरे की पुष्टि अस्पताल में जांच के दौरान हुई। अस्पताल प्रबंधन का कहना था कि दोनों मरीजों में कोरोना के लक्षण दिखे थे। इन्हें सर्दी, खांसी, बुखार और सांस लेने में परेशानी हो रही थी। दोनों का इलाज चल रहा है।

डॉक्टरों ने कहा- हर हाल सतर्कता जरूर बरतें : सिविल सर्जन ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोरोना की रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर पैनिक न हो। होम आइसोलेशन में रहें। आपके संपर्क में कौन-कौन लोग आएं हैं, उन्हें भी सतर्क रहने को कहें। कोविड संक्रमण को देखते हुए सतर्कता जरूर बरतें और आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। अगर आपके घर या आसपास कोई संक्रमित हो तो उसे होम आइसोलेट कर दें।पटना में पिछले 24 घंटे में छह लोग कोविड पॉजिटिव मिले। इसमें एक महिला डॉक्टर और दो नर्स शामिल हैं। यह तीनों पटना एम्स में कार्यरत हैं। आरपीएस मोड़ के पास भी 41 साल के एक युवक भी कोविड संक्रमित हो गया है।

वहीं एनएमसीएच में दो मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इन सभी में सर्दी, खांसी, बुखार जैसे लक्षण दिखे। डॉक्टरों ने इन्हें कोरोना जांच की सलाल दी। जांच करवाने पर सभी कोविड पॉजिटिव पांए गए। मामले में सिविल सर्जन डॉ. अविनाश कुमार सिंह ने लोगों से सावधान रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पैनिक न हो, कोविड गाइडलाइन का पालन करें। तीन मरीजों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बाकी को होम आइसोलेशन में रहने की सलाह दी गई है। ताकि अन्य इसकी चपेट में नहीं आए।

पीएम मोदी के करीब आने वालों की होगी कोरोना जांच, रोड शो के दौरान हाई अलर्ट

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय बिहार दौरे पर आ रहे हैं। वह 29 मई की शाम आएंगे और 30 मई को ब्रिकमगंज में जनसभा को संबोधित तक वापस जाएंगे। पीएम के कारण को लेकर बिहार सरकार पूरी तरह अलर्ट है। स्वास्थ्य विभाग ने बढ़ते कोरोना केस को देखते हुए पीएम नरेंद्र मोदी के करीब आने वाले लोगों का कोविड टेस्ट कराने का सलाह दिया है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि पीएम के 100 मीटर के दायरे में आने वालों सभी लोगों की जांच अनिवार्य है। पटना के इन अस्पतालों में कोरोना जांच स्वास्थ्य विभाग ने पटना के सिविल सर्जन को जांच सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है। सिविल सर्जन डॉ. अविनाश कुमार सिंह ने पटना के प्रमुख सरकारी अस्पतालों में जांच का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि पीएम

के करीब आने वाले लोगों की रैपिड किट से जांच होगी। पटना के पीएमसीएच, एनएमसीएच, न्यू गार्डिनर रोड अस्पताल, एलएनजेपी अस्पताल, सभी पीएचसी और अनुमंडलीय अस्पतालों में जांच के निर्देश दिए हैं। इन सभी जगह कोविट जांच के केंद्र बनाए गए हैं। यहां पर रैपिड किट भी उपलब्ध करवाई जा रही है।

किसान क्रेडिट कार्ड की ब्याज सब्सिडी योजना को सरकार ने बढ़ाया आगे

खुशखबरी... धान समेत 14 फसलों के एमएसपी पर केंद्र सरकार ने की बढ़ोत्तरी

खेती में होगी बढ़ोत्तरी

- धान की नई एमएसपी 2,369 रुपए तय की गई है, जो पिछली एमएसपी से 69 रुपए ज्यादा है। कपास की नई एमएसपी 7,710 रुपए तय की गई है
- नई एमएसपी से 2 लाख 7 हजार करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा

केटी न्यूज/नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने धान, कपास, सोयाबीन, अरहर समेत खरीफ की 14 फसलों की मिनिमम सपोर्ट प्राइस बढ़ा दी है। केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार यानी 28 मई को यह फैसला लिया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि धान की नई एमएसपी 2,369 रुपए तय की गई है, जो पिछली एमएसपी से 69 रुपए ज्यादा है। कपास की नई एमएसपी 7,710 रुपए तय की गई है। इसकी एक दूसरी किस्म की नई एमएसपी 8,110 रुपए कर दी गई है, जो पहले से 589 रुपए ज्यादा है। नई एमएसपी से सरकार पर 2 लाख 7 हजार करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। यह पिछले फसल सीजन की तुलना में 7 हजार करोड़ रुपए ज्यादा है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि एमएसपी फसल की लागत से कम से कम 50 फीसदी ज्यादा हो, इस बात का ध्यान रखा गया है। मिनिमम सर्पोट प्राइस यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य वो गारंटीड मूल्य है जो किसानों को उनकी फसल पर मिलता है। भले ही बाजार में उस फसल की कीमतें कम हो। इसके पीछे तर्क यह है कि बाजार में फसलों की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव का असर किसानों पर न पड़े। उन्हें न्यूनतम कीमत मिलती रहे। सरकार हर फसल सीजन से पहले कमीशन फॉर एग्रीकल्चर कॉस्ट एंड प्राइजेज की सिफारिश पर टरढ तय करती है। यदि किसी फसल की बम्पर पैदावार हुई है तो उसकी बाजार में कीमतें कम होती हैं।

फसल की कीमत गिरने पर यह पॉलिसी बीमा की तरह होती है

एमएसपी उनके लिए फिक्स एश्योर्ड प्राइस का काम करती है। यह एक तरह से कीमतें गिरने पर किसानों को बचाने वाली बीमा पॉलिसी की तरह काम करती है। एमएसपी में 23 फसलें शामिल हैं। जिसमें 7 प्रकार के अनाज (धान, गेहूं, मक्का, बाजरा, ज्वार, रागी और जौ), 5 प्रकार की दालें (चना, अरहर-तुअर, उड़द, मूंग और मसूर), 7 तिलहन (रेपसीड-सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी, तिल, कुसुम, निगरसीड), 4 व्यावसायिक फसलें (कपास, गन्ना, खोपरा, कच्चा जूट)धान (चावल), मक्का, ज्वार, बाजरा, मूंग, मूंगफली, गन्ना, सोयाबीन, उडद, तुअर, कुल्थी, जूट, सन, कपास आदि। खरीफ की फसलें जून जुलाई में बोई जाती हैं। सितंबर-अक्टूबर में इनकी कटाई होती है। यह हाईवे आंध्र प्रदेश के कृष्णापटनम पोर्ट और नेशनल हाईवे-67 के एक हिस्से को जोड़ने का काम करेगा, जिससे पोर्ट कनेक्टिविटी बेहतर होगी। यह सड़क तीन प्रमुख इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के नोड्स को भी जोड़ती है- वीसीआईसी (कोप्पर्थी), एचबीआईसी(ओरवाकल) और सीबीआईसी (कृष्णपटनम)। इस परियोजना की लागत 3,653 करोड़ रुपए है।

कैबिनेट के अन्य फैसले

केंद्र सरकार ने 2025-26 के लिए किसान क्रेडिट कार्ड की ब्याज सब्सिडी योजना को जारी रखने का फैसला किया। ब्याज सब्सिडी योजना को अगले वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जारी रखने को मंजूरी दे दी है। इसके लिए जरूरी फंड भी तय कर लिया गया है। ये योजना किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए किसानों को कम ब्याज पर लोन देने के लिए है। किसान केसीसी से 3 लाख रुपए तक का लोन 7 फीसदी ब्याज पर ले सकते हैं, जिसमें बैंकों को 1.5 फीसदी ब्याज सब्सिडी मिलती है। जो किसान समय पर लोन चुका देते हैं, उन्हें 3 फीसदी तक का प्रोत्साहन मिलता है, यानी उनका ब्याज सिर्फ 4 फीसदी रह जाता है। पशुपालन या मछली पालन के लिए लोन पर 2 लाख रुपए तक की सीमा पर ये लाभ मिलता है। दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी कैबिनेट ने महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भारतीय रेलवे की दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी। इसके तहत रतलाम-नागदा के बीच तीसरी और चौथी लाइन डाली जाएगी। वहीं वर्धा- बल्हारशाह चौथी लाइन टाली जाएगी। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 3,399 करोड़ रुपए है और इन्हें 2029-30 तक पूरा किया जाएगा।आंध्र प्रदेश में बडवेल-नेल्लोर के बीच फोर-लेन हाईवे को मंजूरी केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश में बडवेल-नेल्लोर के बीच 108 किलोमीटर लंबे फोर-लेन हाईवे परियोजना को मंजूरी दे दी है।

जज यशवंत वर्मा के घर से नकदी बरामदगी पर सियासी

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से कथित तौर पर बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के बाद देशभर में राजनीतिक और कानूनी हलचल तेज हो गई है। इस मुद्दे पर केंद्र सरकार की तरफ से महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। बीजेपी नेता और वरिष्ठ वकील नलिन कोहली ने इस मामले को बेहद गंभीर बताया और कहा कि इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए। बीजेपी नेता नलिन कोहली ने कहा कि किसी जज के घर पर जलती हुई नकदी का मिलना बहुत ही गंभीर और संवेदनशील मामला है। समाज की भी यह उम्मीद है कि पूरी सच्चाई सामने आए। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजय खन्ना ने इस मामले की आंतरिक जांच के लिए एक समिति बनाई थी, जिसने अपनी रिपोर्ट प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को सौंप दी है।नलिन कोहली ने कहा कि अब दो अहम कदम उठाए जाने की जरूरत है। पहला क्या जस्टिस वर्मा को संविधान के अनुच्छेद 124 के तहत हटाने की प्रक्रिया (महाभियोग) शुरू होनी चाहिए। दूसरा क्या उनके खिलाफ एक एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब बात भ्रष्टाचार की हो। वहीं पंजाब सरकार के मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने भी सख्त रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि अगर जज यशवंत वर्मा भ्रष्टाचार में शामिल हैं, तो उनके खिलाफ आम नागरिकों की तरह ही कानूनी कार्रवाई होनी है।

ऑपरेशन शील्ड : पाकिस्तान से सटे राज्यों में आज होगा विशेष मॉक ड्रिल

एजेंसी/नई दिल्ली

पाकिस्तान से सटे राज्यों में गुरुवार की शाम मॉक ड्रिल होगी। इनमें जम्मू-कश्मीर, गुजरात, हरियाणा और चंडीगढ़ शामिल हैं। इसे ऑपरेशन शील्ड नाम दिया गया है। वहीं, पंजाब में 3 जून को ड्रिल होगी। पहले राजस्थान में भी होने वाली थी, लेकिन फिलहाल इसे टाल दिया गया है। अभी तक तारीख सामने नहीं आई है। इससे पहले 7 मई को देश के 244 जिलों में मॉक ड्रिल हुई थी। इसमें नागरिकों को हमले के दौरान खुद को बचाने की ट्रेनिंग दी गई। यह इसलिए किया गया ताकि युद्ध की स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।देश में पिछली बार ऐसी मॉक ड्रिल 1971 में हुई थी। तब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ था। यह मॉक ड्रिल युद्ध के दौरान हुई थी। दरअसल, 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। इसके बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बना हुआ है। मॉक ड्रिल और ब्लैकआउट एक्सरसाइज एक तरह की प्रैक्टिस जिसमें हम यह देखते हैं कि अगर कोई इमरजेंसी (जैसे एयर स्ट्राइक या बम हमला) हो जाए, तो आम लोग और प्रशासन कैसे और कितनी जल्दी रिएक्ट करता है। ब्लैकआउट एक्सरसाइज का मतलब है कि एक तय समय के लिए पूरे इलाके की लाइटें बंद कर देना। इसका मकसद यह दिखाना होता है कि अगर दुश्मन देश हमला करे, तो इलाके को अंधेरे में कैसे सुरक्षित रखा जा सकता है। इससे दुश्मन को निशाना साधने में मुश्किल होती है।7 मई को देश के 244 शहरों में 12 मिनट ब्लैकआउट किया गया था। देश के 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 244 शहरों में 7 मई को 12 मिनट की ब्लैकआउट एक्सरसाइज की गई थी। गृह मंत्रालय ने इन शहरों को सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट के तौर पर लिस्ट किया था। ये सामान्य प्रशासनिक जिलों से अलग थे। इसमें लोगों, कर्मचारियों, स्टूडेंट्स को आपात स्थिति में बचाव व निकालने के तरीके समझाए गए थे।

हमारे अस्तित्व और राष्ट्रीय अखंडता के लिए चुनौती हैं घुसपैठिए: जगदीप

एजेंसी/नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि दो करोड़ घुसपैठिये भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता के लिए चुनौती हैं। धनखड़ ने कहा कि जब हमारी सीमा की सुचिता अनियंत्रित घुसपैठियों द्वारा भंग की जाती है, तो यह कानून और व्यवस्था का सवाल नहीं बल्कि हमारे अस्तित्व और राष्ट्रीय अखंडता का सवाल होता है। वह मुंबई में अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ये लोग हमारे राष्ट्रीय संसाधनों में बड़े हिस्से की मांग करते हैं। वे हमारे हाथों से काम छीन लेते हैं और हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता को कमजोर बनाते हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि हमेशा ऐसी चुनौतियों से सतर्क रहें। उन्होंने कहा कि अब यह प्रवास का प्रश्न नहीं रह गया है, बल्कि जनसांख्यिकीय आक्रमण का सवाल है।

गुजरात मिशन पर जा रही बिहार एसटीएफ की गाड़ी मध्यप्रदेश में दुर्घटनाग्रस्त, दो जवान शहीद

एजेंसी/रतलाम

गुजरात में एक अहम ऑपरेशन के लिए जा रही बिहार एसटीएफ की टीम की गाड़ी मध्यप्रदेश के रतलाम में एक्सप्रेसवे पर हादसे का शिकार हो गई। इस दुखद दुर्घटना में दो जवानों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हुए हैं। गुजरात में एक महत्वपूर्ण ऑपरेशन के लिए रवाना हुई बिहार एसटीएफ की टीम के साथ मध्यप्रदेश के रतलाम जिले में हाईवे पर बड़ा हादसा हो गया। दिल्ली-मुंबई 8-लेन एक्सप्रेस वे पर तेज रफ्तार के कारण पुलिस वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे मौके पर ही दो जवानों की दुखद मौत हो गई। जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि हादसे में सब-इंस्पेक्टर मुकुंद मुरारी और कॉन्स्टेबल विकास कुमार की जान चली गई। अन्य घायल जवानों में सब-इंस्पेक्टर संतोष कुमार, कॉन्स्टेबल जीवधारी कुमार, मिथिलेश पासवान और रंजन कुमार शामिल हैं। एक जवान की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिसे इंदौर के एक अस्पताल में रेफर किया गया है। बाकी घायलों को तत्काल रतलाम के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां घायलों का इलाज जारी है। रतलाम एसपी अमित कुमार और एएसपी राकेश खाखा समेत कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे।

अब सभी कागजात को डिजिटल तरीके से सुरक्षित रखा जा सकेगा, फर्जीवाड़ा पर लगेगी रोक

जमीन रजिस्ट्री के 117 साल पुराने नियम-कानून होंगे खत्म

एजेंसी/पटना

केंद्र सरकार एक नया कानून लाने जा रही है। इससे संपत्ति का रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन हो जाएगा। साथ ही, कागजात को डिजिटल तरीके से सुरक्षित रखा जा सकेगा। यह कानून 117 साल पुराने रजिस्ट्रेशन अधिनियम की जगह लेगा। भूमि संसाधन विभाग ने इसका मसौदा जारी किया है। यह विभाग ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत आता है। सरकार इस पर लोगों की राय जानना चाहती है। इस कानून के बनने से पूरे देश में संपत्ति के रजिस्ट्रेशन का नियम

एक जैसा हो जाएगा।

रजिस्ट्रेशन अधिनियम में बदलाव की तैयारी : दरअसल, अभी जो रजिस्ट्रेशन अधिनियम है, वह पूरे देश में लागू है। लेकिन बिहार सरकार को इसमें बदलाव करने का अधिकार है। बदलाव करने से पहले केंद्र सरकार से सलाह लेना जरूरी है। कई राज्यों ने पहले ही ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया है। इसलिए केंद्र सरकार एक ऐसा कानून लाना चाहती है, जो पूरे देश में एक जैसा लागू हो। नए कानून में एग्रीमेंट टू सेल, पावर ऑफ अटॉर्नी, सेल सर्टिफिकेट और इक्विटेबल मॉर्गेज जैसे दस्तावेजों का रजिस्ट्रेशन भी अनिवार्य होगा।

आधार कार्ड को लेकर भी है तैयारी : सरकार आधार कार्ड से सत्यापन को जरूरी करने का सोच रही है। लेकिन इसके लिए लोगों की सहमति जरूरी होगी। जो लोग आधार नंबर नहीं देना चाहते, उनके लिए दूसरा विकल्प भी होगा। सरकार का मानना है कि इससे धोखाधड़ी कम होगी। सरकार इलेक्ट्रॉनिक रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट और रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से रखने की अनुमति भी देने जा रही है। अब कागजात ऑनलाइन जमा किए जा सकेंगे और रजिस्ट्रेशन भी ऑनलाइन हो सकेगा।लोगों से मांगी जा रही रायभूमि संसाधन विभाग के अनुसार, हाल के वर्षों में तकनीक का बढ़ता उपयोग, बदलते सामाजिक-आर्थिक व्यवहार और पंजीकृत दस्तावेजों पर बढ़ती निर्भरता ने एक आधुनिक की ओर कदम है।

ब्रह्मपुर में 7.5 लाख की विदेशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

- जवहीं दियर से तस्करी कर गोकुल जलाशय के रास्ते लाई जा रही थी शराब की खेप
- पुलिस ने छापेमारी कर इनोवा कार और बाइक को किया जब्त

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के बलुआ घाट के समीप से विदेशी शराब की खेप के साथ एक तस्कर को पकड़ा है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त एक इनोवा कार व बजाज कंपनी की प्लेटिना बाइक भी जब्त की है। मौके से पुलिस को 422.46 लीटर विदेशी शराब बरामद किया है, जिसकी कीमत साढ़े सात लाख रूपए आंकी जा रही है।

पुलिस को यह सफलता गुप्त सूचना के आधार पर मिली है। जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि बलुआ घाट के रास्ते शराब की एक बड़ी खेप आने वाली है। इस सूचना पर बलुआ घाट के आस पास पुलिस ने अपना जाल बिछाया। सुबह में बलुआ घाट के समीप यूपी की तरफ से आ रही एक इनोवा कार आती दिखाई पड़ी।

पुलिस टीम ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो उसमें सवार लोग दो लोग व एक बाइक चालक अपना-अपना वाहन छोड़ भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने इनमें से एक को दौड़ाकर पकड़ लिया।

गिरफ्तार तस्कर की पहचान बगेन थाना क्षेत्र के कैथी गांव निवासी बब्लू सिंह के रूप में हुई है। वहीं, उसके दो साथी मौके से फरार हो गए। फरार तस्करों को चिन्हित कर पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। पुलिस का दावा है कि तस्करों को जल्दी ही पकड़ लिया जाएगा। वहीं, पुलिस गिरफ्तार तस्कर से पूछताछ कर पुलिस तस्करी के पूरे खेल की पड़ताल में जुट गई है। थानाध्यक्ष सुरेश प्रसाद ने बताया कि गुप्त सूचना पर पुलिस को सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि तस्करों के पूरे नेटवर्क को खंगाला जा रहा है। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब की इस खेप को पटना ले जाने की तैयारी थी।

जवही से नया नहीं है तस्करी का खेल : बता दें कि यूपी की सीमा में स्थित जवही गांव से शराब तस्करी का खेल नया नहीं है। सूत्रों का कहना है कि बिहार में शराबबंदी कानून लागू होने के बाद से ही जवही के रास्ते तस्करी बढ़ गई थी। कई बार इसकी शिकायत भी स्थानीय लोगों ने पुलिस से की थी। वही ब्रह्मपुर व नैनीजोर थाने की पुलिस भी पूर्व में जवही से शराब लेकर आने वाले कई तस्करों को पकड़ा है। जो इस बात को प्रमाणित करता है कि इस रास्ते शराब तस्करी का खेल वर्षो से जारी है। पुलिस का भी मानना है कि शराब तस्करी के लिए दियारा इलाका सेफ जोन बन गया है। हालांकि, ब्रह्मपुर व नैनीजोर थाने की पुलिस तस्करों क मंसूबे पर पानी फेरने का काम कर रही है।

एक नजर

मजदूर नेता अर्जुन यादव के भाई ने आठ लोगों पर दर्ज कराया नामजद एफआईआर

बक्सर। चौसा थर्मल पॉवर प्लांट के मुख्य गेट पर सोमवार को हुए राजद मजदूर प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अर्जुन यादव के हत्या मामले में तीसरे दिन एफआईआर दर्ज कराया गया है। एफआईआर उसके बड़े भाई करण यादव ने दर्ज कराया है। करण ने बनारपुर के आठ लोगों पर अर्जुन की हत्या का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है, एफआईआर दर्ज होते ही पुलिस का जांच तेज हो गया है। जिन लोगों पर एफआईआर दर्ज कराया गया है उनमें मनोरंजन पांडेय उर्फ राजा पांडेय पिता स्व. श्रीमन नारायण पांडेय, अमित तिवारी पिता महेश तिवारी, धर्मेन्द्र तिवारी पिता करिया तिवारी, हरिओम तिवारी पिता गुड्डू उर्फ सुनील तिवारी, गुड्डू तिवारी उर्फ सुनील तिवारी पिता नरेंद्र तिवारी, नरेंद्र तिवारी, ओम पांडेय पिता ढोढ़ा पाण्डेय, मुन्ना तिवारी पिता केशव तिवारी, सभी ग्राम बनारपुर एवं उनके अन्य साथियों पर साजिश के तहत हत्या करवाने का आरोप लगाया है। पुलिस को दिए आवेदन में मृतक के भाई ने जिक्र किया है कि उसका भाई एल एंड टी कंपनी में ठेकेदारी करता था। सोमवार की सुबह करीब 11.15 बजे वह मोहनपुरवा गेट से प्लांट में अधिकारियों से मिलने जा रहा था। गेट के पास अपनी थार गाड़ी लगा वह पानी लेने उतरा तथा पानी लेकर जैसे ही गाड़ी के पास पहुंचा कि एक बाइक पर सवार तीन की संख्या में अपराधियों ने उसे गोली मार दी, जिससे वह लहूलुहान हो गिर पड़ा तथा इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने इस मामले का अनुसंधान तेज कर दिया है। पुलिस की मानें तो एफआईआर में वर्णित तथ्यों के अलावे कई बिंदुओं पर जांच की जा रही है। जल्दी ही इस मामले का उद्भेदन कर लिया जाएगा। बक्सर एसपी शुभम आर्य ने बताया कि आठ लोगों पर नामजद एफआईआर हुआ है। पुलिस आरोपियों के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

गोला बाजार से बाइक की चोरी, केस दर्ज

डुमरांव। स्थानीय शहर के मुख्य मंडी गोला रोड स्थित पुराना थाना मार्केट से एक बाइक चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में चक्की प्रखंड के चंदा गांव निवासी अनिल चौरसिया ने स्थानीय थाना में आवेदन देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस पीड़ित के बयान पर केस दर्ज कर अज्ञात चोरों की शिनाख्त में जुट गई। पीड़ित ने पुलिस को दिए गए आवेदन में बताया है कि वह अपना स्प्लेंडर प्लस बाइक न्यू मार्केट के सामने पुराना थाना गली मार्केट में खड़ा कर सामानों की खरीदारी कर रहा था। बाइक पर एक बोरा लहसुन भी लदा था। खरीदारी कर जब वहां पहुंचा तो बाइक नदारद थी। काफी खोजबीन किया, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। स्थानीय पुलिस ने बताया कि पुलिस मामले को दर्ज कर चोरों की पहचान करने में जुट गई है।

शिक्षक से मारपीट के मामले में आदर्श उच्च विद्यालय के परिचारी को किया गया निलंबित

बक्सर। आदर्श +2 उ.वि. चौसा के प्रभारी प्रधानाध्यापक के प्रतिवेदित पत्र के आलोक में परिचारी कमलदेव राय पर डीपीओ स्थापना विष्णुकांत राय ने कारवाई किया है। परिचारी को दोषी पाते हुए निलंबित कर दिया है। जारी पत्र के अनुसार परिचारी कमलदेव राय ने शिक्षक विजय कुमार के साथ मार-पीटकर लहू-लुहान करने को लेकर स्थानीय थाने में मामला दर्ज कराया गया है। इस कारण अनुशासनिक कार्रवाई के लिए अनुरोध किया गया था। वहीं, मामले में परिचारी से स्पष्टीकरण पृच्छा की गई थी, जिसका उत्तर अबतक प्राप्त नहीं हुआ है। ऐसी स्थिति में प्रभारी प्रधानाध्यापक द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रतिवेदन के आलोक में कमलदेव राय को बिहार सरकारी सेवक वर्गीकरण अपील एवं नियंत्रण नियमावली 2005 एवं कर्मचारी अचार नियमावली 1976 के विभिन्न सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत प्रथम दृष्टया दोषि मानते हुए तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर विभागीय कार्रवाई के अधीन किया जाता है।

चौसा कोचस मुख्य मार्ग पर नायरा पेट्रोल पंप के समीप हुआ बड़ा हादसा

राजपुर में डंपर व ऑटो की टक्कर में तीन की मौत, आधा दर्जन लोग जख्मी

- घटना के बाद मौके पर मची अफरा तफरी
- स्थानीय आक्रोशित ग्रामीणों ने विरोध में किया सड़क जाम

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना क्षेत्र के चौसा कोचस मुख्य मार्ग पर स्थित नायरा पेट्रोल पंप के समीप यात्रियों से भरी एक ऑटो रिक्शा व डंपर की टक्कर में कुल तीन की मौत हो गई है, जबकि आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए है। घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया था, जिससे चौसा कोचस मार्ग पर वाहनों का परिचालन ठप हो गया था। हालांकि, बाद में पुलिस के समझाने के बाद लोग शांत हुए तथा जाम हटाया गया।

मृतकों में रोहतसा जिला के दिनारा थाना क्षेत्र के देआदहा गांव निवासी 50 वर्षीय शोभनाथ बैठा, राजपुर थाना क्षेत्र के बघेलवा गांव निवासी हरिशंकर राम के 13 वर्षीय पुत्र नीरज कुमार व मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गांव निवासी व ऑटो चालक 25 वर्षीय अभिषेक कुमार शामिल है।

वहीं, जख्मियों में थाना क्षेत्र के सखुआना गांव निवासी 50 वर्षीय कृष्णा सिंह पिता स्व. ललन सिंह, 30 वर्षीय कुमारी रीता पति कृष्ण कुमार सिंह, 20 वर्षीय नीतू कुमारी पिता कृष्ण कुमार सिंह, रोहतास जिला के दिनारा थाना क्षेत्र के देआदहा निवासी 23 वर्षीय ज्वाला कुमार पिता मुनी रजक एवं लक्ष्मीपुर गांव निवासी 35 वर्षीय छोटक कुमार पिता रामाकांत राम एवं एक अन्य व्यक्ति शामिल है, जिसकी पहचान नहीं हो सकी है। इनमें शोभनाथी की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि अस्पताल ले जाने के दौरान नीरज ने व वाराणसी में इलाज के दौरान ऑटो चालक अभिषेक ने दम तोड़ दिया। घायलों में भी कई की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

पूर्व मुखिया व अन्य लोगों ने जख्मियों को निकाला : घटनास्थल पर पहुंचे पूर्व मुखिया सत्येंद्र नारायण सिंह एवं अन्य ग्रामीणों के सहयोग से गाड़ी में फंसे लोगों को निकालकर तत्काल इन सभी को सीएचसी राजपुर में भर्ती कराया गया, जहां से इन सभी को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल बक्सर रेफर कर दिया गया। मौत की खबर मिलते ही अस्पताल में पहुंचे मृतक शोभनाथ की पत्नी सोना देवी का काफी रोते-रोते बुरा हाल हो गया था। वहीं उसके भाई नारायण बैठा ने बताया कि यह उत्तर प्रदेश के दिलदारनगर में किसी रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में गए थे, जहां से लौटते वक्त हादसा हो गया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बक्सर भेजा। घटना स्थल पर पहुंचे बीडीओ सिद्धार्थ कुमार ने स्थिति का जायजा लेते हुए वरीय पदाधिकारी को अवगत करा दिया है। इस मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ऑटो में एक ही परिवार के पांच लोग थे सवार

थाना क्षेत्र के सखुआना गांव के एक ही परिवार के लगभग पांच लोग अयोध्या राम मंदिर से दर्शन कर वापस गांव लौट रहे थे। वहीं, अन्य क्षेत्रीय लोग भी अपने गांव के लिए टेम्पो पर सवार होकर बक्सर की तरफ से वापस तियरा की तरफ लौट रहे थे। जैसे ही टेम्पो राजपुर थाना क्षेत्र के नायरा पेट्रोल पंप के समीप पहुंची तभी कोचस की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही डंपर ने इनमें जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर इतना जोरदार था कि गाड़ी पूरी तरह से घसीटते हुए क्षतिग्रस्त हो गई तथा इस पर सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी का माहौल हो गया। चीख पूकार सुनकर आसपास टहल रहे लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। तब तक डंपर चालक तेज गति से अपनी गाड़ी लेकर भाग निकला।

ऑटो चालक का शव आते ही चौसा में लोगों ने किया सड़क जाम

चौसा। सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले ऑटो चालक लक्ष्मीपुर निवासी अभिषेक की मौत से स्थानीय लोग सबसे अधिक दुखी थे। उसके गांव के लोगों का कहना था कि वह अपने परिवार को एकमात्र कमाउ पूत था। जैसे ही उसका शव आया, लोगों ने चौसा में शव के साथ सड़क जाम कर दिया था। जहां ग्रामीणों द्वारा हादसे में मृत चालक के परिजनों को मुआवजा देने की मांग की जा रही थी।

वहीं, सड़क जाम की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना की पुलिस के अलावे सदर प्रखंड के बीडीओ सिद्धार्थ कुमार मौके पर पहुंचे। अधिकारियों को देख ग्रामीणों ने नारे बाजी तेज कर दी। इस बीच बीडीओ व थानाध्यक्ष ने मिलकर आक्रोशित लोगों को समझा बुझाकर शांत कराया। इसके बाद शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा।

मुफस्सिल थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने बताया कि सड़क जाम कर रहे नाराज ग्रामीणों को समझा बुझाकर शांत कराया गया। उन्होंने बताया कि पीड़ित परिवार को उचित मुआवजे का आश्वासन दिया गया है। वहीं, राजपुर के थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश ने बताया कि दुर्घटना को अंजाम देने वाले डंपर चालक की पहचान की जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। इसके लिए आसपास के स्थानों में सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है।

पुलिस ने पांच आरोपियों के घरों पर चस्पाया इस्तेहार

केटी न्यूज/बक्सर

राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अहियारपुर गांव में हुए बहुचर्चित ट्रिपल हत्याकांड मामले में न्यायालय ने बड़ा कदम उठाया है। मामले में फरार चल रहे पांचों आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने महज 120 घंटे में कुर्की का इस्तेहार चस्पाया। पुलिस ने यह कार्रवाई बुधवार को बक्सर न्यायालय से कुर्की के आदेश निर्गत होने के बाद कार्रवाई शुरू की है। इसके तहत राजपुर पुलिस ने थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश के नेतृत्व में डुगडुगी बजाते हुए आरोपियों के घरों पर इस्तेहार चस्पाया है।

इस मामले में आरोपी पूर्व जिप उपाध्यक्ष संतोष यादव, पूर्व मुखिया मनोज यादव, बटेश्वर यादव, अभिषेक यादव, महेंद्र यादव और कुणाल यादव शामिल हैं। जिनकी तलाश में पुलिस जुटी है। लेकिन अब तक फरार चल रहे है। जिसके कारण पुलिस न्यायालय सोमवार को कोर्ट से वारंट निर्गत कराया गया था। जिसकी सूचना नोटिस के माध्यम से आरोपियों को दे दी गयी थी। फिर वो न्यायालय या पुलिस के समक्ष उपस्थित नही हुए। जिसके बाद राजपुर थानाध्यक्ष ने न्यायलय में अर्जी दी थी। जिसके बाद कोर्ट के द्वारा कुर्की का निर्देश दिया गया। जिसके बाद राजपुर थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अहियारपुर गांव पहुंचकर डुगडुगी बजाते हुए सभी आरोपियों के घरों पर इस्तेहार चस्पाया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर आरोपी अदालत के सामने पेश नहीं होते हैं तो अगली कार्रवाई के रूप में उनकी संपत्ति की कुर्की की जाएगी।

अवैध दोनाली रायफल के साथ ब्रह्मपुर उत्तरी के जिप सदस्य का भाई गिरफ्तार

- जिप सदस्य की भूमिका की हो रही है जांच

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर पुलिस ने गुप्त सूचना पर ब्रह्मपुर उत्तरी क्षेत्र के जिप सदस्य अशोक यादव के भाई दामोदर यादव को अवैध दोनाली रायफल के साथ गिरफ्तार किया है। वहीं, इस मामले में जिप सदस्य की भूमिका की जांच की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार ब्रह्मपुर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि जिप सदस्य के घर अवैध असलहे है। इस सूचना पर वरीय अधिकारियों को जानकारी दी गई तथा वरीय अधिकारियों के निर्देश पर तत्काल छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान जिप सदस्य घर पर मौजूद नहीं थे। छापेमारी के दौरान पुलिस को घर से एक दोनाली रायफल मिला। जिसके संबंध में कोई कागजात प्रस्तुत नहीं करने पर पुलिस ने उनके भाई दामोदर यादव को गिरफ्तार कर लिया।

मामले में ब्रह्मपुर थानाध्यक्ष सुरेश प्रसाद ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि जिप सदस्य की भूमिका की जांच की जा रही है।

हत्या कर साक्ष्य छुपाने के लिए बोरे में बंद कर नहर में फेंकी गई महिला की लाश बरामद

केटी न्यूज/राजपुर

अभी ट्रिपल मर्डर की घटना से राजपुर का इलाका शांत भी नहीं हुआ था कि बुधवार को एक और हत्या की वारदार सामने आने से लोगों में हड़कंप मच गया।

थाना क्षेत्र के दैतरा बाबा मंदिर के समीप नहर से पुलिस ने बोरे में बंद एक महिला की सड़ी-गली लाश बरामद की है। आशंका जताई जा रही है कि कई दिन पूर्व उसकी हत्या की गई है। जिस कारण लाश पूरी तरह से सड़ गई थी। शव से बदबू आने के बाद ग्रामीणों ने इसकी शिकायत स्थानीय पुलिस से की। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जब नहर से उक्त बोरे को निकाल उसे खोला तो उसमें से एक महिला की सड़ी गली लाश बरामद हुई।

हालांकि, उसकी पहचान नहीं हो सकी है। थानाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर शव को बरामद किया गया है। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक टीम से भी इसकी जांच करवाई जा रही है। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा जा रहा है। थानाध्यक्ष ने कहा कि पुलिस शव के शिनाख्त का प्रयास कर रही है। शिनाख्त के बाद ही इस मामले में कुछ कहा जा सकता है कि उसकी हत्या क्यों की गई है तथा कौन-कौन से लोग इसमें शामिल है। फिलहाल थानाध्यक्ष ने उक्त शव की शिनाख्त के लिए लोगों से अपील की है। वहीं, आशंका जताई जा रही है कि महिला की कही अन्यत्र हत्या कर साक्ष्य छुपाने के लिए शव को यहां लाकर फेंका गया है। वहीं, सूचना मिलते ही क्षेत्र में सनसनी मच गई।

बिहार सरकार के अनूसूचित जाति कल्याणमंत्री ने अतिथि गृह में आयोजित किया प्रेस वार्ता

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद पीएम के प्रति बढ़ा लोगों का विश्वास: जनक चमार

- प्रधानमंत्री के बिक्रमगंज की सभा में अधिक से अधिक लोगों को चलने की अपील की गई

केटी न्यूज/बक्सर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 30 मई को बिक्रमगंज में आयोजित सभा को सफल बनाने के उद्देश्य से बिहार सरकार के अनुसूचित जन कल्याण मंत्री जनक चमार चार दिन से बक्सर जिले के प्रवास पर रहकर विभिन्न प्रखंडों एवं मंडलों में भ्रमण कर अनेक गांवों में जा-जा कर लोगों से मुलाकात किये और प्रधानमंत्री की सभा में बिक्रमगंज चलने का आह्वान किया।

वहीं, बुधवार की शाम उन्होंने जिला मुख्यालय स्थित अतिथि गृह में एक प्रेसवार्ता आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने किया।

प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री ने कहा कि चार दिनों से बक्सर जिले का भ्रमण करते करते हमें यह एहसास हुआ है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है। लोग अपने नेता को देखने, सुनने के लिए लालायित हो रहे हैं। बिक्रमगंज जाने के लिए नौजवान तो नौजवान बुढ़े बुजुर्ग भी आतुर दिखे। दुश्मन देश के प्रति ऑपरेशन सिंदूर के सफल ऑपरेशन से लोगों का जोश हाई है। बिक्रमगंज जाने के लिए लोग अभी से ही तैयारी शुरू कर दिए हैं। हमें विश्वास है कि बक्सर जिले से 40 हजार लोग 30 तारीख को बिक्रमगंज पहुंचेंगे।

वहीं, अहियापुर हत्याकांड समेत जिले में हाल के दिनों में हुए कई अन्य अपराधिक घटनाओं पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए बिहार सरकार के मंत्री ने कहा कि अपराधी चाहे कोई भी हो कानून से बड़ा नहीं हो सकता। कानून अपना काम कर रहा है। उन्हें जिस किसी का भी संरक्षक प्राप्त होगा पकड़ कर जेल भेजने का काम पुलिसिया कार्रवाई में जरूर होगा। उन्होंने कहा कि बिहार में सुशासन की सरकार है, अपराधी बख्शे नहीं जाएंगे चाहे वे कितने भी रसूखदार क्यों न हो। प्रेसवार्ता में मुख्य रूप पे विनोद राय, लक्ष्मण शर्मा, कामेश्वर सिंह, भरत प्रधान, उमाशंकर राय आदि उपस्थित रहे।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025
SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII
Chemistry : 98, Biology : 91
English Core : 97, Physics : 91
Physical Education : 96, Business Studies : 86
Mathematics : 92, Economics : 83
TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• Mathematics : 100 • Sanskrit : 100 • Social Science : 97
• Science : 100 • English : 95 • Hindi : 94
INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!
REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.
SCHOLARSHIP SCHEME
• CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
• INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

रांग साइड से जा रही गाय लदी पिकअप ने मैजिक वाहन में मारी टक्कर

- हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी, दुर्घटना के बाद भाग खड़ा हुआ पिकअप चालक
- दुर्घटना ग्रस्त वाहन को अभिरक्षा में ले जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/डुमरांव

पटना-बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 922 पर एक पिकअप व एक मैजिक वैन की टक्कर हो गई। दुर्घटना को अंजाम देने वाली पिकअप रांग साइड से जा रही थी तथा उस पर एक गाय लदी थी, जिसे नया भोजपुर पहुंचाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, पिकअप चालक व उसमें सवार दो अन्य लोग जख्मी अवस्था में ही भागने में सफल रहे, जिससे गाय के संबंध में जानकारी नहीं मिल सकी है।

घटना दोपहर बाद कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के ढकाईच गांव के समीप की हैं इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त एक वाहन को अपनी अभिरक्षा में ले लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार एक पिकअप वाहन पर गाय लादकर उसे नया भोजपुर की तरफ ले जाया जा रहा था। उक्त वाहन ब्रह्मपुर की तरफ से उत्तरी लेन पकड़कर आ रही थी, जिससे यह कयास लगाए जा रहे हैं कि वाहन को नया भोजपुर ले जाया जा रहा था। ऐसे में आशंका यह भी जताई जा रही है कि यह गाय तस्करी के लिए ले जाई जा रही हो। बहरहाल पुलिस अभी इस मामले में कुछ भी बोलने से बच रही है।

इधर घटना के बाद दूसरा पिकअप वाहन चालक भी अपना वाहन लेकर फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दूसरा वाहन किसी डेयरी फॉर्म का था। वह अपने लेन में सीधा जा रहा था तभी अचानक सामने गलत लेन में आ रहे पिकअप को देखकर वह संतुलन खो बैठा। ब्रेक लगाते लगाते दोनों वाहनों की टक्कर हो गई।

थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि दो वाहनों के टक्कर की सूचना मिली थी। एक वाहन चालक वाहन लेकर फरार हो गया वहीं दूसरे वाहन को पुलिस ने अपने अभिरक्षा में ले लिया है। जब्त वाहन पर एक गाय लदी हुई है, जिसे देखभाल के लिए आदर्श गौशाला भेजने की तैयारी की जा रही है। पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच में जुटी हुई है। जांच के बाद ही कुछ कहना ठीक होगा।

जिले में नहीं थम रही है पशु तस्करी की घटनाएं : जिले में पशु तस्करी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। गौरतलब हो कि इसके पहले भी कई बार पशु तस्करी का उद्भेदन जिले में हो चुका है। वहीं, घटना के बाद जानकारों का कहना है कि मझवारी, चौसा व ब्रह्मपुर में आयोजित होने वाला पशु मेला पशु तस्करी का बड़ा केन्द्र बन गया है, जहां यूपी से पशुओं की तस्करी कर लाई जाती है तथा उन्हें लोकल वधशाला के अलावे बंगाल तक पहुंचाया जा रहा है। पुलिस प्रशासन की उदासीनता से पशु तस्करों का मनोबल बढ़ा हुआ है।

एक नजर

हल्की बारिश ने खोली सफाई व्यवस्था की पोल, सड़कों पर जलजमाव से बढ़ी परेशानी

केसठ। बुधवार को हुई हल्की बारिश ने केसठ के नये बाजार से मिठाईया पुल जाने वाले मुख्य मार्ग की बदहाल स्थिति को उजागर कर दिया। बारिश थमते ही सड़क पर जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे स्थानीय लोगों और राहगीरों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय निवासी बताते हैं कि यह समस्या कोई नई नहीं है। थोड़ी सी भी बारिश होते ही पानी सड़कों पर भर जाता है और आने-जाने का रास्ता बाधित हो जाता है। यह रास्ता न केवल स्थानीय जनता के लिए अहम है, बल्कि बाजार और आस-पास के ग्रामीण इलाकों को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग भी है।स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार इस समस्या की शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। सड़क के किनारे निर्माण सामग्री भी रखी हुई है, जिससे राहगीरों की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं।जनता ने जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन से अपील की है कि वे इस गंभीर समस्या पर शीघ्र संज्ञान लें और जलनिकासी की व्यवस्था को दुरुस्त करवाएं, ताकि आने वाले मानसून में लोगों को ऐसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

नप ने पानी निकाल किया सप्लाई पाइप की मरम्मत

डुमरांव। शहर के मुख्य सड़क स्टेशन रोड से सटे चाणक्यपुरी मोड़ पर पिछले तीन दिनों से नगर परिषद के लापरवाही के कारण हजारों लीटर पानी सड़को पर बर्बाद हो रहा था। कारण कि हाइमास्ट लगाने के लिए खोदे गये गड्ढे से सप्लाई पाइप क्षतिग्रस्त हो गया था। इस खबर को केशव टाइम्स ने बुधवार को डुमरांव पेज पर प्रमुखता से प्रकाशित किया था। खबर प्रकाशन के बाद नगर परिषद प्रशासन की नींद टूटी और अपने कर्मियों से उस गड्ढे से पानी निकासी कर क्षतिग्रस्त वाटर सप्लाई पाइप को ठीक कराया। बतादें कि पानी के तेज बहाव से मोड़ के आसपास सड़क व दुकानें काफी प्रभावित थी। राहगीरों को भी आने-जाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। कई दुकानों का कारोबार प्रभावित रहा। आसपास के दुकानदारों ने नगर परिषद से गुहार भी लगाई थी। लेकिन नप प्रशासन कुंभकर्णी की नींद सोया रहा। लोगों ने बताया कि पाइप लाइन टूटने से जहां लगातार पीने योग्य पानी व्यर्थ रूप से बह रहा था। वहीं धीरे-धीरे कई दुकानें व प्लाटों में भी घुस गया। गंदगी व पानी के कारण स्कूल जाने वाले बच्चें पानी मे फिसलकर चोटिल हो रहे थे। तो कई दोपहिया वाहन भी गिर पड़े। पाइप के मरम्मत होने से राहगीरों व दुकानदारों ने राहत की सांस ली है।

अहियापुर पहुंचे सांसद पप्पू यादव का पैर पकड़ रोने लगी पीड़ित परिवार की महिलाएं व बच्चियां

पीड़ित परिवार को न्याय व हत्यारों को फांसी दिलाने के बाद लूंगा दम: सांसद

- महिलाओं को रोता देख खुद रो पड़े पप्पू यादव, बोले न्याय दिलाकर ही दम लूंगा
- केन्द्र सरकार पर साधा निशाना, बोले- सिंदूर का सौदा कर रहे हैं पीएम

केटी न्यूज/बक्सर

अहियापुर की घटना पर अब सियाशत शुरू हो गई है। बुधवार को सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव पहुंच ट्रिपल मर्डर के पीड़ित परिवार से मुलाकात किए। इस दौरान एक मृतक की विधवा समेत घर की महिलाए व बच्चियां उनका पैर पकड़ रोने लगी। पप्पू यादव को देखते ही महिलाओं की चिख पुकार मच गई, आलम यह था कि कई महिलाएं रोते-रोते बेहोश तक हो गई।

महिलाओं व बच्चों को रोता देख खुद पप्पू यादव भी रो पड़े। बाद में खुद को संभालते हुए उन्होंने इस घटना पर गहरा दुख जताया और कहा कि हत्यारों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं पीड़ित परिवार को न्याय व हत्यारों को फांसी तक पहुंचाकर ही दम लूंगा। इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवार को 20-20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी और पूरे परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग के साथ ही प्रशासन से कहा कि दोषियों को जल्द से जल्द पकड़ सजा दिलाई जाए। उन्होंने घटना के पांच दिन बाद भी मुख्य हत्यारों के नहीं पकड़े जाने पर स्थानीय पुलिस को भी आड़े हाथों लिया और कहा कि इस जघन्य वारदात में सभी हत्यारों को तुरंत पकड़ा जाना चाहिए।

सिंदूर का समझौत कर रहे है प्रधानमंत्री : वहीं, इस दौरान पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर का राजनीतिक लाभ लेना चाहते है। वे सिंदूर का सौदा कर रहे है। प्रधानमंत्री देशभर में घूमकर इसका लाभ लेना चाहते है, लेकिन देश की जनता ऐसा नहीं होने देगी।

उन्होंने कहा, सिंदूर की इज्जत कीजिए, सिंदूर का सौदा मत कीजिए। जो लोग सिंदूर की हिफाजत नहीं कर सकते, वे राजनीति कर रहे हैं। ये लोग वोट मांग सकते हैं, सत्ता के लिए गंदा खेल खेल सकते हैं, सिंदूर की कीमत नहीं समझ सकते। वहीं, पीड़ित परिवार की महिलाओं ने पूरे देश में ऑपरेशन सिंदूर चला हत्यारों का इनकाउंटर करने की मांग की। महिलाओं का कहना था कि सिंदूर उजाड़ने वालों को सिर्फ मौत की सजा मिलनी चाहिए। गौरतलब हो कि पिछले शनिवार को अहियापुर गांव में वर्चस्व की लड़ाई को लेकर हुए विवाद में पांच लोगों को गोली मार दी गई थी, जिसमें तीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए। घायलों में एक युवक का पैर काटना पड़ा। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और प्रशासन पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

आरोपी के साथ पप्पू यादव की तस्वीर वायरल

बता दें कि तिहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपी संतोष यादव की एक तस्वीर भी सांसद पप्पू यादव के साथ वायरल हुई थी। तस्वीर में दोनों एक दूसरे के साथ काफी आत्मीय भाव से मिल रहे है। तस्वीर के सामने आने के बाद चर्चा हो रही थी कि आरोपियों की राजनीतिक साख मजबूत है तथा सांसद पप्पू यादव से भी काफी नजदीकी है। वहीं, पीड़ित परिवार से उनकी मुलाकात के बाद क्षेत्र में चर्चाएं तेज हैं।

राजपुर सीओ व थानाध्यक्ष के निजी नंबर की हो जांच

बक्सर। राजपुर प्रखंड के अहियापुर में हुए तिहरे हत्याकांड की पृष्ठभूमि में प्रशासन के अधिकारियों की संलिप्तता होने की महक अब उठने लगी है। राजपुर प्रखंड के अधिकत्तर ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस मनोज यादव व संतोष यादव की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है। यदि पुलिस निष्पक्ष जांच करना चाहती है तो राजपुर सीओ डॉ. शोभा व तत्कालीन थानाध्यक्ष संतोष कुमार के निजी नंबर की जांच कर लें। सभी हकीकत सामने आ जाएगी। हर दिन सीओ डॉ. शोभा व तत्कालीन थानाध्यक्ष ने मनोज यादव व संतोष यादव की बातचीत उनके निजी नंबर पर होती थी। आक्रोशित ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस के सभी रिकार्ड मौजूद है। पिछले छह माह के सीओ व तत्कालीन थानाध्यक्ष के निजी नंबर को खंगाल कर पुलिस देख लें। सारी सच्चाई सामने आ जाएगी। नामजदों ने इतना बढ़ा कदम उठाया है। कहीं न कहीं प्रशासन का मिली भगत थी। ग्रामीणों का दावा है कि पीड़ित परिजनों ने 19 नामजद पर प्राथमिकी दर्ज करायी है।

सोनाचूर पैकेज के लिये दो और जिले का चयन

डुमरांव। मालूम हो कि शाहाबाद क्षेत्र के लोगों के लिये सोनाचूर चावल काफी लोकप्रिय था। अधिकांश घरों में इसका उपयोग किया जाता था, बाद के दिनों मंसूरी चावल और कतरनी का डिमांड बढ़ गया है। फिर से सरकार के द्वारा सोनाचूर चावल का पैदवार बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इसके लिये पहले बक्सर जिला को पैकेज देने की घोषणा की गई, जिसे बढ़ाकर कैमूर और रोहता को भी जोड दिया गया है। इन दो जिले को जोड़े जाने से किसानों और स्थानीय लोगों में काफी खुशी है। विभाग की तरफ से प्रति एकड़ तीन कलो का पैकेट किसानों में वितरित करने के लिये विशेष अभियान चलाया जाएगा।

मालूम हो कि कषि विभाग ने पहले सोनाचूर चावल का पैकेज देने के लिये बक्सर जिले का चयन किया था, फिर उसके द्वारा दो और रोहतास और कैमूर को भी जोड़ दिया गया है। कषि समन्वयक राजीव कुमार ने इसकी जानकारी देते हुए बताया की सोनाचूर चावल का पैकेज दो-तीन दिन के भीतर पहुंचने वाला है, जैसे ही पहुंचेगा वितरण शुरू कर दिया जाएगा। मालूम हो की शाहाबद क्षेत्र के लोगों के लिये सोनाचूर चावल अच्छे मो जाना जाता था, लिहाजा इसको शौक से लोग खाते थे।

डुमरांव नप क्षेत्र में कूड़ा उठाव के बाद फिर फेंके जाने के बाद लगेगा जुर्माना, निगरानी टीम गठित

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद बरसात से पहले एलर्ट मोड में आ गया है। सुबह-शाम सफाई रने वाली वाहन घुम रही है और मजदूर सफाई में लगे हुए हैं। इधर आम लोगों द्वारा सफाई होने के कुद देर बाद ही फिर उसी स्थान पर कूड़ा फेंक दे रहे है, जिससे आम लोगों की परेशानी बढ़ जाती है। कई दिनों से नप द्वारा सफाई के बाद कूड़ा नहीं फेंकने का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, लेकिन नागरिकों की मनमानी नहीं रूक रही है। बुधवार को नप कार्यालय में ईओ मनीष कुमार, चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गुप्ता, उप मुख्य पार्षद विकास कुमार ने सफाई जमादारों के साथ बैठक किया। बैठक में यह निर्णय लिया गया की जिस जगह से कूड़ा का उठाव कर लिया जाता है, वहां पर फिर कुछ देर के बाद जो कूड़ा फेंकते हुए पाए जाते हैं, उन पर अर्थदंड लगाया जाएगा। इसके लिये टीम भी बनाई गई जो इस पर निगरानी रखेगी।

बता दें कि नगर परिषद क्षेत्र के नया थाना के पास, नगर भवन के पास, सफाखाना रोड मोड़, शीला सिनेमा मोड़, राजगढ़ चौक सहित अन्य स्थानों पर शहर के लोगों द्वारा कूड़ा फेंका जाता है। सुबह में सफाई गाड़ी आती है, जिस पर मजदूर रहते हैं, कूड़े फेंके जाने वाले स्थानों से जैसे ही कूड़ा उठाव कर गाड़ी आगे बढ़ जाती है, फिर कूड़ा फेंकने का काम शुरू हो जाता है, जो दिनभर पड़ा रहता है। ऐसे में आने-जाने वाले लोगों के लिये परेशानी का सबब बन जाता है। कूड़ा उठाव के बाद सफाई जमादारों की टीम वैसे स्थानों पर निगरानी करती हुई निकलेगी। कूड़ा उठाव के बाद कोई कूड़ा फेंकता हुआ नजर आता है तो उस पर जुमार्ना लगाया जाएगा। नप द्वारा इस तरह के कार्य किये जाने की सराहनीय बताया जा रहा है।

कंटेनर की टक्कर से बाइक में लड़ी साइकिल, दो जख्मी

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरानसराय थाना से महज 50 मीटर दूर व दखिनाव मोड़ के पास सोमवार की सुबह एक साइकिल सवार अनियंत्रित हो कंटेनर से टकरा बाइक बाइक सवार पर जा गिरा। इस घटना में बाइक व साइकिल सवार दोनों जख्मी हो गए है। जख्मियों में बाइक चालक की हालत गंभीर बनी हुई है, जिसे डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल से प्राथमिक इलाज के बाद रेफर कर दिया गया है। साइकिल सवार का इलाज जारी है। घटना बुधवार की है।

मिली जानकारी के अनुसार रोहतास जिले के कोआथ थाना क्षेत्र अंतर्गत फतेहगंज गांव निवासी अमित कुमार सिंह पिता केदार सिंह बाइक से डुमरांव की तरफ आ रहा था, वहीं, वासुदेवा थाना क्षेत्र के आथर गांव निवासी महेन्द्र सिंह पिता जय कुमार सिंह अपनी साइकिल से कोरानसराय जा रहा था। दखिनाव मोड़ पर महेन्द्र अचानक नियंत्रण खो दिया। सुबह का समय होने के कारण संभवतः उसे झपकी आ गई तथा वह पीछे से आ रही मछली लदी कंटेनर से टकरा बाइक पर जा गिरा। घटना की जानकारी मिलते ही कोरानसराय थाने की डायल 112 की टीम ने उसे तत्काल इलाज के लिए डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने अमित को पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया है। उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भाकपा माले ने सोन नहर क्षेत्र के आठ जिलों में दिया एक दिवसीय धरना

पीएम ठोस मांगों की ही करें घोषणाएं: विधायक

- पीएम के बिक्रमगंज दौरा के पूर्व डुमरांव के छठिया पोखरा के समीप आयोजित हुआ धरना

केटी न्यूज/डुमरांव

भाकपा-माले और अखिल भारतीय किसान महासभा के संयुक्त तत्वावधान डुमरांव के छठिया पोखरा पर किसानों की वर्षों से लंबित मांगों और बक्सर जिले में लगातार बढ़ते अपराध, सीरियल हत्याओं तथा सत्ता और अपराधियों के गठजोड़ के खिलाफ जोरदार धरना दिया गया।

यह धरना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 30 मई को प्रस्तावित बिक्रमगंज दौरे को ध्यान में रखते हुए सोन नहर क्षेत्र के 8 जिलों में एक साथ आयोजित किया गया। डुमरांव में आयोजित धरने की अध्यक्षता वरिष्ठ नेता अलख नारायण चौधरी ने व संचालन रामदेव सिंह ने किया।

कार्यक्रम को डुमरांव विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह, भाकपा-माले के जिला सचिव नवीन कुमार, किसान महासभा के अध्यक्ष वीरेन्द्र यादव, खेत मजदूर सभा के जिला अध्यक्ष नारायण दास, माले प्रखंड सचिव जगनरायण शर्मा सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया। धरना को संबोधित करते हुए माले नेताओं ने प्रधानमंत्री से किसानों की सात प्रमुख मांगों पर ठोस घोषणा की मांग की। इनमें इंद्रपुरी जलाशय का निर्माण, सोन नहर प्रणाली का आधुनिकीकरण, दुर्गावती व उत्तर कोयल सिंचाई परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने, डालमियानगर के बंद उद्योगों को पुनः शुरू करने, भूमि अधिग्रहण में उचित मुआवजा, मुफ्त कृषि बिजली व स्मार्ट मीटर हटाने और सभी फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी शामिल हैं। इसके अलावा कोरोना काल में बंद ट्रेनों को पुनः चालू करने और वरिष्ठ नागरिकों की रेल सुविधाएं बहाल करने की भी मांग की गई। वक्ताओं ने कहा कि बिहार में अपराधियों को सत्ता का संरक्षण प्राप्त है और नीतीश सरकार में कानून व्यवस्था चरमरा गई है। बक्सर जिले में लगातार हो रही हत्याओं पर भी तीखा रोष व्यक्त किया गया। धरने को नावानगर सचिव वीरेन्द्र सिंह, डुमरांव सचिव कन्हैया पासवान, ऐपवा की सह सचिव पूजा कुमारी सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। इस प्रदर्शन में मानरूप पासवान, रेखा देवी, जाबिर कुरैशी, रामध्यान सिंह, ललन यादव आदि ने संबोधित किया।

पीएम के कार्यक्रम की रोहतास पुलिस ने जारी किया रूट प्लान

प्रधानमंत्री मोदी की जनसभा को ले दुर्गाडीह में तैयारियां हुई पूरी

♦ सभी जिलों के वाहनों की पार्किंग के लिए स्थल हुए निर्धारित

केटी न्यूज/सासाराम

आगामी 30 मई को बिक्रमगंज प्रखंड के दुगार्डीह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित जनसभा को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। सुरक्षा से लेकर पार्किंग और ट्रैफिक नियंत्रण तक की योजनाएं तैयार हैं। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए रोहतास पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार ने ट्रैफिक रूट और पार्किंग की विस्तृत व्यवस्था की घोषणा की है।

जो बड़े वाहन जिनमें जनसभा में भाग लेने वाले समर्थकों की बसें और ट्रक शामिल होंगे,उनके लिए विशेष मार्ग और पार्किंग निर्धारित किए गए हैं। बक्सर, बिहिया, जगदीशपुर, पीरो, हसनबाजार की ओर से आने वाले वाहन डी और ई. पार्किंग जोन में होंगी। वहीं, दाउदनगर, नासरीगंज, काराकाट, सलेमपुर, तेंदुनी चौक,धावां पुल से आने वाले वाहन बी पार्किंग में होंगी। मलियाबाग, दावथ और तेंदुनी चौक मार्ग वाले वाहन ए-1 पार्किंग, दिनारा, राजपुर, नटवार जैसे इलाकों से आने वाले वाहन भी ए-1 पार्किंग में जाएंगे। सासाराम, संझौली, नोखा मोड़ मार्ग से आने वाले वाहन बी.1 में रहेंगे। जबकि आरा, गड़हनी और पीरो की ओर से आने वाले वाहनों के लिए डी पार्किंग तय की गई है।

क्या है छोटे वाहनों के लिए रूट : छोटे वाहनों के लिए भी अलग व्यवस्था है। डुमरांव, मलियाबाग, बभनौल और कोआथ मोड़ से आने वाले वाहन ए पार्किंग में, दाउदनगर, नासरीगंज, काराकाट, सलेमपुर नहर मार्ग से आने वाले वाहन बी-1 पार्किंग होगा। बक्सर, बिहिया, जगदीशपुर से आने वाले वाहन ई. पार्किंग और सासाराम, करगहर, कोचस होते हुए दुगार्डीह आने वाले वाहन भी ए पार्किंग रूट चाट होगी।

वीवीआईपी और मीडिया के लिए विशेष प्रबंध : सभा में भाग लेने वाले विशिष्ट अतिथियों के वाहन सभा स्थल के उत्तर दिशा में बनाए गए वीवीआईपी पार्किंग जोन में खड़े होंगे। पीरो की दिशा से आने वाले वीवीआईपी वाहन टेढ़की पुल के पास ई.01 पार्किंग, बिक्रमगंज की ओर से आने वाले वीआईपी वाहन सी. पार्किंग में लगाए जाएंगे। वह मीडिया प्रतिनिधियों के लिए सुविधा अनुसार सभास्थल के सामने सी. पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

ट्रैफिक दबाव से बचने के लिए कुछ वैकल्पिक मार्ग भी तय किए गए हैं

दिनारा से नोखा होते हुए राजपुर और नासरीगंज की ओर निकलेंगे। सासाराम से अकोढ़ीगोला होते हुए नासरीगंज या पीरो की ओर बढ़ेंगे। मलियाबाग से दिनारा होते हुए नोखा, राजपुर रोड अपनाएं।

पीरो से सिकरहटा, बिहटा, कछवां होते हुए बसडीहा की ओर जायेंगे। रोहतास पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे दिए गए रूट और दिशा-निर्देशों का पालन करें,ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचने के लिए पुलिस बल पूरी तरह से तैनात रहेगा। वहीं, सुरक्षा को लेकर विशेष तैयारी की गई है।

पीएम की रैली के लिए जनसंपर्क तेज

आरा। बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री सह जिला प्रभारी मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता के जगदीशपुर आगमन पर भाजपा नेताओं एवं कार्यकताओं के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने सदर बाजार स्थित हनुमान मंदिर में पहुंचकर माथा टेका व पूजा-अर्चना की। इसके बाद वीर कुंवर सिंह के किला में पहुंचकर वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। मंत्री के आगमन पर एनडीए कार्यकताओं की बैठक प्रखंड कार्यालय के किसान भवन में आयोजित की गयी। बीडीओ क्रांति कुमार ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। बैठक में मंत्री ने कहा कि 30 तारीख को प्रधानमंत्री बिक्रमगंज के दुगार्डीह मैदान में विशाल सभा को संबोधित करेंगे अतः लाखों की संख्या में आप वहां पहुंचे। मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष पाठक, मिथिलेश कुशवाहा, भाजपा नेता आदित्य कुमार व अन्य मौजूद रहे।

जमीनी विवाद में बदमाशों ने दो को मारी गोली

केटी न्यूज/आरा

नारायणपुर थाना क्षेत्र के अहिले गांव स्थित शिव मंदिर के समीप मंगलवार की शाम जमीनी विवाद को लेकर हथियारबंद बदमाश ने दो युवकों को गोली मार दी। जिससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार जख्मियों में नारायणपुर थाना क्षेत्र के अहिले गांव निवासी हरी किशुन का बेटा गजेंद्र कुमार एवं उसी गांव के निवासी सव.राम भवन सिंह का 38 वर्षीय पुत्र सिंटू कुमार शामिल है एवं दोनों रिश्ते में चाचा भतीजे लगते हैं। इनमें गजेंद्र कुमार को दाहिने हाथ में एवं सिंटू कुमार को दाहिने साइड कमर के पिछले हिस्से में गोली लगी है।

घटना की सूचना मिलते ही नारायणपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार भगत पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गए हैं। इधर गजेंद्र कुमार ने बताया कि उसकी भाभी लीलावती देवी एवं भतीजे संजीत एवं सुजीत से 5 कट्ठा जमीन को लेकर 6 माह से विवाद चल रहा है। बीते वर्ष 25 दिसंबर को गजेंद्र कुमार की मां का देहांत हो गया था। उसी समय उसकी भाभी व भतीजे द्वारा हिस्सा मांगा जा रहा था तो उसने कहा था कि सभी को हिस्सा मिलेगा।लेकिन इसे लेकर वह बराबर उसके साथ जबरन मारपीट भी करते थे।मंगलवार की सुबह उसी विवाद को लेकर संजीत द्वारा उसे के साथ मारपीट की गई और उसे डांट भी काटा गया। तभी उसने उसे थप्पड़ जड़ दिया था। जिसके बाद उसने बोला था कि मैं तुम्हें शाम तक मार दूंगा। मंगलवार की शाम जब वह गांव में ही स्थित शिव मंदिर के पास खड़ा होकर बातचीत कर रहा था। तभी संजीत और सुजीत कुमार वहां आए और संजीत कुमार अपने हाथ में लिए कट्टे से उसे गोली मार दी। जिसमें गोली उसके दाहिने हाथ में लग गई। जब वह भागने के क्रम में वह सिंटू कुमार पीछे छुपने लगा तो संजीत कुमार ने दोबारा फायरिंग के कर दी। जिसमें फायरिंग के दौरान सिंटू कुमार के दाहिने साइड कमर के पिछले हिस्से में गोली लग गई। जिससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लाया गया।

दो ट्रकों के बीच टक्कर में चालक जख्मी

केटी न्यूज/सासाराम

जिले के बिक्रमगंज नासरीगंज एनएच 120 पर बुधवार की सुबह में बालू लदा टेलर व खाली टेलर में जबर्दस्त टक्कर हुई जिसमें खाली टेलर का इंजन क्षतिग्रस्त हो गया। बालू लदा ट्रक लेकर भागने लगा लेकिन पुलिस ने उस ट्रक का पीछा करते हुए बिक्रमगंज में पकड़ लिया। टक्कर के बाद खाली टेलर का सहचालक घायल हो गया। थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि घायल चालक की पहचान उत्तर प्रदेश के जिला कुशीनगर के ममउआ बुजुर्ग गांव निवासी 23 वर्षीय राहुल कुमार पिता अनिरुद्ध प्रसाद बताया जाता है। घायल सहचालक का इलाज सीएचसी काराकाट हुआ।

थानाध्यक्ष ने जेसीबी से क्षतिग्रस्त टेलर को मुख्य मार्ग से हटाया तब जाकर वाहनों का आवागमन हुआ। गौरतलब हो कि बिक्रमगंज नासरीगंज एनएच-120 पर गोड़ारी नगर के समीप जमूआ पंप के पास मोड़ डेंजर जोन बना चुका है। डेंजर जोन बनने का कारण एनएच -120 पर मोड़ पर बना ब्रेकर है। वहां अक्सर हादसा होता है। हादसा का कारण बालू लदा टेलर, खाली टेलर के बीच अनियंत्रित रफ्तार की वजह है जिसके कारण मोड़ पर वाहनों में अक्सर टक्कर होती रहती है . सघन आबादी क्षेत्र में गतिसीमा निर्धारण के बावजूद नियम तोड़कर टेलरों का आवागमन होता है।

इस पर विभागीय कारवाई शून्य है। प्रशासनिक स्तर से प्रतिबंधित वाहनों को नजरअंदाज करना हादसे कारण बना हुआ है। जो एनएच 120 पर करूप से जमुआं के बीच 12 मई 2025 को करूप में एक परिवार के चार लोगों की मौत, 13 मई को सिकरियां में एक युवक की मौत, जमूआ पंप के मोड़ पर 15 मई को एक कि मौत दो जख्मी, 23 मई को, 28 मई को गोड़ारी बाजार में अनियंत्रित बालू लदा टेलर ने गिट्टी लदा हाइवा में सामने से मारा टक्कर हाइवा का इंजन क्षतिग्रस्त चालक की बची जान, 28 मई को बालू लदा टेलर ने खाली टेलर में हुई टक्कर में एक सहचालक जख्मी हो चुका है। सघन आबादी होने के बावजूद तेज रफ्तार से वाहनों का आवागमन से हादसों में बढ़ोतरी हुई है। लोगों का कहना है कि नो इंट्री खत्म होते एनएच-120 पर टेलर के अलावे छोटे वाहनों का चलना मुश्किल है।

हत्या के मामले में दोषी को हुई आजीवन कारावास

आरा। मारपीट कर हत्या करने के एक मामले में सप्तम एडीजे कवींद्र कुमार ने बुधवार को दोषी जवाहर राम को कठोर आजीवन कारावास तथा कुल 50 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई। अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक विद्यावती कुमारी ने बहस की थी। उन्होंने बताया कि 5 नवंबर, 1997 को चरपोखरी थाना अंतर्गत कनई गांव निवासी दुखिया कुंवर को लाठी-डंडा से मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी थी। घटना को लेकर सूचक लछन राम ने उसी गांव के जवाहर राम समेत अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिक दर्ज करायी थी। घटना का कारण जमीन विवाद बताया गया था। अभियोजन की ओर से छह गवाहों की गवाही कोर्ट में हुई थी। सजा की बिंदु पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने हत्या के प्रयास तथा हत्या करने का दोषी पाते हुए जवाहर राम को उक्त सजा सुनायी।

खबरें फटाफट

डीएम और एसपी ने की जॉइंट ब्रीफिंग

बिक्रमगंज। जिलाधिकारी उदिता सिंह एवं पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार के संयुक्त अध्यक्षता में प्रधानमंत्री भारत सरकार नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जॉइंट ब्रीफिंग आयोजित हुई। जिसमें दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को जॉइंट ऑर्डर का हर हाल में पालन का निर्देश दिया गया। विभिन्न संबंधित पदाधिकारी को अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर ससमय उपस्थित हो कर कार्य का निर्वाहन करने का निर्देश दिया गया। अवसर डीआईजी, डीडीसी, एडीएम, बिक्रमगंज, डेहरी व सासाराम एसडीएम के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे।

विधायक ने डेहरी में वंदे भारत ट्रेन ठहराव के लिए सौंपा मांगपत्र

डेहरी। बुधवार को भारत सरकार के मत्स्य पालन पशुपालन सह डेयरी मंत्री ललन सिंह भोजपुर जिला क्षेत्र के तरारी विधायक सुशील पांडे ने मुलाकात कर एक आवेदन दिया। उन्होंने ने डेहरी से गुजरने वाले दो वंदे भारत ट्रेन का डेहरी में ठहराव की बात की एवं डालमियानगर में रेलवे की जमीन पर बैगन बोगी बनाने का मांग की। जिसके दौरान मंत्री ललन सिंह ने कहा कि जनता की मांगों पर विभाग द्वारा बात कर जल्द विचार किया जाएगा। मौके पर चेंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष सह भाजपा युवा नेता बबल कश्यप, डॉ. जेपी कश्यप,अनिल कुमार पटेल, समाजसेवी मनीष सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थें।

तिलौथू में बिहार पुलिस में चयनित 10 प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

केटी न्यूज/सासाराम

जिले के तिलौथू प्रखंड क्षेत्र में बिहार पुलिस परीक्षा में चयनित प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित।

बुधवार को फिजिकल ट्रेनिंग एकेडमी सरोज कुमार यादव में फिजिकल ट्रेनिंग एकेडमी से प्रशिक्षण प्राप्त 10 युवक-युवतियों को बिहार पुलिस में चयनित होने पर एक सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित हुई। हाल में बिहार पुलिस में चयनित 10 अभ्यर्थियों को अंगवस्त्र एवं फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया गया।

समारोह में एकेडमी के कोच सरोज ने समारोह के मुख्य अतिथि राधा शांता कॉलेज के प्रचार्य डॉ. अशोक कुमार, विशिष्ट अतिथि पंजाब नेशनल बैंक के शाखा प्रबंधक अमरेंद्र कुमार, सहित अन्य अतिथियों को फुल माला पहना अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। बिहार परीक्षा में दो छात्रा और 8 छात्र का चयन हुआ। जिनकी सराहना करते हुए एकेडमी के संस्थापक एवं मार्गदर्शक सरोज कुमार यादव ने चयनित विद्यार्थियों को प्रेरणास्त्रोत बताते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य सिर्फ नौकरी दिलवाना नहीं, बल्कि समाज को जागरूक, शिक्षित, सशक्त और समता मूलक समाज का निर्माण बनाना है। मौके पर विधायक प्रतिनिधि प्रभु यादव, उपमुखिया अजीत कुमार, समाजसेवी संतोष यादव, पिंटू यादव, नफीस सहित अन्य लोग उपस्थित थें।

पिता के डांट-फटकार के बाद छात्र ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

आरा। शहर के नवादा थाना क्षेत्र के जैन कॉलेज स्थित मोहल्ले में मंगलवार की शाम पिता के डांट फटकार लगाने पर एक छात्रा ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। इलाज के लिए आरा अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। मृतक बक्सर जिला के सिकरौल थाना क्षेत्र के भदार गांव निवासी राम बिहारी सिंह का बेटा निखिल कुमार।

मृतक छात्र की मां ने बताया कि वह मोबाइल के द्वारा आईपीएल में सट्टा लगाता था। मंगलवार की शाम उसके पिता ने दोस्त के सामने उसे डांट फटकार लगाई थी। इसके बाद वह घर आया और अपनी मां से खाना मंगा। जब वह खाना खा रहा था तो पिता घर पर आ पहुंचे और उसे फिर उसे दोबारा डांट फटकार लगाई और कहा कि आज के बाद तुम्हें कुछ नहीं मिलेगा। खाने के बाद वह अपने कमरे में जाकर दरवाजा बंद कर फांसी लगा ली।

आरा में हथियार के बल पर जमीन की घेराबंदी करने से रोका, मारपीट कर मांगी 10 लाख रुपये की रंगदारी

केटी न्यूज/आरा

शहर में नवादा थाना क्षेत्र के अनाइठ मुहल्ले में कुछ हथियारबंद लोगों द्वारा एक शख्स को जमीन की घेराबंदी करने से रोक दिया गया। निर्माण में लगे मजदूरों के साथ मारपीट की गयी, छड़ सहित अन्य सामग्री लूट लिया गया और 10 लाख की रंगदारी की मांग की गयी। घटना सोमवार की सुबह की है। मामले में पीड़ित बाल बचन सिंह पटेल के बयान पर नवादा थाने में सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। सभी आरोपित उसी मुहल्ले के रहनेवाले बताये जा रहे हैं।

वहीं, हथियार के साथ कुछ लोगों का फोटो भी वायरल हुआ है। उसमें कुछ लोगों को हथियार के साथ देखा जा रहा है। प्राथमिकी में बाल बचन सिंह पटेल द्वारा कहा गया है कि आपसी बंटवारे और न्यायालय के आदेश के बाद उनके द्वारा सोमवार की सुबह अपने हिस्से की जमीन की घेराबंदी करायी जा रही थी। उसी दौरान सभी आरोपित हथियार लेकर पहुंच गये और गाली-गलौज करते हुए काम रोक दिया गया। विरोध करने पर मारपीट कर मजदूरों को भगा दिया गया। कहा गया कि जमीन पर काम करना है, तो 10 लाख देना होगा। इस दौरान आरोपितों द्वारा उनके जेब से 10 हजार रुपये छीन लिया गया और छड़ सहित करीब 50 हजार रुपये के निर्माण सामग्री भी लूट लिया गया। प्राथमिकी में कहा गया है कि विवाद उत्पन्न करने के बाद हथियार के बल पर जमीन पर कब्जा करना और बेचना आरोपितों का धंधा बन गया है। उनकी जमीन के कागजात में भी छेड़छाड़ करते हुए गलत ढंग से रजिस्ट्री कर दी गयी थी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य दिवस पर नारायण मेडिकल कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित

महिला हेल्थ वर्कर्स को किया गया सम्मानित

केटी न्यूज/सासाराम

28 मई को अंतर्राष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य कार्रवाई दिवस के अवसर पर नारायण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, जमुहार के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं के स्वास्थ्य और अधिकारों के लिए अपील की गई। इस वर्ष "एक जूटता में हमारा प्रतिरोध, हमारा संघर्ष, हमारा अधिकार" थीम के आधार पर आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र सामुदायिक चिकित्सा विभाग सासाराम एवं ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र अकोढी गोला में कार्यक्रम में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन सामुदायिक चिकित्सा विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर नीपेंद्र आनंद के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र के प्रमुख डॉ. भरत ने आंगनबाड़ी सेविकाओं, आशा कार्यकर्ताओं, मल्टीपरपज वर्कर्स और स्वास्थ्य कर्मियों को उनके समर्पण और उत्कृष्ट योगदान के लिए सराहा और सम्मानित किया। इसके साथ ही महिलाओं को पोषण, स्वच्छता प्रजनन, स्वास्थ्य और इसके निवारक उपायों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। स्थानीय लोगों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गई।

इस क्रम में एक रैली का भी आयोजन किया गया, जो समुदाय में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम समन्वयक डॉ राहुल चंद्रा ने कहा कि यह आयोजन महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने, समुदाय में सकारात्मक बदलाव लाने और स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने का एक सफल प्रयास है। डॉक्टर भरत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य कार्यकताओं की भूमिका की सराहना की और उनके प्रयासों को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया ।कार्यक्रम में स्थानीय महिलाओं, आंगनवाड़ी कार्यकताओं, आशा कार्यकताओं, मल्टीपरपज वर्कर्स ,स्वास्थ्य कार्यकताओं, नारायण मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस इंटर्न्स सत्र 2020-21 और कॉलेज के अन्य सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यह आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने और महिलाओं के अधिकारों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

बोली बंदना... बिहार के हर स्कूल में लगेगी सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन

केटी न्यूज/पटना

बंदना प्रेयषी मासिक धर्म कोई बीमारी या शर्म की बात नहीं है, बल्कि यह एक सामान्य प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिसे समझना और स्वीकारना हम सभी को बेहद जरूरी है। माहवारी के दौरान महिलाएं क्या करेंगी, इसका निर्धारण आमलोग नहीं बल्कि खुद महिलाएं करेंगी। ये बातें समाज कल्याण विभाग की सचिव और महिला एवं बाल विकास निगम की प्रबंध निदेशक बंदना प्रेयषी ने कही। उन्होंने कहा कि बिहार के सभी स्कूलों में सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन लगाने की योजना को गति दी जाएगी ताकि छात्राओं को मुश्किल हालात का सामना नहीं करना पड़े। विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के मौके पर पटना के दारोगा राय पथ स्थित महिला एवं बाल विकास निगम के कार्यालय के सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता निगम की प्रबंधन निदेशक सह समाज कल्याण विभाग की सचिव बंदना प्रेयषी ने की। उन्होंने कहा कि महिला विकास निगम की तरफ से 209 विद्यालयों तथा पटना के कई कार्यालयों एवं पार्कों के महिला शौचालयों में सेनिटरी पैड वेंडिंग मशीन स्थापित की गई है। इसके अलावा मुख्यमंत्री किशोरी स्वास्थ्य योजना के माध्यम से बालिकाओं को सेनेटरी नैपकिन के लिए सालाना 300 रुपये की राशि दी जाती है। इस योजना के अंतर्गत कुल 22 लाख 58 हजार 425 बालिकाओं को लाभ मिला है।

विभागीय सचिव ने कहा कि आमलोगों को महिलाओं के प्रति अधिक संवेदनशील होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि माहवारी से संबंधित किसी भी प्रकार के समस्याओं के निराकरण के लिए बुधवार और गुरुवार 12 बजे से 3 बजे तक 181 डायल कर स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ से निःशुल्क परामर्श लिया जा सकता है। नारी गुंजन की संस्थापक पद्मश्री सुधा वर्गीज ने कहा कि किशोरावस्था में शारीरिक बदलाव के साथ भावनात्मक बदलाव भी आते हैं। ऐसी स्थिति में अभिभावक और शिक्षक उन्हें सही सलाह देकर माहवारी स्वच्छता प्रबंधन में मदद कर सकते हैं। यूनिसेफ के वॉश विशेषज्ञ प्रभाकर सिन्हा ने बताया कि यह कार्यक्रम सिर्फ सरकारी आयोजन नहीं है, बल्कि सामाजिक चेतना से जुड़ा हुआ कार्यक्रम है। इस अवसर पर बालिकाओं को माहवारी स्वच्छता प्रबंधन पर आधारित फिल्म पैडमैन दिखायी गई।

बिहार सोलर शो-2025 का हुआ आयोजन

केटी न्यूज/पटना

बिहार में इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स और ऊर्जा विभाग के सहयोग से सोलर शो 2025 का आयोजन हुआ। उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि सौर ऊर्जा में बिहार की अपार संभावनाएं हैं। इस आयोजन ने निवेशकों और ग्लोबल इंडस्ट्री लीडर्स को आकर्षित किया है। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स बिहार के तत्वाधान में ऊर्जा विभाग के सहयोग से द्वितीय बिहार सोलर शो का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में बिहार के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा शामिल हुए। इस अवसर पर इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स, बिहार के अध्यक्ष प्रभात कुमार सिन्हा बिहार रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी के निदेशक निलेश देवरे, स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया की महाप्रबंधक अनुभा प्रसाद, बिहार विद्युत विनियामक आयोग के चेयरमैन सह पूर्व मुख्य सचिव आमिर सुभानी, इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स बिहार अंतर्गत रिन्यूएबल एनर्जी कमेटी के चेयरमैन कमलेश कुमार सिंह मौजूद रहे। बिहार के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2015 में इंटरनेशनल सोलर अलायन्स का गठन किया गया था। जिसमें 120 से अधिक देशों की सहभागिता है। भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में ग्लोबल फुटप्रिंट स्थापित कर रहा है, जिसमें बिहार की अग्रणी भूमिका की अपार संभावना है। यह आयोजन बिहार की ऊर्जा क्षमता को रेखांकित करने और वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ रहा है।

समस्तीपुर कोर्ट में पेशी के लिए पुलिस अभिरक्षा में आये थे आरोपी

कोर्ट परिसर से पांच कैदी फरार, ज्वेलरी शॉप लूटकांड का था आरोप

- जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई, गिरफ्तारी के लिए टीम गठित

केटी न्यूज/समस्तीपुर

समस्तीपुर में चौंकाने वाली घटना हुई है। बुधवार दिनदहाड़े कोर्ट परिसर से पांच कैदी फरार हो गए। यह सभी पेशी के लिए पुलिस अभिरक्षा में कोर्ट गए थे। लेकिन, मौका देखकर पांच कैदियों ने पुलिस को चकमा दे दिया और फरार हो गए। घटना के बाद कोर्ट परिसर ही नहीं पूरे शहर में हड़कंप मच गया। एसपी ने फौरन पांचों की गिरफ्तारी कर निर्देश दिया। जगह जगह पुलिस इनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी करने लगी। कई जगह नाकेबंदी भी की गई। इस दौरान एक कैदी को पुलिस ने पकड़ लिया। इसकी निशानदेही पर अन्य कैदियों की तलाश में छापेमारी चल रही है। पकड़ाए गए कैदी की पहचान नागेंद्र कुमार के रूप में हुई। मामले में सदर एसडीपीओ संजय पांडेय ने कहा कि समस्तीपुर समेत आसपास के जिलों के थानों को भी अलर्ट किया गया है। फरार कैदियों की तलाश में छापेमारी चल रही है। वहीं इस पूरे मामले की जांच भी की जा रही है। अगर पुलिसकर्मियों की लापरवाही होगी तो उनपर कार्रवाई जरूर होगी। बताया जा रहा है कि यह सभी आरोपी नगर थाना क्षेत्र में पिछले साल शहर के अनिल ज्वेलर्स में हुए लूटकांड के आरोपी थी। इनमें आरोपियों में राजनंदन उर्फ छोटू उर्फ हंटर भी शामिल है। तीन कैदियों की पहचान सरायरंजन थाना क्षेत्र में लूटकांड समेत आधा दर्जन मामलों के आरोपी अरविंद सहनी, मनीष कुमार और मंजीत कुमार के रूप में की गई है।स्थानीय लोगों का कहना है कि अनुसार, पुलिस लूटकांड के आरोपी कैदियों को कोर्ट में पेशी के लिए लेकर पहुंची थी। पेशी के बाद हाजत में बंद कर रही थी।

घटनास्थल का निरीक्षण कर पूरे मामले की जांच

घटना की जानकारी मिलते ही दरभंगा-1 अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) संजय पांडेय मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। उन्होंने कोर्ट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गहन पूछताछ की और लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों की पहचान कर उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। पुलिस ने फरार कैदियों की गिरफ्तारी के लिए आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। शहर के प्रवेश और निकास मार्गों पर चेकिंग बढ़ा दी गई है। घटना के बाद न्यायालय परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। कोर्ट परिसर की सुरक्षा चूक को लेकर जिम्मेदार पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा में आए यूट्यूबर ने पार्टी के खिलाफ खोला मोर्चा

पटना। भाजपा में शामिल होने वाले चर्चित यूट्यूब पर मनीष कश्यप ने पीएम मोदी की पार्टी के खिलाफ ही मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने भाजपा नेता पर रुपये भीड़ जुटाने का आरोप लगाया है। मनीष कश्यप ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि पीएम मोदी की गुजरात महाराष्ट्र और दक्षिण के राज्यों में जो जनसभा होती है उनमें उतनी भी नहीं होती है, जितनी बिहार में होती है। मनीष कश्यप ने कहा कि बिक्रमगंज में 30 में को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा है।

पीएम का चौथी बार बिहार आना सीएम नीतीश के सुशासन के प्रति विश्वास का संकेत : सम्राट

केटी न्यूज/पटना

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पटना आ रहे है। सम्राट चौधरी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी आपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पटना और विक्रमगंज आ रहे हैं, इसलिए जनता में विशेष उत्साह है। 50 हजार करोड़ की 16 से अधिक विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास पीएम मोदी करेंगे। मई का दिन पटना के लिए ऐतिहासिक बनने जा रही है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार राजधानी पटना आ रहे हैं। पटना में 50 हजार करोड़ की 16 से अधिक विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यस करेंगे।

पांच महीने में प्रधानमंत्री की यह चौथी यात्रा है। वो चौथी बार बिहार आ रहे हैं। यह नीतीश कुमार के प्रति विश्वास का संकेत दर्शाता है। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि डबल इंजन सरकार बिहार में रोजगार और तेज विकास की पक्की गारंटी देती है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पटना और विक्रमगंज आ रहे हैं, इसलिए जनता में विशेष उत्साह है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की कल से शुरू होने वाली दो दिवसीय (29 और 30 मई) बिहार यात्रा का स्वागत करते हुए कहा कि 50 हजार करोड़ की 16 से अधिक विकास योजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यस का भव्य कार्यक्रम इस राज्य के प्रति उनके विशेष लगाव और पूर्वी राज्यों को विकास की मुख्यधारा में लाने के संकल्प का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 के पांच महीने में प्रधानमंत्री का चौथी बार बिहार आना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुशासन और नेतृत्व के प्रति उनके विश्वास का संकेत भी है।

उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार की डबल इंजन सरकार बिहार के तेज विकास की पक्की गारंटी है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के प्रयास से और उनकी प्रशासनिक क्षमता को देखते हुए केंद्र सरकार ने बिहार के 20 जिलों में सड़क-पुल की 367.94 करोड़ की योजनाओं की स्वीकृति दी। केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में 103 नये पुल और 5 नयी ग्रामीण सड़कें बनेंगी। इससे लोगों को रोजगार मिलेगा और शिक्षा-स्वास्थ्य जैसी मौलिक सुविधाओं तक गांवों की पहुंच आसान होगी ।

माई बहिन सम्मान योजना के तहत कांग्रेस सौंप रही गारंटी पत्र

पटना। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ती जा रही है। महागठबंधन की सहयोगी कांग्रेस पार्टी ने माई बहिन सम्मान योजना को लेकर सुपौल जिले में सक्रिय अभियान शुरू कर दिया है। बुधवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान जिलाध्यक्ष प्रो. सूर्यनारायण मेहता ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बिहार कांग्रेस की ओर से शुरू की गई इस योजना के तहत जरूरतमंद महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपये आर्थिक सहायता दी जाएगी। प्रो. मेहता ने बताया कि कांग्रेस पार्टी ने पहले से ही कर्नाटक, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और झारखंड में सत्ता में आने के बाद इस योजना को लागू किया है। अब विधानसभा चुनाव के बाद अगर महागठबंधन की सरकार बनती है, तो पहली ही कैबिनेट बैठक में यह योजना लागू कर दी जाएगी। फिलहाल योजना के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू की गई है।

तख्त श्रीहरिमंदिर और पटन देवीजी मंदिर, पटना साहिब आने वाले श्रद्धालुओं को मिलेगी मदद

100 करोड़ की लागत से बनेगी मल्टीलेवल पार्किंग, श्रद्धालुओं-पर्यटकों को खास सुविधा

केटी न्यूज/पटना

तख्त श्रीहरिमंदिर और पटन देवीजी मंदिर, पटना साहिब आने वाले श्रद्धालुओं-पर्यटकों को अब पर्यटन विभाग के द्वारा वाहनों की पार्किंग हेतु मल्टीलेवल पार्किंग की सुविधा मिलेगी। पटना सिटी में कंगन घाट पर 450 कारों की क्षमता की मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पर्यटन विभाग के निदेश पर बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम ने मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण हेतु निविदा जारी कर दी है।

कंगनघाट के पास लगभग 19000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में जी प्लस-3 भवन का निर्माण कार्य निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत दो साल में पूर्ण होगा। यहां कार पार्किंग हेतु कार लिफ्ट और पैसेंजर लिफ्ट की सुविधा भी मिलेगी। इस परियोजना की कुल लागत 99.26 करोड़ रुपये है। इस परियोजना की डिजाइन इस प्रकार की गयी है जिससे पटना साहिब की गरिमापूर्ण उपस्थिति की झलक यहां के भवन से भी दृष्टिगत होगी। इस परियोजना के पूर्ण होने के उपरांत देश विदेश से तख्त श्री हरिमंदिर और पटन देवीजी मंदिर का दर्शन करने हेतु पटना साहिब आने वाले श्रद्धालुओं को वाहनों की पार्किंग में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होगी। वे कंगन घाट के पास वाहनों की पार्किंग के उपरांत कंगन घाट गुरुद्वारा, पटना साहिब गुरुद्वारा, बाललीला गुरुद्वारा के दर्शन के साथ बड़ी और छोटी पटनदेवी जी का अपनी सुविधानुसार दर्शन कर सकेंगे। पटना साहिब आने वाले श्रद्धालुओं को अब पार्किंग की समस्या नहीं होगी। पर्यटन विभाग ने कंगन घाट पर 450 कारों की क्षमता वाली मल्टीलेवल पार्किंग परियोजना शुरू की है, जिसकी लागत 99.26 करोड़ रुपये है। यह सुविधा दो वर्षों में पूरी होगी। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम ने मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण हेतु निविदा जारी कर दी है। यहां कार पार्किंग हेतु कार लिफ्ट और पैसेंजर लिफ्ट की सुविधा भी मिलेगी। इस परियोजना की कुल लागत 99.26 करोड़ रुपये है। पटना साहिब की गरिमापूर्ण उपस्थिति की झलक यहां के भवन से भी दृष्टिगत होगी।

संक्षिप्त समाचार

धनबाद में जमीन बंटवारे को लेकर विवाद:बहनोई ने साले को मारी गोली, भाई-बहन ने की मारपीट

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के निरसा स्थित मदनपुर गांव में सोमवार की रात पारिवारिक संपत्ति विवाद में एक व्यक्ति को गोली मार दी गई। घायल मो. रहमान (40) को धनबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रहमान पत्थर काटने का काम करता है और अपने हिस्से की जमीन की मांग कर रहा था। सोमवार की शाम जब वह गांव में था, तब उसके बहनोई अब्दुल्ला ने उस पर पिस्टल से गोली चला दी। इस दौरान उसके भाई इस्माइल और बहन ने भी उस पर हमला किया। स्थानीय लोगों ने तुरंत रहमान को अस्पताल पहुंचाया। निरसा थाना प्रभारी अनिल कुमार शर्मा और एमपीएल ओपी प्रभारी सुमन कुमारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने आरोपियों से हथियार जब्त किए, लेकिन पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की। पुलिस ने अस्पताल में रहमान का बयान दर्ज किया है। रहमान की पत्नी और पुत्र ने भी पुष्टि की है कि यह हमला संपत्ति विवाद के कारण हुआ। मुख्य आरोपी अब्दुल्ला के घर पर छापेमारी की गई, लेकिन वह फरार हो चुका था। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

खूंटी में नक्सलियों ने रोड रोलर को फूंका, घटनास्थल पर छोड़ा धमकी भरा पर्चा

खूंटी, एजेंसी। पीएलएफआई नक्सलियों ने सड़क निर्माण कार्य में लगी रोड रोलर को आग के हवाले कर दिया. नक्सलियों ने घटना को अंजाम देने के बाद सड़क निर्माण एजेंसी से पैसे वसूलने की बात कही है. यह घटना खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर रनिया थाना क्षेत्र के रायकेरा के पास की है. घटना की जानकारी पाकर रनिया पुलिस मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया हालांकि तब तक रोड रोलर जलकर राख हो चुका था। पुलिस के अनुसार तोरपा कोलेबिरा मुख्य मार्ग का निर्माण एक एजेंसी के द्वारा कराया जा रहा है. रोड रोलर में आग लगने की घटना रात के समय हुई है. नक्सलियों ने घटनास्थल के पास खड़ी अन्य वाहन पर वसूली के लिए एक पर्चा भी छोड़ा, जिसे बाद में पुलिस ने बरामद कर लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि गाड़ी के ऊपर हाईटेंशन तार गिरा था. पुलिस ने आशंका जताई है कि तार गिरने के कारण आग लगी होगी, लेकिन घटनास्थल पर बरामद हुए पर्चा से पुलिस ने इस घटना के पीछे पीएलएफआई का हाथ होने की आशंका जताई है. गौरतलब है कि 28 नवंबर 2024 को भी एक अन्य कंपनी के द्वारा कतारी मोड़ से सोनपुरगढ़ भाया सुंदारी मार्ग का निर्माण कराया जा रहा था. इस दौरान भी पीएलएफआई के नक्सलियों ने रोड रोलर में आग लगा दी थी. इस मामले में कुछ नक्सलियों की गिरफ्तारी भी हुई थी।

अब ओएमआर शीट पर नहीं होगी सरकारी स्कूलों में 5वीं और 8वीं क्लास की परीक्षा, बदल गया पैटर्न

रांची, एजेंसी। अगले वर्ष से सरकारी स्कूलों की परीक्षाओं में कई बदलाव किए जाएंगे। जिसमें पांचवी कक्षा और आठवीं बोर्ड की परीक्षा अब ओएमआर शीट पर नहीं होगी। अब इसकी परीक्षा लिखित रूप से होगी, जिसमें लघु, मध्यम व दीर्घ स्तर के प्रश्न पूछे जाएंगे। वहीं परीक्षा का आयोजन झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) नहीं करेगा बल्कि झारखंड शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद (जेसीईआरटी) करेगा। इसकी घोषणा स्कूली शिक्षा व साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह ने जैक सभागार की। शिक्षा सचिव ने कहा कि जैक में परीक्षाओं का बोझ देखते हुए आठवीं बोर्ड की परीक्षा जेसीईआरटी को सौंपी जा रही है। 2026 से पांचवीं और आठवीं में ओएमआर शीट पर परीक्षा नहीं होगी इसके अलावे पहली और दूसरी क्लास की मौखिक परीक्षा होगी। इसके साथ ही पहली से सातवीं कक्षा की परीक्षा के बाद उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन स्कूल स्तर पर ही होगा। स्कूल और शिक्षकों को ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर रिजल्ट अपलोड करना होगा मालूम हो कि आठवीं व पांचवी कक्षा की परीक्षा में करीब आठ लाख बच्चे शामिल होते हैं। सचिव ने स्कूलों में हर महीने होने वाली रेल परीक्षा का परिणाम एक सप्ताह के अंदर ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर रिजल्ट अपलोड करने का निर्देश दिया। ताकि औसत से कम बच्चों की कमियों को दूर किया जा सके।

मैट्रिक परीक्षा के बाद अब आगे करेंगे कमाल, टॉपरों में कोई एएसआई तो किसी को बनना है डॉक्टर

लोहरदगा, एजेंसी। मैट्रिक परीक्षा में लोहरदगा के टॉपर ऊंची उड़ान पाना चाहते हैं। इनकी डॉक्टर और इंजीनियर बनने की चाहत है। साथ ही देश सेवा का जज्बा भी है। सभी ने कठिन परिस्थितियों में भी सफलता पाई है।

लोहरदगा शहरी क्षेत्र के दुबे कॉलोनी निवासी लातेहार शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य उत्तम मुखर्जी और बरनाली मुखर्जी की पुत्री अन्वेशा मुखर्जी को माध्यमिक परीक्षा में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। अन्वेशा को परीक्षा में कुल 475 अंक मिले।

अन्वेशा जिला टॉपर हैं। वह डॉक्टर बनना चाहती है और समाज की सेवा करना चाहती है। वहीं नंदलाल उवि अर्रू सेन्हा की ज्योति कुमारी को 94.60 प्रतिशत अंक के साथ जिले में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। सेन्हा अर्रू चौक निवासी रविंद्र साहू और कांती देवी की पुत्री ज्योति कुमारी आगे चल कर डॉक्टर बन कर समाज की सेवा करना चाहती हैं। वह कड़ी मेहनत कर अपने परिवार के सपने को पूरा करना चाहती है।

संत स्तानिसलास उवि कैमो पतराटोली के छात्र मनीष उरांव की चाहत इंजीनियर बनने की है। मनीष ओयना निवासी बालक राम भगत और मालती देवी का पुत्र है। बालक राम भगत बिजली वायरिंग करने का काम करते हैं, जबकि मालती देवी एक निजी विद्यालय में काम करती हैं। पुष्पा कुमारी को परीक्षा में 93.4 प्रतिशत अंक मिले हैं। कुडू प्रखंड के गरभु टोली सलगी निवासी केवल महतो ट्रक ड्राइवर हैं। वहीं पुष्पा की माता राजो देवी गृहणी हैं। पुष्पा आगे चल कर प्रशासनिक सेवा में जाना चाहती हैं।

प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय मक्का का अबरार अंसारी माध्यमिक परीक्षा में जिले में चौथा स्थान प्राप्त किया है। वह आगे चलकर प्रशासनिक क्षेत्र में जाना चाहते हैं। अबरार प्रारंभ से ही मेहनती छात्र रहा है। विपरीत परिस्थितियों के बाद भी अबरार ने जीवन में सफलता पाई है।

पाखर लोहरदगा ट्रक ऑनर एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं अंजुमन इस्लामिया लोहरदगा के उपाध्यक्ष सैयद आरिफ हुसैन बबलू एवं एडवोकेट मोमिना खातून के पुत्र सैयद शारिब हुसैन ने जैक द्वारा आयोजित दसवीं की बोर्ड परीक्षा में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। शारिब को देश सेवा में रुचि है, और वह नेशनल डिफेंस एकेडमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद देश की सेवा करना चाहता है। शारिब अपनी सफलता का श्रेय स्वर्गीय दादी, माता-पिता एवं शिक्षकों को देते हैं, जिन्होंने उनका मार्गदर्शन किया है।

गौसिया मिस्कात बालिका उवि लोहरदगा की छात्रा है। रिजल्ट को लेकर वह स्कूल के सभी शिक्षक और माता-पिता को श्रेय देती हैं। वह डॉक्टर बनना चाहती हैं और लोहरदगा की गरीब जनता की सेवा करना चाहती हैं। शहर के गिरवर शिशु सदन विद्यालय की छात्रा दीपाली वर्मा की माता शिक्षिका हैं। दीपाली दुर्गा बाड़ी लेन की रहने वाली है। दीपाली एनडीए की तैयारी करना चाहती हैं। जिले के पांचवीं टॉपर अदिति कुमारी के पिता एक किसान हैं। लोहरदगा तिवारी दुरा निवासी आनंद कुमार व माता अनिता देवी की पुत्री अदिति शिक्षिका बनना चाहती है। उन्होंने सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व गुरुजनों को दिया है।

भवनाथपुर प्रखंड की गीतांजलि ने गांव का नाम किया रोशन, राज्य में किया टॉप

भवनाथपुर (गढ़वा), एजेंसी। झारखंड बोर्ड 10वीं में गढ़वा जिला अंतर्गत सुदूरवर्ती क्षेत्र भवनाथपुर प्रखंड के मकरी के गीतांजलि कुमारी ने पूरे राज्य में टॉप किया है। गीतांजलि को 98.60 प्रतिशत अंक मिले हैं। उसकी इस सफलता से पूरे प्रखंड और गांव में हर्ष का माहौल है। उसके घर पहुंचकर उनके माता पिता को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

फिलहाल गीतांजलि राजस्थान कोटा में रहकर नीट की तैयारी में जुटी हुई है। उसका सपना डॉक्टर बनने की है। गीतांजलि ने सेल डीएवी भवनाथपुर से कक्षा एक से पांच तक की पढ़ाई की।

इसके बाद उसने इंट्रेस परीक्षा पास कर 2020 में इंदिरा गांधी बालिका उच्च विद्यालय हजारीबाग में कक्षा छह में एडमिशन ली तथा उसी विद्यालय से मैट्रिक की परीक्षा में शामिल हुई, जहां मैट्रिक की परीक्षा में उसने 98.6 प्रतिशत अंक लाकर पूरे राज्य में टॉप किया। उसने अपनी सफलता से जिला, प्रखंड और गांव को गौरवान्वित किया है।

मैट्रिक में स्टेट टॉप करने वाली गीतांजलि के पिता उमेश पाल पेशे से सहयोगी शिक्षक है, जो नवप्राथमिक विद्यालय मकरी में कार्यरत है। जबकि माता पम्मी देवी गृहणी है।

उसके पिता उमेश पाल ने बताया कि उसकी प्रारंभिक शिक्षा कक्षा एक से पांच तक डीएवी पब्लिक स्कूल में पढ़ने के बाद वह आगे पढ़ाई करने इंदिरा गांधी बालिका उच्च विद्यालय हजारीबाग चली गई।

वहीं से मैट्रिक की परीक्षा में सम्मिलित हुई जिसमें वह 98. 6 अंक प्राप्त कर पूरे झारखंड स्टेट टॉपर बनीं। अपनी बेटी की सफलता पर खुशियां व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि वह पढ़ने में शुरू से ही मेधावी थी, उसका सपना डॉक्टर बनकर गरीबों की सेवा करने का है।

माता पम्मी देवी ने बताया कि मेरी बेटी शुरू से पढ़ाई में अव्वल आती रही है। उसका मन सिर्फ पढ़ाई में लगा रहता था। शिक्षा के प्रति उसकी मेहनत और लगन को देख मुझे विश्वास था कि वह मैट्रिक की परीक्षा में जरूर टॉप करेगी।

बुंडू में हर दिन बेची जा रही है 6 लाख की अवैध लॉटरी

रांची, एजेंसी। रांची जिले में बुंडू में एक बार फिर अवैध लॉटरी का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। पुलिस को भी इसकी जानकारी है, लेकिन लॉटरी के इन धंधेबाजों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। लॉटरी माफिया हर दिन 6 से 7 लाख रुपए की लॉटरी बेच रहे हैं और मुनाफा कमा रहे हैं। जबकि झारखंड में लॉटरी बेचने पर प्रतिबंध है। लॉटरी माफिया हर दिन बंगाल व नगालैंड से आने वाली लॉटरी अहले सुबह 5.30 बजे से ही बेचना शुरू कर दे रहे हैं। लॉटरी टिकट बेचने का यह धंधा बुंडू के मेन बाजार में चल रहा है। लॉटरी का ड्रॉ हर दिन शाम में होता है।

लॉटरी का ये धंधा पूरी तरह से बंगाल व नगालैंड में चलने वाली लॉटरी पर निर्भर रहता है। क्योंकि वहीं से यह डेली लॉटरी बुंडू पहुंच रहा है। माफिया लॉटरी का एक हफ्ते का लॉट एक ही बार में लाकर विक्रेताओं को दे देते हैं। जब एक लॉट बिक जाता है, उसके बाद दूसरा लॉट लाकर दिया जाता है। बुंडू थाना प्रभारी राम कुमार वर्मा का कहना है कि इस मामले में लगातार कार्रवाई की जा रही है। कुछ माह पूर्व भी लॉटरी बेचने वाले 5 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

झारखंड में लॉटरी का कारोबार प्रतिबंधित है। देश के सिर्फ कुछ ही राज्य हैं, जहां लॉटरी का कारोबार वैध है। इनमें अरुणाचल प्रदेश, असम, गोवा, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, पंजाब, सिक्किम और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। शेष राज्यों में राज्य सरकार ने लॉटरी बेचने पर प्रतिबंध लगा रखा है। लेकिन प्रतिबंध वाले राज्यों में भी लॉटरी माफिया इसे चोरी छिपे बेचते ही हैं।

बुंडू में अवैध लॉटरी बेचने के इस कारोबार में 40 एजेंट अलग-अलग जगहों पर लगाए गए हैं। जो तय जगहों व घरों में ही लॉटरी के टिकट बेचते हैं। लॉटरी खरीदने वालों को पता रहता है कि किस जगह बिक्री हो रही है। सुबह से लॉटरी की बिक्री इस लिए शुरू हो जाती है, क्योंकि दिन के एक बजे हर दिन लॉटरी का ड्रॉ होता है। लॉटरी 120 रुपए में 10 व 60 रुपए में 5 बेची जाती है। लॉटरी के इस धंधे में बुंडू व तमाड़ के ही दो मुख्य माफिया हैं।

झारखंड में इन जिलों के लिए भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी, अगले 5 दिनों तक गर्मी से मिल सकती है राहत

रांची, एजेंसी। झारखंड पर मौसम की मेहरबानी बरकरार है। अप्रैल माह के शुरुआती दिनों में गर्मी की तीव्रता देखकर जयेष्ठ माह को लेकर चिंता लाजमी थी। लेकिन मई माह में मौसम का तेवर बदल गया। मई माह के शुरुआती दिनों में राज्य के किसी न किसी जिले या स्थान पर बारिश, मेघ गर्जन और तेज हवा चलती रही। एक-दो दिन छोड़कर कोई ऐसा दिन नहीं था, जब लोग गर्मी की वजह से बेचैन दिखे। इस मामले में एक और अच्छी खबर है। मौसम केंद्र रांची का पूर्वानुमान है कि अगले कुछ दिनों तक झारखंडवासियों का सामना प्रचंड गर्मी से नहीं होने वाला है।

इसकी वजह है उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र डेवलप होना है। इसकी वजह से 28 मई को राज्य के दक्षिणी (पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला और सिमडेगा) क्षेत्र के अलावा निकटवर्ती भागों में भारी बारिश की आशंका जताई गई है। इसी तरह 29 मई को राज्य के उत्तर पूर्वी और दक्षिण पूर्वी भाग में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना जताई गई है। रांची मौसम केंद्र ने बताया कि 30 मई को राज्य में कहीं-कहीं मेघ गर्जन के साथ वज्रपात की संभावना है। इस दिन राज्य के उत्तर पूर्वी भागों में मसलन देवघर, धनबाद, गोड्डा, गिरिडीह, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इस माह के अंतिम दिन यानी 31 मई को भी राज्य में कहीं-कहीं मेघ गर्जन और वज्रपात की संभावना जताई गई है।

28 मई से 30 मई तक मौसम केंद्र रांची ने झारखंड के ज्यादातर जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। 28 मई को खूंटी, सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला, 29 मई को पाकुड़, गोड्डा, देवघर, दुमका, साहिबगंज और जामताड़ा के अलावा पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं 30 मई को गिरिडीह, धनबाद, साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा, दुमका, देवघर और जामताड़ा में भारी बारिश की संभावना है।

पिछले 24 घंटे में कई स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ बारिश रिकॉर्ड हुई है। इस दौरान सबसे ज्यादा तापमान सरायकेला में 37 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है। जबकि न्यूनतम तापमान गुमला में 21.6 डिग्री सेल्सियस रहा है।

शराब घोटाला मामले में एसीबी एक्शन का बढ़ा दायरा-विनय चौबे, उनकी पत्नी सहित 8 लोगों की संपत्ति जांच शुरू

रांची, एजेंसी। शराब घोटाला के आरोप में जेल में बंद आईएएस अधिकारी विनय चौबे की मुसीबतें बढ़ती जा रही हैं। वहीं एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने अपनी जांच का दायरा भी बढ़ा दिया है। एसीबी ने रांची के सभी निबंधन कार्यालयों को पत्र लिखकर आईएएस विनय चौबे और उनके परिवार के सदस्यों के नाम खरीदी गई संपत्ति की जानकारी मांगी है। जानकारी के मुताबिक एसीबी जिन लोगों की संपत्ति की जांच शुरू की है, उसमें आईएएस विनय चौबे, उनकी पत्नी सहित आठ लोग शामिल हैं।

एसीबी सूत्रों के मुताबिक जांच एजेंसी ने निबंधन कार्यालय को चौबे व परिवार के सदस्यों का पैन नंबर भी उपलब्ध कराया है, ताकि खरीद-बिक्री की गई संपत्ति डिटेल निकालने में आसानी होगी। एसीबी ने संपत्ति से जुड़े दस्तावेज की सर्टिफाइड कॉपी भी मांगी है। संपत्ति का डिटेल मिलने के बाद संपत्ति की कीमत का मूल्यांकन किया जाएगा। इस दौरान जांच एजेंसी देखेगी कि चौबे की आय और खरीदी गई संपत्ति पर खर्च हुई राशि में कोई

अंतर है या नहीं। दरअसल, विनय चौबे के परिवार के नाम तीन से चार संपत्ति के दस्तावेज रजिस्टर्ड हुए है। हालांकि, कुछ दस्तावेज ऐसे हैं जो उनके करीबी के नाम पर हैं।

एसीबी ने उत्पाद विभाग के पांच अफसरों को नोटिस भेजा है। इनमें धनंजय कुमार, उमाशंकर सिंह, शीपिज त्रिवेदी, विनय कुमार सिंह और उपेंद्र शर्मा शामिल हैं। इनसे 38 करोड़ रुपए के राजस्व घोटाले के संबंध में पूछताछ की जाएगी। एसीबी पूर्व सचिव विनय चौबे, संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह, महाप्रबंधक वित्त सुधीर कुमार दास, पूर्व महाप्रबंधक वित्त सुधीर कुमार व प्लेसमेंट एजेंसी मार्शन के प्रतिनिधि नीरज कुमार सिंह को गिरफ्तार कर चुका है। एसीबी ने फर्जी बैंक गारंटी की वजह से सरकार को 38.44 करोड़ रुपए के राजस्व नुकसान होने की प्राथमिकी दर्ज की है। जिसमें 13 पर नामजद व अन्य पर केस दर्ज किया गया। एसीबी को जांच में जानकारी मिली है कि विनय चौबे और गजेंद्र सिंह ने पद का दुरुपयोग कर ऐसी प्लेसमेंट एजेंसियों को ठेका दिया, जिन्होंने फर्जी बैंक गारंटी दी। इससे झारखंड सरकार को 38.44 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

शराब घोटाले में इससे पहले 7 सितंबर 2024 को छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित आर्थिक अपराध इकाई (ईओडब्ल्यू) थाना में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। इसमें विनय चौबे, गजेंद्र सिंह के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के अधिकारी अनिल टुटेजा, अरुण पति त्रिपाठी, कारोबारी अनवर ढेबर, प्लेसमेंट एजेंसी सुमित फैसिलिटीज सहित अन्य को आरोपी बनाया गया था। इस केस में ईडी ने नया ईसीआईआर दर्ज किया था।इसके बाद 29 अक्टूबर 2024 को ईडी ने झारखंड और छत्तीसगढ़ में 15 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इन ठिकानों से उत्पाद नीति 2022 से जुड़े कई अहम दस्तावेज, मोबाइल फोन और कई अन्य कागजात जब्त किए गए थे। ईडी इस मामले में जांच कर ही रहा था कि एसीबी झारखंड ने 20 मई को इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करते हुए दो बड़े अधिकारियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अगले दिन 21 मई को फिर तीन लोगों की गिरफ्तारी की गई।

जमीन पर कब्जा के लिए तीन लाख की सुपारी देकर करवा दी थी ऑटो चालक की हत्या!

पलामू, एजेंसी। 16 डिसमिल जमीन पर कब्जे के लिए तीन लाख की सुपारी देकर एक युवक की निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। अपराधियों ने जमीन के कब्जे के लिए युवक के पिता को भी गोली मारने की धमकी दी थी। जिसके बाद पिता काफी दिनों तक घर से फरार हो गए। दरअसल, 18 मई को पलामू के पड़वा थाना क्षेत्र में रंजीत कुमार मेहता नामक एक ऑटो ड्राइवर का शव बरामद हुआ था। रंजीत की पत्थर से कूच कर हत्या की गई थी। मामले में रंजीत की पत्नी के आवेदन के आधार पर छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। पलामू पुलिस ने रंजीत कुमार हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या में शामिल दो आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों में सोनू कुमार उर्फ रोहित और संतोष कुमार शामिल हैं। सोनू कुमार टाउन थाना क्षेत्र के निमिया का रहने वाला है, जबकि संतोष कुमार पटेल नगर सुदना का रहने वाला है।

पड़वा के थाना प्रभारी चंद्रशेखर यादव ने बताया कि दोनों आरोपियों ने मिलकर जमीन के विवाद में तीन लाख की सुपारी लेकर रंजीत कुमार मेहता की हत्या कर दी थी। उन्होंने बताया कि रंजीत कुमार मेहता और अमन सिंह नामक व्यक्ति की बीच जमीन का विवाद चल रहा था। 16 डिसमिल जमीन पर अमन सिंह कब्जा करना चाहता था, लेकिन पूरे परिवार में रंजीत कुमार मेहता सबसे मुखर था और विरोध करता था। थाना प्रभारी ने बताया कि रंजीत कुमार मेहता को रास्ते से हटाने के लिए अमन सिंह की तरफ से तीन लाख रुपये की सुपारी दोनों आरोपियों को दी गई थी।

सरना धर्म कोड को लेकर कांग्रेस, झामुमो पर बरसे रघुवर, पूछा- 60 वर्षों तक केंद्र में शासन रहा, तब क्यों नहीं किया था लागू

लातेहार, एजेंसी। सरना कोड की मांग को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा राज्य में आंदोलन चल रहा है. परंतु भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने इस मामले में हेमंत सोरेन सरकार की नीति और नीयत पर ही सवाल उठा दिया है. उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार पर आदिवासी विरोधी होने और आदिवासियों के नाम पर गंदी राजनीति करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि केंद्र में 60 वर्षों तक कांग्रेस की सरकार रही. उस समय सरना कोड लागू क्यों नहीं कर दिया था? दरअसल झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास लातेहार में आयोजित भारतीय जनता पार्टी के कार्यक्रम में भाग लेने आए थे. कार्यक्रम के समापन के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन आदिवासियों के नाम पर सिर्फ गंदी

राजनीति करते आ रहे हैं. उन्होंने कहा कि आज झारखंड पूछ रहा है कि जब केंद्र में कांग्रेस की 60 वर्षों तक सरकार थी तो आखिर देश में सरना कोड लागू क्यों नहीं किया।

उन्होंने कहा कि केंद्र में जब पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व वाली कांग्रेस की सरकार थी तो शिबू सोरेन केंद्र सरकार में कोयला मंत्री थे. उस समय तत्कालीन भाजपा के सांसद सुदर्शन भगत ने संसद में मामला उठाया था और मांग की थी कि देश में सरना कोड लागू किया जाए तो संसद में पीवी नरसिम्हा राव की सरकार ने कहा था कि देश में सरना कोड लागू नहीं किया जा सकता. इसीलिए आज झारखंड पूछ रहा है कि उस समय सरना कोड लागू क्यों नहीं कर दिया था? पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने हेमंत सोरेन सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हेमंत सोरेन सरकार का साढ़े पांच वर्ष से अधिक समय हो गया. परंतु आज तक पेसा कानून लागू नहीं किया गया. भगवान बिरसा मुंडा ने ग्राम स्वशासन के लिए संघर्ष किया. यही अबुआ राज्य का उद्देश्य भी था. परंतु हेमंत सोरेन की सरकार ग्राम स्वशासन को लागू करने के बदले आदिवासियों के नाम पर गंदी राजनीति कर रही है. सरना कोड के माध्यम से आदिवासियों को दिग्भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है. आज तक ग्राम सभा को अधिकार नहीं मिल पाया. ग्राम सभा को अधिकार देने के बदले हेमंत सोरेन और उनकी सरकार आदिवासियों का ध्यान भटकाने के लिए इस प्रकार का मुद्दा उठा रहे हैं। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने भाजपा द्वारा आयोजित अहिल्याबाई होल्कर की जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यकर्ताओं को संबोधित भी किया. कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार झारखंड को लूट रही है. झारखंड को बचाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता कमर कस लें. मौके पर सांसद कालीचरण सिंह, विधायक प्रकाश राम, जिला अध्यक्ष पंकज सिंह, राजधानी यादव, महामंत्री वंशी यादव, अमलेश सिंह समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मजदूर की बेटी सलोनी ने रचा इतिहास, 10वीं में 96.60प्रतिशत अंक लाकर बनी गोड्डा टॉपर

गोड्डा, एजेंसी। झारखंड एकेडमिक काउंसिल की मैट्रिक परीक्षा में गोड्डा जिले के नीमाकला गांव की सलोनी ने जिलेभर में टॉप कर नया कीर्तिमान रच दिया है। सिद्धू कान्हू सरस्वती विद्या मंदिर ललमटिया की छात्रा सलोनी को 500 में से 483 अंक मिले हैं। बेहद साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली सलोनी की इस उपलब्धि से गांव में खुशी का माहौल है।

पिता प्रमोद पंडित करते हैं मजदूरी : सलोनी के पिता प्रमोद पंडित मजदूरी करते हैं और इसी आमदनी से अपने दो बच्चों की पढ़ाई और पूरे परिवार का खर्च उठाते हैं। सलोनी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और खुद की मेहनत को दिया है। उन्होंने कहा कि परिवार की आर्थिक स्थिति कभी उनकी पढ़ाई में बाधा नहीं बनी, बल्कि हमेशा प्रेरणा बनी रही।

सलोनी की दिनचर्या बेहद अनुशासित रही। वह रोज सुबह 4 बजे उठ जाती थीं और पढ़ाई में जुट जाती थीं। स्कूल और कोचिंग के अलावा घर पर भी रोजाना 5 से 6 घंटे की पढ़ाई करती थीं। उन्होंने बताया कि मोबाइल और सोशल मीडिया से दूरी बनाकर पढ़ाई पर फोकस किया।

नीट की करेंगी तैयारी, बनेगी डॉक्टर : भविष्य की योजना के बारे में सलोनी ने बताया कि वह डॉक्टर बनकर अपने गांव और आसपास के इलाकों में स्वास्थ्य सेवा देना चाहती हैं। इसके लिए अब वह नीट की तैयारी ऑनलाइन क्लासेस के माध्यम से करेंगी।

सुभाषितम्

दुखियारों को हमदर्दी के आंसू भी कम प्यारे नहीं होते।

- प्रेमचंद

ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही परिवार की लॉटरी खुली

राजनीति में नैतिकता अब पूरी तरह से खत्म हो गई है। सत्ता में बैठे हुए राजनेता अपनी शक्तियों का उपयोग स्वयं के लिए, परिवार और इष्ट मित्रों को ध्यान में रखते हुए सत्ता का उपयोग कर रहे हैं। यह बात इसलिए कहीं जा रही है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी माह में राष्ट्रपति पद की शपथ ली। उसके बाद वह जिस तरह की नीतियां बना रहे हैं। उन नीतियों के कारण दुनिया भर के उद्योगपतियों और राजनेताओं को यह बात समझ आ गई है। यदि उन्हें अपना कारोबार बचाना है, तो ट्रंप का आशीर्वाद जरूरी होगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे और परिवार के अन्य सदस्य इन दिनों दुनिया के देशों में घूम-घूमकर, गिफ्ट इकट्ठी कर रहे हैं। ट्रम्प परिवार अपने व्यापार में वृद्धि करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। वियतनाम, इंडोनेशिया जैसे एशियाई देशों में ट्रंप के परिवार ने अरबों डॉलर के प्रोजेक्ट हासिल कर लिए हैं। अमेरिका की सरकार से अपने संबंधों को बेहतर करने के लिए करीब एक दर्जन देशों में ट्रंप के परिवार की खूब खातिरदारी हो रही है। उन्हें बड़े-बड़े प्रोजेक्ट दिए जा रहे हैं। ऐसे दर्जनों मामले अभी तक सामने आ चुके हैं। ट्रंप को अमेरिका का राष्ट्रपति बने हुए अभी 5 माह भी पूरे नहीं हुए हैं। ट्रंप परिवार की कमाई इन 5 महीनों में कई गुना बढ़ गई है। हजारों करोड़ रुपए के नए-नए प्रोजेक्ट ट्रंप परिवार की कंपनियों को मिले हैं। ट्रंप अमेरिकी सरकार के जो भी निर्णय कर रहे हैं। उसमें उनके परिवारजनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ट्रंप के परिवार ने पिछले 5 महीने में एक दर्जन से ज्यादा देशों में अपना कारोबार फैलाया है। टैरिफ को लेकर दुनिया के सभी देशों को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भयाक्रांत किया है। जिसके कारण दुनिया भर के उद्योगपति और विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष, ट्रम्प को प्रभावित करने के लिए उनके परिवार के साथ अपने रिश्ते बेहतर करके, गंगा में नहाने का पुण्य प्राप्त कर रहे हैं। वियतनाम के विन पुक प्रांत में 13000 करोड रुपए का ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ रिसोर्ट प्रोजेक्ट इसका ताजा मामला है। वियतनाम की सरकार ने राष्ट्रीय प्राथमिकता बताकर भूमि अधिग्रहण और वित्तीय छूट देकर ट्रंप परिवार के लिए कमाई के नए अवसर खोल दिए हैं। इसी तरह का एक प्रोजेक्ट इंडोनेशिया के बाली में गोल्फ कोर्स और होटल इत्यादि के लिये ट्रम्प परिवार को मिला है। इसमें भी इंडोनेशिया की सरकार ने सभी नियम कानून को दरकार करते हुए ट्रंप परिवार के ऊपर मेहरबानी की है। दुनिया के देशों में सत्ता में बैठे हुए सत्ताधीश खुले आम अनैतिक रूप से काम करने लगे हैं। नैतिकता की कोई स्थिति देखने को नहीं मिल रही है। सत्ता में बने रहने के लिए हर स्तर पर सत्ता का दुरुपयोग किया जा रहा है। निजी हितों को ध्यान में रखते हुए नियम, कायदे और कानून बनाए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में राजनीति का स्वरूप तेजी से बदला है। उसमें लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं पूरी तरह से खत्म होती जा रही हैं। एक तरह से पूंजीवादी व्यवस्था शासन व्यवस्था का अंग बनती जा रही है। आर्थिक कारणों से सत्ता में बैठे हुए लोग पक्षपात पूर्ण निर्णय कर रहे हैं। अमूमन यह स्थिति अधिकांश देशों में देखने को मिल रही है। राजनीति में आकर सत्ता के सिंहासन में बैठकर मनमाने तरीके से पैसे कमाने का जो चलन राजनेताओं के परिवारों और उनके पूंजीपति मित्रों में देखने को मिल रहा है। गरीब और मध्यम वर्ग शासन व्यवस्था से दूर होता जा रहा है। शासन व्यवस्था में बैठे हुए लोग अब पूंजीपतियों और निजी हितों को ध्यान में रखते हुए सरकारी नीतियां बना रहे हैं। अमेरिका जैसे देश में जब यह सब खुले आम हो रहा है। इसका असर दुनिया के देशों में किस तरह का पड़ेगा, इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था के नाम पर जिस तरह की तानाशाही शासन व्यवस्था स्थापित होती जा रही है। उसके कारण अब गरीब और मध्यम वर्ग का गुजारा बहुत मुश्किल हो गया है। सामाजिक एवं राजनीतिक स्थितियों में इस बदलाव के कारण दुनिया के देशों में अशांति फैलती जा रही है। ठीक 100 साल पहले की स्थिति में पूरी दुनिया पहुंचती हुई दिख रही है। पूंजीवादी व्यवस्था यदि इसी अनैतिकता के साथ आगे बढ़ती रही, तो बगावत जैसी स्थितियां बनते देर नहीं लगेगी। प्रथम एवं द्वितीय विश्व युद्ध के समय राजतंत्र और पूंजीवादी व्यवस्था में जिस तरह की तानाशाही प्रवृत्ति थी।

चिंतन-मनन

वैज्ञानिक बनने की चाह

किसी समय लंदन की एक बस्ती में एक अनाथ बालक रहता था। वह अखबार बेचकर किसी तरह अपना गुजारा करता था। कुछ समय बाद उसे एक जिल्दसाज की दुकान पर जिल्द चढ़ाने का काम मिल गया। उस बालक को पढ़ने का बहुत शौक था। वह पुस्तकों पर जिल्द चढ़ाते समय महत्वपूर्ण बातें व जानकारियां पढ़ता रहता था। एक दिन जिल्द चढ़ाते समय उसकी नजर एक विद्युत संबंधी लेख पर पड़ी। वह लेख उसे बहुत ही मनोरंजक लगा। उसने दुकान के मालिक से एक दिन के लिए वह पुस्तक मांग ली और रात भर में उस लेख के साथ ही पूरी पुस्तक भी पढ़ डाली। पुस्तक का उसके ऊपर गहरा असर पड़ा। इससे उसके प्रयोग करने में जिज्ञासा बढ़ती गई और धीरे-धीरे वह अध्ययन एवं परीक्षण के लिए विद्युत संबंधी छोटी-मोटी चीजें इधर-उधर से जुटाने लगा। बालक की इस बारे में रुचि देखकर एक ग्राहक उससे बहुत प्रभावित हुआ। वह खुद भी विज्ञान में गहरी दिलचस्पी रखता था। एक दिन वह बालक को अपने साथ भौतिकशास्त्र के प्रसिद्ध विद्वान डेवी का भाषण सुनाने ले गया। बालक ने डेवी की बातें ध्यान से सुनीं और उन्हें नोट भी किया। इसके बाद बालक ने उनके भाषण की समीक्षा करते हुए अपने कुछ परामर्श लिखकर डेवी के पास भेज दिए। डेवी को बालक की सलाह बहुत पसंद आई। उन्होंने उसे अपने यंत्र व्यवस्थित करने के लिए अपने पास रख लिया। बालक उनके साथ रहने लगा।

महाराणा प्रताप: शौर्य, बलिदान एवं साहस का अमिट प्रतीक

- ललित गर्ग

हमारा देश भारत जिसे आस्था और विश्वास, शौर्य एवं शक्ति, बहादुरी और साहस, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की वीरभूमि कहा जाता है, जहां की सभ्यता और संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृति में शुमार है, जिसका अनुसरण संपूर्ण विश्व करता है। भारत की भूमि महान योद्धाओं की भूमि रही है, जिन्होंने भारत की एकता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे ही एक वीर एवं साहसिक योद्धा एवं सच्चे भारतीय महानायक थे महाराणा प्रताप, जो राजपूतों के सिसोदिया वंश से संबंध रखते थे। महाराणा को भारत का प्रथम स्वतंत्रता सेनानी भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कभी अकबर के सामने समर्पण नहीं किया। मुगल साम्राज्य के विस्तार के विरुद्ध उनके प्रबल प्रतिरोध ने उन्हें भारतीय इतिहास में अमर बना दिया है। हल्दीघाटी के युद्ध में अकबर की विशाल सेना का सामना करते हुए उन्होंने जो वीरता दिखाई, वह आज भी शौर्य, पराक्रम, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की प्रेरणा देती है। उनके जीवन की घटनाएं गौरवमय इतिहास बनी है। वे एकलौते ऐसे महा- राजपूत योद्धा थे, जिन्होंने अकबर को चुनौती देने का साहस ही नहीं दिखाया बल्कि युद्ध के मैदान में लोहे के चने चबवाये।

महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के कुंभलगढ़ में हुआ था। जो हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि थी। जो इस वर्ष 29 मई को मनाई जाएगी। युवावस्था में ही महाराणा प्रताप ने तलवारबाजी, घुड़सवारी और युद्धनीति में

महारत हासिल कर ली थी। उनकी जन्म जयंती न केवल उनके जन्म का उत्सव है, बल्कि उनके आदर्शों, विरासत और भारत की सांस्कृतिक धरोहर में दिए गए उनके अमूल्य योगदान का सम्मान भी है। महाराणा प्रताप और मुगल सम्राट अकबर के सेनापति राजा मानसिंह के बीच 8 जून 1576 में हल्दीघाटी का युद्ध हुआ था। महाराणा प्रताप ने लगभग 20 हजार सैनिकों के साथ 85 हजार की मुगल सेना से बहुत ही साहस, शौर्य, पराक्रम एवं बहादुरी के साथ सामना किया। दोनों सेनाओं के बीच गोगुडा के नजदीक अरावली पहाड़ी की हल्दीघाटी शाखा के बीच यह युद्ध हुआ। इस लड़ाई को हल्दीघाटी के युद्ध के नाम से जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस युद्ध में न तो अकबर जीत सका और न ही राणा हारे। मुगलों के पास सैन्य शक्ति अधिक थी तो राणा प्रताप के पास जुझारू शक्ति की कोई कमी नहीं थी। उन्होंने आखिरी समय तक अकबर से संधि की बात स्वीकार नहीं की और मान-सम्मान के साथ जीवन व्यतीत करते हुए लड़ाइयां लड़ते रहे।

इस युद्ध में उनका प्रिय घोड़ा चेतक भी वीरगति को प्राप्त हो गया, लेकिन इसके बाद भी महाराणा प्रताप ने हार नहीं मानी और युद्ध जारी रखा। मुगल शासक अकबर ने मेवाड़ पर अपना अधिकार स्थापित करने की भरपूर कोशिश की। लेकिन महाराणा प्रताप ने कभी भी अकबर की अधीनता को स्वीकार नहीं किया और जीवन भर मुगलों के खिलाफ स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए संघर्ष करते रहे। उनका परिवार बहुत ही कठिन परिस्थितियों में रहा। वे कई सालों तक जंगलों, गुफाओं और पहाड़ियों में रहे। उन्होंने पेड़ों की छाल से बने साधारण कपड़े पहने और जंगली फल और जड़ें खाईं। उनकी पत्नी और बच्चे कभी-कभी घास की रोटी खाते थे। फिर भी, उन्होंने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया या मुगलों के साथ समझौता नहीं किया। उनके शौर्य और वीरता की कहानी को आज भी बहुत ही गर्व के साथ याद किया जाता है। राजस्थानी भाषा के ख्यात कन्हैयालाल सेठिया की प्रसिद्ध राजस्थानी कविता ह्यपातल और पीथलह्व हल्दीघाटी युद्ध के बाद की घटनाओं पर आधारित राणा प्रताप के जीवन में आई कठिनाइयों और उनके संघर्ष को दशार्ती है।

आजाद भारत में महाराणा प्रताप जैसे शूरवीरों के त्याग एवं बलिदान, शौर्य एवं पराक्रम को विस्मृत करने की चेष्टायें व्यापक पैमाने पर हुई है। हमने इन असली महानायकों को भूलाकर अकबर एवं औरंगजेब जैसे आक्रांताओं को नायक बनाने की भारी भूल की है, नायक अकबर नहीं महाराणा प्रताप हैं, उन्होंने औरंगजेब को घुटने टेकने पर मजबूर किया और घुट-घुट कर मरने पर मजबूर किया। सनातन धर्म को नष्ट करने की साजिश करने वाले भारत के नायक कैसे हो सकते? अकबर हो या औरंगजेब, हिन्दुओं एवं हिन्दू राष्ट्र के प्रति सबकी मानसिकता एक ही थी- भारत की सनातन परंपरा को रौंदने के लिए तमाम षड्यंत्र रचना एवं भारत की समृद्ध विरासत को लूटना। इसके विपरीत, महाराणा प्रताप ने अपने बलिदान से सनातन संस्कृति की रक्षा की। ये राष्ट्रनायक हमारी असली प्रेरणा हैं।

भारतीय इतिहास में जितनी महाराणा प्रताप की बहादुरी की चर्चा हुई है, उतनी ही प्रशंसा उनके घोड़े चेतक को भी मिली। कहा जाता है कि चेतक कई फीट ऊंचे हाथी के मस्तक तक उछल सकता था। कुछ लोकगीतों के अलावा हिन्दी कवि श्यामनारायण पांडेय की वीर रस कविता ह्यचेतक की वीरताह्व में उसकी बहादुरी की खूब तारीफ की गई है। जब मुगल सेना महाराणा के पीछे लगी थी, तब चेतक उन्हें अपनी पीठ पर लादकर 26 फीट लंबे नाले को लांघ गया, जिसे मुगल फौज का कोई घुड़सवार पार न कर सका। मेवाड़ की जनजाति ह्यभीलह्व कहलाती है। भीलों ने हमेशा हर संकट एवं संघर्ष के क्षणों में महाराणा प्रताप साथ दिया। एक किवदंती है कि महाराणा प्रताप ने अपने वंशजों को वचन दिया था कि जब तक वह चित्तौड़ वापस हासिल नहीं कर लेते, तब तक वह पुआल यानी घास पर सोएंगे और पेड़ के पत्ते पर खाएंगे। आखिर तक महाराणा को चित्तौड़ वापस नहीं मिला। उनके वचन का मान रखते हुए आज भी कई राजपूत अपने खाने की प्लेट के नीचे एक पत्ता रखते हैं और बिस्तर के नीचे सूखी घास का तिनका रखते हैं। महाराणा प्रताप का बचपन भील समुदाय के साथ बिता, भीलों के साथ ही वे युद्ध कला सीखते थे, भील अपने पुत्र को कीका कहकर पुकारते है, इसलिए भील महाराणा को भी कीका नाम से पुकारते थे। महाराणा प्रताप का दिल और दिमाग ही नहीं, बल्कि उनका शरीर भी साहसी एवं लोह समान था। कहा जाता है कि महाराणा प्रताप 7 फीट 5 इंच लंबे थे। वह 110 किलोग्राम का कवच पहनते थे, वह 25-25 किलो की 2 तलवारों के दम पर किसी भी दुश्मन से लड़ जाते थे। महाराणा प्रताप एक महान पराक्रमी और युद्ध रणनीति कौशल में दक्ष थे। उन्होंने मुगलों के बार-बार हुए हमलों से मेवाड़ की रक्षा की।

साहित्य की पगडंडियों के राही कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर!

- डा. श्रीगोपाल नारसन

शब्द साधक कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर जाने माने साहित्यकार तो थे ही साथ ही उन्होने पत्रकारिता के क्षेत्र में रिपोर्ताज विधा को जन्म देकर एक नया इतिहास रचा था। सादगी सम्पन्न जीवन के जीवन पर्यन्त हिमायती रहे प्रभाकर नीलाम किया गया, लेकिन उन्होने कभी हार नही मानी और वे अंग्रेजो के खिलाफ आखिर तक मोर्चे पर डटे रहे। जब मैं सहारनपुर के जेवी जैन कालेज से एलएलबी की पढाई कर रहा था ,तब रास्ते में कई बार कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर के टहलते हुए दर्शन हो जाते थे। मुझे देखते ही प्रभाकर के चेहरे पर चमक आ जाती और वे कहते थे कि श्रीगोपाल,जब भी मैं तुम्हे देखता हूं , मुझे अपने जवानी के दिन याद आ जाते है। मेरे कन्धों पर हाथ रखकर सडक पर ही धन्टों बतियाने वाले इस महान कलमकार की याद मेरे मानस पटल पर हमेशा रहेगी। प्रभाकर जी लेखन के क्षेत्र में मामूली से मामूली गलती को भी बर्दाश्त नही करते थे। वे कहते थे कि जो भी लिखों उसे बार बार पढों और तब तक पढकर फाडते रहों जब तक कि आप अपने लिखे से सन्तुष्ट न हो जाओं। एक बार मैने नववर्ष पर प्रभाकर जी को शुभकामना सन्देश भेजा। पोस्टकार्ड पर शुभकामना सन्देश की मोहर लगाकर भेजी गई थी। यह सन्देश यूं तो करीब डेढ सौ लोगो को भेजा गया था। परन्तु पत्र का जवाब प्रभाकर जी का ही आया, जिसमें उन्होंने मुझे जमकर डांट लगाई गई थी। दरअसल शुभकामना सन्देश में मोहर बनाने वाले ने मंगलकारी की जगह मंगलहारी छाप दिया था और मेरी गलती यह रही कि मै मोहर में हुई इस भयंकर गलती को देख नही पाया। इस पर प्रभाकर जी ने मुझे लिखा कि प्रिय श्री गोपाल,तुम्हारा नववर्ष का शुभकामना सन्देश मिला, जिसमें मंगलकारी के स्थान पर मंगलहारी छपा है मुझे मालूम है कि तुमने इस सन्देश में छपी गलती पर ध्यान नही दिया परन्तु यह एक अक्षमय अपराध है ,जिसे माफ नही किया जा सकता। अब मुझे डर है कि कही मेरा आने वाला साल मेरे लिए अशुभ न बन जाए।इस लिए इस गलती पर पश्चाताप करों और भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति न हो यह ध्यान रहे।प्रभाकर जी की यह डांट मेरे लिए जिंदगीभर का सबक बन गई। प्रभाकर जी मुझे अक्सर पत्र लिखते रहते और मेरा समय समय पर मार्गदर्शन भी करते। प्राय गर्मियों में मसूरी और सर्दियों में सहारनपुर रहने वाले प्रभाकर जी के लिए कलम प्राणवायु की तरह थी। कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर ने कई दर्जन पुस्तको को जन्म दिया। उनकी पुस्तको में कहानियों से लेकर निबन्ध तक और सस्मरणों से लेकर आजादी के इतिहास तक की झलक हिन्दी साहित्य को समृद्ध किये हुए है। वे कहा करते थे कि हमारा काम यह नही है कि हम इस विशाल देश में बसे चन्द ऐययाशो का फालतू समय चैन और खुमारी में काटने के लिए मनोरंजन साहित्य नाम का मयखाना हर समय खुला रखे। हमारा काम तो यह है कि हम इस विशाल और महान देश के कौने कौने में बसे जनसाधारण के मन में विश्रंलित वर्तमान के प्रति विद्रोह और भविष्य के निर्माण की कर्मशील भूख जगाये।तपती पगडंडिया,जिंदगी मुस्कराई,आकाश के तारे,दीप जले शंख बजे,धरती के फूल,क्षण बोले कण मुस्काए, जिंदगी लहराई,महंके आंगन,चहके द्वार और कारंवा आगे बढ जैसी पुस्तको के रचियता प्रभाकर को जहां भारत सरकार पे पदम श्री सम्मान से नवाजा वही उन्हे उ0प्र0 समेत विभिन्न राज्यों में भी उनकी साहित्य साधना के लिए सम्मानित किया गया। उनकी याद की लेखनी ने जहां अंग्रेजो के जमाने में अंग्रेजों के खिलाफ आग उगली वही साहित्य की पगडंडियों पर चलते हुए अपने समकालीन साहित्यकारों में एक बडा मुकाम भी हासिल किया।उनकी सादगी और अपने उपर कम खर्च कराने की आदत के कारण वे कई बार चचाओं में रहे। एक बार की बात है, जब मशहूर साहित्यकार कमलेश्वर दूरदर्शन के महा निदेशक हुआ करते थे। कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर उनसे मिलने दूरदर्शन के कार्यालय गए तो बातों ही बातों में कमलेश्वर ने पूछा कि क्या आपका वृत्त चित्र बना है। प्रभाकर जी द्वारा मना करने पर उन्होंने तुरंत अपने अधिनस्थों को बुलाया और प्रभाकर जी पर वृत्त चित्र तैयार करने के लिए फाइल तैयार करने को कहा। इतना होने पर प्रभाकर जी वापस सहारनपुर आ गए। कुछ दिनों बाद जब दूरदर्शन की टीम कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर का वृत्त चित्र तैयार करने सहारनपुर पहुंची तो प्रभाकर ने टीम के सदस्यों से पूछा कि इस वृत्त चित्र पर कितना खर्च आएगा। उन्हें बताया गया कि वृत्त चित्र पर छह लाख रुपए का बजट निर्धारित किया गया है। इतना सुनते ही प्रभाकर ने वृत्त चित्र बनवाने से मना कर दिया और कमलेश्वर को पत्र लिखकर कहा कि उनके वृत्त चित्र पर आने वाला खर्च देश के किन्ही भी दो गांव पर खर्च कर दिया जाए। ताकि कम से कम दो गांव का ही सही सर्वांगीण विकास तो हो। इस घटना से पता चलता है कि कलम के सिपाही कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर का दिल गांव के लिए किस कदर धडकता था। शैलियों के शैलीकार पदमश्री कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर को पत्रकारिता में रिपोर्ताज विद्या का अविश्कारक माना जाता है। 29 मई 1906 को देवबंद के मोहल्ला कायस्थवाडा में जन्मे कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर ने भारतीय साहित्य में छोटे छोटे वाक्य विन्याशों की शुरूआत की थी, थोडे शब्दों में बडी बात कह जाना उनके साहित्यक व्यक्तित्व का आईना था। प्रभाकर ने ब्राहमण वर्चस्व नामक पत्रिका के अतिथि संपादक के रूप में सन 1929 से पत्रकारिता जगत में अपना कदम बढाया था और विकास नामक पत्र के माध्यम से उन्होंने शोहरत की ऊंचाईयों को छुआ साथ ही उन्होंने विश्वास व नया जीवन जैसे कई पत्रों का संपादन भी किया। ब्रिटिश शासनकाल में अंग्रेजों के विरूद्ध अपनी लेखनी के माध्यम से लगातार जहर उगलने के कारण उनकी प्रेस को 9 बार में प्रति वर्ष उनके परिजन तो देश के किसी बडे साहित्यकार को शैलियो का शैलिकार प्रभाकर सम्मान देते ही है वही उनके साहित्य के क्षेत्र में डा0 महेन्द्रपाल काम्बोज ने भी प्रतिवर्ष तीन साहित्यिक विभूतियों को प्रभाकर शैलीकार संचेतना सम्मान देने की शुरूआत की थी परन्तु डा0 महेन्द्र पाल काम्बोज के निधन के बाद यह सम्मान आयोजन बन्द होकर रह गया है। वही हाल ही में उनके पुत्र अखिलेश प्रभाकर का 92 वर्ष की आयु में देहांत हुआ है,वे जीवन पर्यन्त अपने पिता कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर की यादों को संजोते रहे।

पहली मेड इन इंडिया चिप मिलेगी

- किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ को मालूम है कि भारत में प्राकृतिक संपदा, संस्कृति, संस्कारों, मानवीय बौद्धिक कौशलता,धार्मिक धर्मनिरपेक्षता, हर जाति धर्म, सहित राज्य स्तरपर हर त्योहार व सांस्कृतिक समारोह विशालता से मिलजुल कर मनाए जाते हैं। आज हम इस विषय पर बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 23-24 मई 2025 को नई दिल्ली में पूर्वोत्तर भारत के सात बहनों व एक भाई यांने असम अरुणाचल प्रदेश मणिपुर मेघालय मिजोरम नागालैंड त्रिपुरा और एक भाई सिक्किम मिलकर राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स सम्मिट मनाए हैं, जिसका उद्घाटन 23 मई 2025 को देरशाम माननीय पीएम ने किया था।राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025 एक दो दिवसीय कार्यक्रम है,जो 23 और 24 मई को आयोजित किया है। दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के एजेंडेमें मंत्रिस्तरीय सत्र, बिजनेस -टू-गवर्नमेंट(बी2जी) और बिजनेस -टू-बिजनेस (बी2बी) बैठकें और एक समर्पित प्रदर्शनी क्षेत्र शामिल हैं। निवेश संवर्धन के लिए पहचाने गए प्रमुख क्षेत्रों में पर्यटन और आतिथ्य, कृषि- खाद्य प्रसंस्करण और संबद्ध उद्योग, वस्त्र, हथकरघा और हस्तशिल्प, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और कौशल विकास आईटी और आईटी-सक्षम सेवाएं, बुनियादी ढांचा और रसद, ऊर्जा,साथ ही मनोरंजन और खेल शामिल हैं।चूँकिदेश को जल्द ही पूर्वोत्तर क्षेत्र के सेमी कंडक्टर संयंत्र में निर्मित पहली मेड इन इंडिया चिप मिलेगी। राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स सम्मिट 23-24 मई 2025 का आगाज- एक्ट ईस्ट,एक्ट फास्ट,एक्ट फर्स्ट इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,पूर्वोत्तर भारत 7 बहने एक भाई=अष्टलक्ष्मी-भारत का बेहतर भविष्य बनाने में अहम सहयोगी जो भारत के विजन 2047 को गति देगा। साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा उद्घाटन समारोह में संबोधन की करें तो, पूर्वोत्तर क्षेत्र को अवसरों की भूमि के रूप में प्रस्तुत करने, वैश्विक और घरेलू निवेश को आकर्षित करने तथा प्रमुख हितधारकों, निवेशकों और नीति निमार्ताओं को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से पीएम ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन किया। दुनियाँ के सबसे विविधतापूर्ण राष्ट्र के रूप में भारत की स्थिति को रेखांकित करते हुए,उन्होंने कहा, पूर्वोत्तर हमारे विविध राष्ट्र का सबसे विविध क्षेत्र है।उन्होंने व्यापार, परंपरा, वस्त्र और पर्यटन में फैली विशाल संभावनाओं पर जोर देते हुए कहा कि इस क्षेत्र की विविधता इसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर एक संपन्न जैव- अर्थव्यवस्था और बांस उद्योग,चाय उत्पादन और पेट्रोलियम, खेल और कौशल के साथ-साथ इको-टूरिज्म के लिए एक उभरते हुए केंद्र का पर्याय है। उन्होंने आगे कहा कि यह क्षेत्र जैविक उत्पादों का मार्ग प्रशस्त कर रहा है और ऊर्जा के एक पावरहाउस के रूप में खड़ा है। उन्होंने पुष्टि की कि पूर्वोत्तर अष्टलक्ष्मी का सार है, जो समृद्धि और अवसर लाता है। उन्होंने कहा कि इस ताकत के साथ, हर पूर्वोत्तर राज्य निवेश और नेतृत्व के लिए अपनी तत्परता की घोषणा कर रहा है।विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में पूर्वी भारत की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने पूर्वोत्तर को इसका सबसे महत्वपूर्ण घटक बताया। उन्होंने कहा, हमारे लिए, पूर्वी क्षेत्र सिर्फ एक दिशा नहीं है, बल्कि एक दृष्टि है-सशक्त बनाना, कार्य करना, मजबूत बनाना और बदलाव लाना - जो इस क्षेत्र के लिए नीतिगत रूपरेखा को परिभाषित करता है।

आज का राशिफल

मेष - कार्यक्षेत्र में नई संभावनाएं आपको लाभ देंगी। बॉस या सीनियर आपके काम से संतुष्ट रहेंगे।

तुला - व्यावसायिक क्षेत्र में किसी विशेष रणनीति के ज़रिए लाभ कमा सकते हैं।

वृषभ - आज आर्थिक दृष्टिकोण से दिन संतुलन बनाए रखने वाला है। कोई आकर्षक प्रस्ताव मिल सकता है।

वृश्चिक - आज करियर में चुनौती और अवसर साथ-साथ आएंगे। बॉस से मतभेद की स्थिति बन सकती है।

मिथुन - करियर में दीर्घकालिक सफलता से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

धनु - आज दिन मिलाजुला रहेगा और नौकरीपेशा लोगों को नुकसान की आशंका है।

कर्क - आपको पुराने क्लाइंट से बकाया पैसा मिल सकता है या नई डील फाइनल हो सकती है।

मकर - दिन मिलाजुला रहेगा। भावनाओं में बहकर निर्णय न लें, विशेषकर आर्थिक विषयों में।

सिंह - आज लाभ होगा और आपको आपको करियर में एक नई दिशा मिलने वाली है।

कुंभ - आज दिन शुभ है और करियर के लिए सकारात्मक संकेत दे रहा है।

कन्या - दिन अनुकूल है और किसी लंबित सरकारी कार्य या लोन अप्रूवल की प्रक्रिया पूरी होने से राहत मिलेगी।

मीन - प्रतिस्पर्धा होगी, लेकिन आप अपनी रचनात्मकता और कार्यकुशलता से सबसे अलग दिखेंगे।

विशेष

बात निकलेगी तो फिर दूर तलक जाएगी

कफील आजम अमरोहवी की एक मशहूर नज्म है जिसे स्वर्गीय जगजीत सिंह ने अपना स्वर दिया था, कई बरस पहले लिखी और गाई ये नज्म आज भी उतनी ही मकबूल है जितनी पहले थी। नज्म के बोल हैं बात निकलेगी तो फिर दूर तलक जाएगी, लोग बेवजह उदासी का सबक पूछेंगे, ये भी पूछेंगे कि तुम इतने परेशान क्यूं हो इस नज्म की पंक्तियां प्रदेश के एक मंत्री विजय शाह पर पूरी तरह फिट बैठ रही है उनकी जुबान से कर्नल सोफिया के बारे में जो कुछ भी निकला वो बहुत दूर तक चला गया । कहते हैं ना कि जुबान से निकली बात और धनुष से निकला तीर कभी वापस नहीं आ सकता, शायद इसलिए ताव ताव में और तालियां सुनने के चक्कर में शाह साहब ने कह तो दिया लेकिन जब उनके कहे पर पूरे देश में हल्ला मचा तब शाह साहब को समझ में आया कि अरे यार ये तो बड़ा गड़बड़ हो गया, बेचारे माफी पर माफी मांग रहे हैं, हर रोज एक नया माफी नामा लिखकर लाते हैं और वीडियो बना बनाकर डाल रहे हैं लेकिन उनके माफीनामा का कोई असर हो नहीं रहा, ये बात अलग है कि भाजपा सरकार उन्हें बचाने के लिए पूरी तरह से अडिग है लेकिन सरकार भी क्या करें न्यायालय के आदेशों के आगे वो भी मजबूर है । इसी नज्म में आगे कहा गया है लोग बेवजह उदासी का सबक पूछेंगे ये भी पूछेंगे तुम इतने परेशान क्यूं हो । अब आप बताओ जिस मंत्री की गद्दी जाने वाली हो देश के बच्चे बच्चे को उनके बयान के बारे में मालूम पड़ गया है उसके बाद भी लोग उनसे उदासी का कारण पूछ रहे हैं,और तो और न केवल उदासी का कारण पूछ रहे हैं बल्कि ये भी पूछ रहे हैं कि आप इतने परेशान क्यूं हो।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1807 तुर्की में मुस्तफा चतुर्थ ने सुल्तान तृतीय को गद्दी से हटा दिया, 1947 अमरीका के स्वर्गीय राष्ट्रपति जान कैनेडी का जन्म. 1923 ब्रिटेन ने फिलोस्तानी संविधान निलम्बित कर दिया. 1943 द्वितीय विश्व युद्ध में एल्यूशियन द्वीप में अमरीकियों ने जापानियों को शिकस्त दी. 1953 तेनजिंग व हिलेरी द्वार माउण्ट एवरेस्ट पर विजय, 1972 अमरीका और सोवियत संघ ने आपस में शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए. 1985 यूरोपीय कप फुटबॉल मैच से पूर्व ब्रूसेल्स के स्टेडियम में संघर्ष में 38 व्यक्ति मारे गए और लगभग चार सौ लोग गिरफ्तार हो गए, 1987 भूतपूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की मृत्यु. 1990 बोरिस येल्तसिन रूस के राष्ट्रपति चुने गए.

दैनिक पंचांग

29 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.25 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कर्क	08.38 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	10.55 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.06 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.17 बजे से
शुक्र	मीन में	वृश्चिक	17.32 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.48 बजे से
राहु	मीन में	मकर	21.53 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	23.40 बजे से
		मीन	01.12 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मेष	02.43 बजे से
		वृष	04.23 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 149 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 23.19 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 22.39 बजे को समाप्त।
योग शूल 15.47 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 12.32 बजे तदनन्तर गर 23.19 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 01.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 37'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872359
जूलियन दिन 2460824.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज
तारीख 01
विशेष महाराणा प्रताप जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बॉडी लैंग्वेज बन सकता है इंटरव्यू में सिलेक्शन न होने का कारण

कई बार इंटरव्यू अच्छा जाने के बाद भी आप सिलेक्शन से चूक जाते हैं। इस दौरान आपकी बॉडी लैंग्वेज बहुत मायने रखता है। आज हम आपको उन बॉडी लैंग्वेज के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको इंटरव्यू के दौरान बिलकुल भी नहीं करनी चाहिए।

जॉब के लिए इंटरव्यू के दौरान लोग बॉडी लैंग्वेज से जुड़ी कई गलतियां करते हैं। जिसके कारण इंटरव्यू अच्छा जाने के बाद भी उनका सिलेक्शन नहीं होता है। यहां हम आपको सही बॉडी लैंग्वेज के साथ इंटरव्यू क्रैक करने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। अच्छी जॉब की चाहत रखने वाले लोग काफी समय पहले से ही इंटरव्यू की तैयारियां शुरु कर देते हैं। इंटरव्यू से पहले लोग तमाम सवालों की तैयारियां भी करते हैं। इस दौरान लोग इंटरव्यू में अच्छा इंप्रेशन देने के लिए आउटफिट्स को लेकर भी कंफ्यूज हो जाते हैं। इन सारी तैयारियों के अलावा कुछ जरूरी बातें हैं जिनका आपको खास ध्यान रखना चाहिए।

ऐसे करें शुरूआत

इंटरव्यू में आपके उठने-बैठने का तरीका, हाव-भाव, आपके हाथ के एक्शन आदि के अलावा आपकी बॉडी लैंग्वेज पर भी खास ध्यान दिया जाता है। इंटरव्यू के लिए जाने के दौरान सामने वाले से हाथ मिलाने के दौरान इस बात का खास ध्यान रखे कि हाथ न तो बहुत हल्के से और न बहुत तेजी से मिलाएं। यदि आपके हाथ गीले हों तो उन्हें पोछकर साफ कर लें। वहीं इंटरव्यू के दौरान सामने वाले से आई कॉन्टैक्ट बनाकर रखें। वहीं हैंडशेक करने के दौरान गर्मजोशी से मिलें। आंखें झुकाकर या कहीं और देखते हुए हैंडशेक करने की गलती न करें।

स्ट्रेट होकर बैठें

इंटरव्यू के दौरान आपको स्ट्रेट होकर बैठना चाहिए। इसके अलावा अगर आप इंटरव्यू लेने वाले के सामने क्रास लेग करके बैठते हैं तो यह आपके इंप्रेशन को खराब कर सकता है। साथ ही यह सामने वाले पर्सन पर भी बुरा प्रभाव डालता है। इसलिए इंटरव्यू के दौरान इस तरह की गलती किए जाने से बचना चाहिए। बता दें कि स्ट्रेट पोस्चर यानि की एकदम सीधे होकर बैठने से आपका सामने वाले पर डिफेंसिव इंप्रेशन जाता है। ढीला-ढाला पोस्चर आपकी खराब बॉडी लैंग्वेज को दिखाता है।

क्रॉस आर्म्स

बॉडी लैंग्वेज से जुड़ी एक क्रॉस आर्म्स होती है। इंटरव्यू देते समय हाथों को सीधे अपनी थाई पर रखकर बैठें। इस दौरान न तो हाथों को क्रॉस करें और न ही हाथ जेब में डालें। अगर आप हाथ क्रॉस करके बैठते हैं तो यह आपके एरोगेंस को दिखाता है। जिससे इंटरव्यू में खराब इंप्रेशन पड़ता है। कई लोग टेबल के ऊपर हाथ रखकर बात करते हैं। ऐसा भी करने से बचना चाहिए। बता दें कि जब तक हाथ से कोई बहुत जरूरी बात न समझानी हो, तब तक हाथों को इधर-उधर न करें। इसके अलावा बार-बार अपने हाथों को बालों पर न फिराएं।

फेस टच

कई लोगों की बार-बार अपने चेहरे, बालों या कपड़ों को टच करने की आदत होती है। यदि आप किसी इंटरव्यू के दौरान भी ऐसी हरकत करतें है, तो यह सामने वाले को आपके खराब इंप्रेशन को दिखाता है। क्योंकि ये आदतें नेगेटिव बॉडी लैंग्वेज जेस्चर में आती हैं। इसलिए इंटरव्यू के दौरान भूलकर भी ऐसी गलती नहीं करनी चाहिए। आपकी बॉडी लैंग्वेज से जुड़ी इस तरह की कई गलतियां इंटरव्यू में असफल होने का कारण भी बन सकती हैं।

बीटेक इन इलेक्ट्रिकल में बनाएं करियर

जिन छात्रों को इलेक्ट्रानिक्स और कंप्यूटर दोनों में रूचि है। वह इंजीनियरिंग में अपना करियर बना सकते हैं। इसमें आपकी रुचि के हिसाब से कई कोर्स मिल जाएंगे। हालांकि इन कोर्सों में एडमिशन लेने से पहले छात्रों को प्रवेश परीक्षा देनी होती है।

इंटरमीडिएट की पढ़ाई करने के बाद छात्रों के सामने करियर को लेकर चिंता बढ़ जाती है। वहीं जो स्टूडेंट 12वीं के बाद इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं। उनके लिए इंजीनियरिंग में ढेरों स्पेशलाइजड कोर्स है। आपको बता दें कि इंजीनियरिंग में 2 प्रकार की बैचलर डिग्री होती है। जिनमें से एक बीई, बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग और दूसरा बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी यानी बीटेक है। वहीं जिन स्टूडेंट्स को इलेक्ट्रानिक्स और कंप्यूटर दोनों में रूचि है। उनके करियर के लिए इंजीनियरिंग का ऑप्शन सबसे बेस्ट है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बीटेक इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग कोर्स के बारे में पूरी जानकारी देंगे। इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग की एक ब्रांच इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर साइंस है। जिसके जरिए कंप्यूटर के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर को विकसित करने का काम किया जाता है। इस सब्जेक्ट के जरिए दोनों विषयों को अलग-अलग किया गया है। ताकि जिस स्टूडेंट को जिस सब्जेक्ट में इंट्रेस्ट हो, वह उसमें अपना करियर बना सके। बता दें कि इस कोर्स को करने के बाद आप एक आकर्षक सैलरी पर नौकरी कर सकते हैं।

कोर्स

बीटेक इन इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बीटेक का कोर्स 4 साल का होता है। 12वीं पास स्टूडेंड संबंधित सब्जेक्ट में डिप्लोमा कर सकते हैं। हालांकि इस कोर्स में दाखिला लेने के लिए स्टूडेंट को परीक्षा देनी होती है। कोर्स को आसान बनाने के लिए इसे सेमेस्टर सिस्टम में लागू किया गया है। इस दौरान स्टूडेंट को कोर्स पढ़ाने के अलावा थ्योरी के साथ प्रैक्टिकल भी करवाया जाता है। कोर्स की पढ़ाई के दौरान उन्हें काफी कुछ सिखाया जाता है। जिससे कि छात्रों को करियर की शुरूआत में किसी तरह की दिक्कत न आए।

कॉलेज और फीस

- करुणा प्रौद्योगिकी और विज्ञान संस्थान तमिलनाडु - 7.24 लाख
- एसआरएम प्रौद्योगिकी संस्थान, तमिलनाडु - 10.1 लाख
- एसआरएम इंजीनियरिंग कॉलेज, तमिलनाडु - 10.1 लाख
- सरदार पटेल विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश - 2.02 लाख
- अमृता विश्व विद्यापीठम अमृतपुरी परिसर, केरल - 4 लाख
- रेवा विश्वविद्यालय, कर्नाटक - 9 लाख

योग्यता

- इसके लिए स्टूडेंट का 12वीं पास होना जरूरी है।
- स्टूडेंट ने साइंस स्ट्रीम से पढ़ाई की हो।
- पीसीएम के मुख्य सब्जेक्टों के बारे में जानकारी होनी चाहिए।
- स्टूडेंट के कम से कम 50 प्रतिशत नंबर होने चाहिए।
- वहीं रिजर्व कैटेगिरी के पास 45 प्रतिशत अंक योग्यता
- स्टूडेंट की उम्र 17 से 23 साल के बीच होनी चाहिए।

एडमिशन

बीटेक में इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स करने के लिए स्टूडेंट को प्रवेश परीक्षा देनी होती है। इनमें से सबसे अहम प्रवेश परीक्षा जेईई मेंस और जेईई एडवांस है। वहीं अन्य संस्थान और राज्य अपने स्तर पर भी कई तरह की प्रवेश परीक्षा करवाते हैं। इन परीक्षाओं में पास होने के बाद ही स्टूडेंट इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। एडमिशन एग्जाम के बाद सीट अलॉटमेंट के लिए काउंसलिंग और कुछ जगह इंटरव्यू का भी प्रोसेस होता है।

अन्य ऑप्शन

इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आगे की भी पढ़ाई जारी रख सकते हैं। वहीं यह कोर्स पूरा होने के बाद आप एक पेशेवर के तौर पर अच्छी सैलरी पर भी काम कर सकते हैं। बता दें कि इस कोर्स के बाद छात्र सीनियर डेवलपर, स्पलाई चेन एग्जिक्यूटिव और मैनेजर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, कंप्यूटर इंजीनियर और रिजनल मैनेजर आदि के पदों पर काम कर सकते हैं। शुरूआती दौर में इस फील्ड में आप सालाना 2 से 7 लाख रुपए महीने कमा सकते है। वहीं एक्सपीरियंस के आधार पर आपकी सैलरी भी बढ़ती जाती है।

मास कम्यूनिकेशन के जरिए पूरा किया जा सकता है मीडिया में काम करने का सपना

कई छात्र टीवी, रेडियो और प्रिंट मीडिया में काम करने का सपना देखते हैं। इस सपने को मास कम्यूनिकेशन कोर्स के जरिए पूरा किया जा सकता है। इस कोर्स को आप लखनऊ के इन कॉलेजेस से कर सकते हैं।

कई लोगों का मीडिया, टीवी और रेडियो में काम करने का सपना होता है। इस तरह की रुचि रखने वाले छात्र अक्सर मीडिया इंडस्ट्री में जुड़ने की इच्छा रखते हैं। जिसके चलते लाखों स्टूडेंट तेजी से बढ़ती मीडिया इंडस्ट्री का हिस्सा बनने के लिए मास कम्यूनिकेशन कोर्स में एडमिशन लेते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस कोर्स के बारे में पूरी जानकारी देने जा रहे हैं। 12वीं और अंडर ग्रेजुएट डिग्री करने वाले छात्र इस कोर्स को कर सकते हैं। साथ ही आपको लखनऊ के बेस्ट कॉलेज के बारे में भी बताएंगे, जहां से आप इस कोर्स में दाखिला ले सकते हैं।

प्रोफेशनल डिग्री कोर्स

मास कम्यूनिकेशन का कोर्स प्रोफेशनल डिग्री है। इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए स्टूडेंट को किसी विशेष स्ट्रीम से 12वीं पास होना जरूरी नहीं होती है। आर्ट, साइंस और कॉमर्स से पढ़े छात्र भी मास कम्यूनिकेशन का कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स को पूरा करने के बाद आप कई विभिन्न पदों पर काम करने के योग्य हो जाते हैं। एक जर्नलिस्ट के तौर पर काम कर अपने सपने को पूरा कर सकते हैं।

बैचलर कोर्स की योग्यता

मास कम्यूनिकेशन में बैचलर कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्रों का 12वीं पास होना जरूरी है। किसी भी स्ट्रीम का स्टूडेंट मास कम्यूनिकेशन का कोर्स कर सकता है। इस कोर्स में मेरिट और प्रवेश परीक्षा दोनों तरह से एडमिशन लिया जाता है। मेरिट के आधार पर एडमिशन के लिए स्टूडेंट को 12वीं में अच्छे नंबर लाने होते हैं। वहीं प्रवेश परीक्षा के जरिए स्टूडेंट्स को एग्जाम में अच्छा स्कोर करना होता है। हर संस्थान में एडमिशन के लिए अलग-अलग योग्यता होती है।

मास्टर कोर्स में प्रवेश की योग्यता

अगर आप पहले से ग्रेजुएशन पूरा कर चुके हैं तो मास मीडिया का कोर्स करने के लिए आप मास कम्यूनिकेशन में मास्टर की डिग्री कर सकते हैं। मास्टर्स कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्रों को बैचलर में न्यूनतम 50% नंबर लाने होते हैं। इसके लिए आपको प्रवेश परीक्षा देनी होती है।

सप्लाई चेन मैनेजमेंट में बनाना है कॅरियर तो....

सप्लाई चेन मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाने से पहले आपको यह जानने की आवश्यकता है कि वास्तव में यह क्या है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट में अपने स्रोत से ग्राहक तक माल और सेवाओं के फ्लो को मैनेज किया जाता है।

आज के समय में कॅरियर की अनेक राहें हमारे पास मौजूद हैं। ऐसे कई क्षेत्र हैं, जिनमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। लेकिन पर्याप्त जानकारी ना होने के कारण यंगस्टर्स इन करियर ऑप्शन को चुनते ही नहीं है। ऐसा ही एक क्षेत्र है सप्लाई चैन मैनेजमेंट। किसी भी कंपनी को सक्सेसफुली चलाने के लिए सप्लाई चैन मैनेजमेंट की बेहद आवश्यकता होती है। यही कारण है कि इस पद पर नियुक्त लोगों को काफी अच्छी सैलरी मिलती है और उनके करियर की ग्रोथ भी काफी अच्छी होती है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना करियर बनाने से पहले आपको यह जानने की आवश्यकता है कि वास्तव में यह क्या है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट में अपने स्रोत से ग्राहक तक माल और सेवाओं के फ्लो को मैनेज किया जाता है। यह तैयार हुए प्रोडक्ट को शिपिंग के लास्ट स्टेज तक को स्मूद बनाने का मैनेजमेंट है। सप्लाई चेन मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य बिना किसी समस्या के ग्राहकों तक प्रोडक्ट को पहुंचाने की प्रक्रिया को अधिक आसान बनाना है। जब इसे सही तरीके से किया जाता है, तो इससे मार्केट में बिजनेस को बढ़त हासिल करने में भी मदद मिलती है।

सप्लाई चेन मैनेजर क्या करता है?

अब सवाल यह उठता है कि एक सप्लाई चेन मैनेजर का क्या काम होता है। दरअसल, एक सप्लाई चेन मैनेजर कच्चे माल की खरीद से लेकर उत्पादन तक कंपनी की सभी सप्लाई चेन के लिए जिम्मेदार होता है। ये वे पेशेवर होते हैं जो यह सुनिश्चित करते हैं कि उत्पाद समय पर पहुंचें और बिना डैमेज कच्चे माल का भंडारण किया जाए। उन्हें तैयार किया जाए और बिना किसी समस्या के ग्राहकों तक सही समय पर व आसानी से पहुंचाया जाए। सप्लाई चेन में मैन्युफैक्चरिंग से लेकर वेयरहाउस, पैकेजिंग, डिलीवरी जैसे कई छोटे-छोटे सेक्शन्स शामिल होते हैं। इन सभी को मैनेज करने की जिम्मेदारी सप्लाई चेन मैनेजर के कंधों पर होती है।

सप्लाई चेन मैनेजमेंट में जॉब के क्या अवसर हैं?

किसी भी प्रोडक्ट को तैयार करने में कई चरण होते हैं और यह सभी एक व्यक्ति द्वारा संभव नहीं है। इसलिए हर कंपनी में सप्लाई चेन मैनेजमेंट को कंप्लीट करने के लिए कई एक्सपर्ट्स की जरूरत होती है। ऐसे में इस क्षेत्र में जॉब ऑप्शन की कमी नहीं है। आप छोटे से लेकर बड़े ब्रांड तक में बतौर लॉजिस्टिक रिसोर्स प्लानर, मेंटेनेंस मैनेजर, क्वालिटी मैनेजर, प्रोडक्शन प्लानर, वेयरहाउस मैनेजर, आदि पदों पर जॉब की तलाश कर सकते हैं। चूंकि, उत्पादन व बिक्री का बाजार कभी बंद नहीं होने वाला है, इसलिए इस क्षेत्र में आपको अपने भविष्य को लेकर चिंतित होने की कोई आवश्यकता भी नहीं है।

सप्लाई चेन मैनेजर कितना कमा सकता है?

एक सप्लाई चेन मैनेजर किसी भी कंपनी में बेहद ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। वह कच्चे माल की खरीद से लेकर प्रोडक्ट की क्वालिटी और फिर उसे अपने कस्टमर्स तक पहुंचाने में मुख्य भूमिका में होता है। एक तरह से उसकी भूमिका के कारण ही कंपनी की ग्रोथ पर गहरा असर पड़ता है। इसलिए उनकी सैलरी भी काफी अच्छी होती है। हालांकि, एक्सपीरियंस बढ़ने के साथ उनकी आमदनी भी बढ़ती जाती है। अपने करियर की शुरुआत में ही आप 40000-50000 रूपए तक आसानी से कमा सकते हैं। कुछ सालों के अनुभव के बाद सैलरी प्रतिमाह लाखों में होती है।

सप्लाई चैन मैनेजमेंट के लिए कोर्स

अगर आप सप्लाई चैन मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपको एमबीए इन लॉजिस्टिक एंड सप्लाई चैन मैनेजमेंट कोर्स करना चाहिए। इसके अलावा आप किसी अच्छे संस्थान से इससे जुड़ा कोर्स करके अपना करियर बना सकते हैं।

- स्कूल ऑफ बिजनेस, यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, देहरादून
- आईआईएसडब्ल्यूबीएम कोलकाता - इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वेलफेर एंड बिजनेस मैनेजमेंट इन कोलकाता
- डॉ. डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी (डीवाईपीयूएसएम), नवी मुंबई

फंड जुटाने की तैयारी में वोडाफोन-आइडिया, 30 मई को बैठक, 7 से भी कम शेयर की कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन–आइडिया का निदेशक मंडल 30 मई की बैठक में फंड जुटाने के विकल्पों पर विचार करेगा। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वोडाफोन आइडिया ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि इस बैठक में निदेशक मंडल कंपनी के वित्तीय नतीजों की मंजूरी पर भी विचार करेगा। घाटे में चल रही इस कंपनी ने सरकार से वित्तीय सहायता मिलने के बावजूद नकदी की कमी के कारण चालू वित्त वर्ष के बाद अपने अस्तित्व को लेकर आशंका जताई है। वोडाफोन–आइडिया ने कहा कि इस बैठक में राइट्स इश्यू, पब्लिक इश्यू या प्राइवेट अलॉटमेंट के जरिये एक या एक से अधिक चरणों में कोष जुटाने के प्रस्तावों पर विचार और उनका मूल्यांकन किया जाएगा। इसके अलावा बैठक में ऋण बॉन्ड सहित किसी अन्य स्वीकार्य तरीके से कोष जुटाने के प्रस्ताव का भी मूल्यांकन किया जाएगा। बैठक में फंड जुटाने के प्रस्ताव पर शेयरधारकों की मंजूरी लेने के लिए असाधारण आम बैठक आयोजित करने पर भी फैसला होगा। वोडाफोन–आइडिया के शेयर की बात करें तो यह 7 रुपये के नीचे है। पिछली क्लोजिंग 6.94 रुपये के मुकाबले शेयर 6.96 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। ट्रेडिंग के दौरान शेयर 7 रुपये के पार भी गया था। 9 मई 2025 को यह शेयर 6.46 रुपये पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। हाल ही में आर्थिक संकट से जूझ रही वोडाफोन आइडिया ने दूरसंचार विभाग से कहा है कि समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया पर सरकार से समय पर समर्थन न मिलने की स्थिति में वह वित्त वर्ष 2025–26 से आगे परिचालन नहीं कर पाएगी। वोडाफोन आइडिया में सबसे अधिक 49 प्रतिशत हिस्सेदारी सरकार के पास है। स्पेक्ट्रम शुल्क और एजीआर बकाया को इक्विटी हिस्सेदारी में बदले जाने से सरकार इस कंपनी में सबसे बड़ी शेयरधारक बन चुकी है।

भारत में बिजनस करने आ रहा दुनिया का सबसे ताकतवर इंसान, अंबानी से मिलाया हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैकरॉक भारत में म्युचुअल फंड बिजनस में उतरने की तैयारी में है। जियोब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को भारत में म्यूचुअल फंड बिजनस के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी की मंजूरी मिल गई है। यह कंपनी जियो फाइनेंस सर्विसेस लिमिटेड और ब्लैकरॉक कंपनी का सयुंक्त उद्यम है। उम्मीद की जा रही है कि अब जल्द ही कंपनी भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार में कदम रखेगी। सिड स्वामीनाथन को जियोब्लैकरॉक ने कंपनी का एमडी और सीईओ बनाया गया है। जेएफएसएल की गैर–कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने कहा कि ब्लैकरॉक के पास वैश्विक निवेश विशेषज्ञता है तो जियो के पास डिजिटल–फर्स्ट इनोवेशन। ब्लैकरॉक के साथ हमारी यह साझेदारी एक सशक्त साझेदारी है। साथ मिलकर हम हर भारतीय के लिए निवेश को सरल, सुलभ और समावेशी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें विश्वास है कि जियोब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट भारत में वित्तीय सशक्तीकरण के भविष्य को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ब्लैकरॉक में इंटरनेशनल हेड रेचल लॉर्ड ने कहा कि आज भारत में एसेट मैनेजमेंट एक खास मुकाम पर खड़ा है। जियोब्लैकरॉक सीधे निवेशकों को कम लागत पर संस्थागत गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करने, भारत में अधिक लोगों को पूंजी बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद करेगा। अपने साझेदार छ्व्स्न्रस्रूके साथ हम भारत को बचतकर्ताओं के देश की छवि से निकाल कर निवेशकों का देश बनाने में योगदान देने को तैयार हैं। ब्लैकरॉक में इंटरनेशनल इंडेक्स इक्विटी के पूर्व प्रमुख रहे सिड स्वामीनाथन को जियोब्लैकरॉक की जिम्मेदारी मिली है। वह 1.25 ट्रिलियन डॉलर के एसेट मैनेज कर चुके हैं। स्वामीनाथन ने कहा, मुझे जियोब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट का नेतृत्व करने और निवेशकों की निवेश क्षमता को बढ़ाकर, भारत में एसेट मैनेजमेंट को नई दिशा देने का सम्मान मिला है। जियोब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट का लक्ष्य पूरे भारत में निवेशकों को संस्थागत गुणवत्ता वाले निवेश उत्पादों प्रदान करना है। ब्लैकरॉक के सीईओ और चेयरमैन लैरी फिंक को दुनिया का सबसे ताकतवर इंसान माना जाता है।

सरकारी कंपनी बन जाएगी आईटीसी?

सबसे बड़ा शेयरहोल्डर बेच रहा हिस्सेदारी, सस्ते में मिल रहा शेयर

ITC Limited

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज एफएमसीजी कंपनी आईटीसी के शेयरहोल्डर्स के लिए जरूरी खबर है। आईटीसी की सबसे बड़ी शेयरहोल्डर ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको कंपनी में अपनी कुछ हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में है। बीएटी दुनिया भर में सिगरेट और तम्बाकू के प्रोडक्ट बनाती है। वहीं आईटीसी सिगरेट के साथ-साथ खाने-पीने का सामान भी बनाती है। बीएटी अब आईटीसी में लगभग 2.3 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 11,600 करोड़ रुपये (.1.4 बिलियन) से ज्यादा जुटाना चाहती है। पिछले साल मार्च में भी बीएटी ने आईटीसी में अपनी 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर लगभग 17,500 करोड़ रुपये (2.1 बिलियन) कमाए थे। यह भारत में अब तक की सबसे बड़ी ब्लॉक डील में से एक थी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक इस बार हिस्सेदारी बेचने के बाद आईटीसी में बीएटी की हिस्सेदारी 25.4 प्रतिशत से घटकर 23.1 प्रतिशत रह जाएगी। बीएटी का कहना है कि इस हिस्सेदारी की बिक्री से उसे ज्यादा पैसे मिलेंगे। इन पैसों का इस्तेमाल कंपनी अपने कारोबार को बदलने, कर्ज कम करने और शेयरहोल्डर्स को अच्छा रिटर्न देने के लिए करेगी। बीएटी के चीफ एग्जीक्यूटिव टेडेउ मारोको ने एक बयान में कहा कि हम आईटीसी को अपने ग्लोबल कारोबार का एक अहम हिस्सा मानते हैं। हम भारत में बिजनेस के मौकों पर आईटीसी के साथ मिलकर काम करेंगे। इसका मतलब है कि बीएटी अभी भी आईटीसी को एक महत्वपूर्ण कंपनी मानती है और भारत में उसके साथ मिलकर काम करना चाहती है।

कितने में मिल रहा है शेयर

बीएटी की सहायक कंपनी टोबैको मैन्युफैक्चरर्स (इंडिया) आईटीसी के 290 मिलियन शेयर बेच रही है। यह आईटीसी की कुल शेयरहोल्डिंग का लगभग 2.3 प्रतिशत है। यह बिक्री भारतीय शेयर बाजारों में होगी। इस डील को गोल्डमैन सैश और सिटीग्रुप मैनेज कर रही हैं। यह पूरी तरह से सेकेंडरी सेल है। इसका मतलब है कि कंपनी नए शेयर जारी नहीं कर रही है, बल्कि अपने पुराने शेयर बेच रही है।

शेयरों की कीमत 400 रुपये प्रति शेयर तय की गई है। यह आईटीसी के 27 मई के बंद भाव 433.9 रुपये से 7.8 प्रतिशत कम है। इस डील का साइज लगभग 11,613 करोड़ रुपये (लगभग .1.4 बिलियन) है। जो निवेशक ये शेयर खरीदेंगे उन्हें हाल ही में घोषित 7.9 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड नहीं मिलेगा क्योंकि स्टॉक 28 मई को एक्स-डिविडेंड हो जाएगा और ञ्ज+1 सेटलमेंट साइकिल पर काम करता है। ञ्ज+1 का मतलब है कि शेयर खरीदने के एक दिन बाद ही आपके डीमैट अकाउंट में आ जाएंगे।

सरकार की हिस्सेदारी

पहले बीएटी ने कहा था कि आईटीसी में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी रखना उसके लिए जरूरी है क्योंकि इससे उसे बोर्ड में वीटो का अधिकार मिलता है और वह कंपनी के फैसलों को प्रभावित कर सकती है। वीटो का अधिकार होने से बीएटी किसी भी फैसले को रोक सकती है। मंगलवार को बीएटी ने कहा कि इस बिक्री से मिलने वाले पैसों का इस्तेमाल 2026 के अंत तक अपने कर्ज को कम करने और शेयर बायबैक प्रोग्राम को जारी रखने के लिए किया जाएगा।

कंपनी ने 2025 में शेयर बायबैक के लिए 200 मिलियन पाउंड बढ़ाने का फैसला किया है, जिससे कुल बायबैक 1.1 बिलियन पाउंड हो जाएगा। इस साल की शुरुआत में आईटीसी के होटल कारोबार को अलग कर दिया गया था और एक नई कंपनी बनाई गई थी। इस कंपनी के शेयर आईटीसी के शेयरहोल्डर्स को दिए गए थे। बीएटी ने पहले ही होटल कारोबार से बाहर निकलने का इरादा जाहिर कर दिया है।

गिग वर्कर्स को मिलेगी पेंशन, लेकिन कंपनियों का पैसा कहां से कटेगा?

नई दिल्ली, एजेंसी। जल्द ही गिग वर्कर्स की पेंशन के लिए कंपनियों के अंशदान का नियम तय होगा। कंपनियां मान तो रही हैं कि वे हर महीने पेंशन में पैसा देंगी, लेकिन अभी ये सवाल बना हुआ है कि ये पैसा कंपनी के मुनाफे से लिया जाएगा या फिर उसके कुल कारोबार (टर्नओवर) से। दरअसल, सामाजिक सुरक्षा कानून 2020 के मुताबिक, कंपनियों को अपने सीएसआर फंड में 1.5 प्रतिशत से 2 प्रतिशत तक योगदान देना होता है। अब इसी पैसे को गिग वर्कर्स की पेंशन के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

सरकारी सूत्रों की मानें तो मंत्रालय मुनाफे के आधार पर अंशदान लेने के पक्ष में नहीं है। उन्हें डर है कि अगर कंपनियों की ऑडिट रिपोर्ट या बैलेंस शीट देखकर पैसा तय किया गया, तो ये व्यवस्था ठीक से काम नहीं करेगी। इसलिए ज्यादा चांस है कि अंशदान कंपनी के टर्नओवर के हिसाब से तय होगा। जैसे ही ये नियम फाइनल होगा, प्रस्ताव कैबिनेट के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। उसके बाद ही पेंशन योजना शुरू हो पाएगी।

गिग वर्कर्स की हालत पर चौंकाने वाले आंकड़े : नीति आयोग की रिपोर्ट कहती है कि 2020-21 में भारत में लगभग 77 लाख गिग वर्कर्स थे। 2030 तक ये संख्या बढ़कर 2.35 करोड़ (यानी ढाई करोड़) होने का अनुमान है। इनमें से 85 प्रतिशत वर्कर्स की उम्र 30 से 50 साल के बीच है।

पहले के मुकाबले अब गिग वर्कर्स की महीने की कमाई घटी है। लोन, वाहन की मरम्मत और पेट्रोल-डीजल के खर्चे काटने के बाद उनकी औसत आय 15,000 से 20,000 रुपये रह गई है।

एलआईसी ने बंपर मुनाफे के बाद किया तोहफे का ऐलान, हर शेयर पर 12 रुपये का डिविडेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी एलआईसी ने वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी का शुद्ध लाभ 38 फीसदी बढ़कर 19,013 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, इस दौरान कंपनी की कुल आय में थोड़ी गिरावट आई है। एलआईसी ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी है। कंपनी ने पिछले पूरे वित्त वर्ष में भी अच्छा प्रदर्शन किया और कुल लाभ 18 फीसदी बढ़ा है। कंपनी ने अपने शेयरधारकों के लिए 12 रुपये प्रति शेयर के लाभांश की भी घोषणा की है।

एलआईसी ने मंगलवार को शेयर बाजारों को बताया कि मार्च तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 19,013 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल इसी तिमाही में यह आंकड़ा 13,763 करोड़ रुपये था। इस तरह कंपनी के लाभ में 38 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

हालांकि, समीक्षाधीन तिमाही में एलआईसी की कुल आय में थोड़ी कमी आई है। यह 2,41,625 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 2,50,923 करोड़ रुपये थी। इसका मतलब है कि कंपनी की आय में थोड़ी गिरावट आई है।

कंपनी की नई पॉलिसी के प्रीमियम से होने वाली आय में भी कमी आई है। यह मार्च 2025 तिमाही में 11,069 करोड़ रुपये रही,

जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 13,810 करोड़ रुपये थी। इसका मतलब है कि नई पॉलिसी से कंपनी की कमाई कम हुई है।

लेकिन, पॉलिसी के नवीनीकरण प्रीमियम से कंपनी की आय बढ़ी है। यह जनवरी-मार्च 2024 में 77,368 करोड़ रुपये थी, जो बढ़कर 79,138 करोड़ रुपये हो गई है। इसका मतलब है कि पुरानी पॉलिसी को रिन्यू कराने से कंपनी को ज्यादा फायदा हुआ है।

पूरे साल में प्रॉफिट 18 प्रतिशत बढ़ा : पूरे वित्त वर्ष 2024-25 की बात करें तो एलआईसी का लाभ 18 फीसदी बढ़कर 48,151 करोड़ रुपये हो गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 40,676 करोड़ रुपये था। इस तरह कंपनी ने पूरे साल में अच्छा मुनाफा कमाया है।

पिछले वित्त वर्ष के दौरान एलआईसी की कुल आय भी बढ़ी है। यह 8,84,148 करोड़ रुपये हो गई है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 8,53,707 करोड़ रुपये थी। इसका मतलब है कि कंपनी की कुल कमाई में भी इजाफा हुआ है।

एलआईसी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 12 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम डिविडेंड की सिफारिश की है। यह डिविडेंड शेयरधारकों की मंजूरी के बाद दिया जाएगा। कंपनी ने कहा है, एलआईसी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 12 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की, जो आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है।

कुल मिलाकर, एलआईसी ने वित्त वर्ष 2024-25 में अच्छा प्रदर्शन किया है। कंपनी का लाभ बढ़ा है, लेकिन आय में थोड़ी गिरावट आई है। कंपनी ने अपने शेयरधारकों को लाभांश देने का भी फैसला किया है।

लक्जरी कार छोड़ मेट्रो में सवार हुई बेंगलुरु की अरबपति, सोशल मीडिया पर हुई वायरल

नई दिल्ली, एजेंसी। बेंगलुरु की मशहूर अरबपति और बायोकॉन लिमिटेड की संस्थापक किरण माजूमदार-शॉ ने इस हफ्ते मंगलवार को अपनी शानदार गाड़ियों को अलविदा कहकर शहर की नम्मा मेट्रो से सफर किया। उन्होंने बेंगलुरु के खराब ट्रैफिक से बचने के लिए पर्पल लाइन मेट्रो का विकल्प चुना।

किरण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर अपने अनुभव शेयर करते हुए लिखा, मैंने व्हाइटफील्ड से विधानसभा तक पर्पल लाइन से सफर किया। यह ट्रैफिक से बचने का बेहद आसान और तेज तरीका है। बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को धन्यवाद। उनके साथ एग्जॉन मोबिल की ऑयरन लेडी कही जाने वाली उनकी दोस्त जेनिफर एरिक भी थीं। जेनिफर, जो एग्जॉन मोबिल के बेंगलुरु टेक्नोलॉजी सेंटर में जियोसाइंस मैनेजर हैं, ने किरण को पहली बार मेट्रो से सफर करने में मदद की।

पोस्ट पर क्या आया रिएक्शन: जेनिफर ने भी किरण के पोस्ट पर जवाब देते हुए कहा, आपको मेट्रो का साथी बनकर खुशी हुई। मेरे ऑफिस आने के लिए शुक्रिया। किरण के इस साधारण और समझदारी भरे कदम को सोशल मीडिया पर

खूब सराहा गया। एक यूजर ने लिखा, बड़े लोगों का ऐसा करना और बताना जरूरी है, तभी जनता पब्लिक ट्रांसपोर्ट अपनाएगी। वहीं दूसरे ने कहा, जब अमीर और प्रभावशाली लोग मेट्रो-बस जैसे साधनों को चुनेंगे, तो सरकार भी इनमें निवेश करेगी। इससे ट्रैफिक और प्रदूषण की समस्या कम होगी।

अरबपतियों का ट्रेंड : किरण पहली अरबपति नहीं हैं जिन्होंने पब्लिक ट्रांसपोर्ट चुना। 2023 में मुंबई के बिल्डर निरंजन हीरानंदानी भी ट्रैफिक से बचने के लिए लोकल ट्रेन से सफर कर चुके हैं। इस तरह, किरण का यह कदम न केवल ट्रैफिक की मार झेल रहे बेंगलुरुवासियों के लिए एक संदेश है, बल्कि यह दिखाता है कि साधारण साधन भी जीवन को आसान बना सकते हैं।

अंबानी-अडानी के शेयरों पर भारी पड़ रही बिटकॉइन, एक साल में दिया धांसू रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। कई क्रिप्टोकरेंसी इस समय निवेशकों को काफी अच्छा रिटर्न दे रही हैं। इन्हीं में बिटकॉइन भी शामिल है। बिटकॉइन दुनिया की सबसे महंगी क्रिप्टोकरेंसी है। एक बिटकॉइन की कीमत अभी करीब 1.10 लाख डॉलर (करीब 94 लाख रुपये) है। पिछले एक साल में इसने रिटर्न के मामले में अंबानी और अडानी स्टॉक्स को भी पीछे छोड़ दिया है। यानी अंबानी और अडानी की कंपनियों के शेयर से ज्यादा कमाई बिटकॉइन ने कराई।

बिटकॉइन ने कितनी कराई कमाई?

इस समय बिटकॉइन की कीमत एक लाख डॉलर से ज्यादा है। पिछले एक महीने में बिटकॉइन ने 16 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। बात अगर एक साल के रिटर्न की करें तो इसने निवेशकों की झोली भर दी है। एक साल में इसका रिटर्न 60 फीसदी से ज्यादा रहा है। अगर आपने एक साल पहले बिटकॉइन में एक लाख रुपये निवेश किए होते तो आपको 60 हजार रुपये का फायदा हो चुका होता।

रिलायंस का कितना रिटर्न?

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का रिटर्न बिटकॉइन से काफी पीछे है। मंगलवार को इसमें गिरावट आई। पिछले एक महीने में इसमें करीब 4 फीसदी की तेजी आई है। हालांकि एक साल में इसने निवेशकों का नुकसान किया है। एक साल में इसका रिटर्न नेगेटिव करीब 3 फीसदी रहा है। यानी 100 रुपये के निवेश पर करीब 3 रुपये का नुकसान दिया है।

अडानी स्टॉक्स की क्या स्थिति?

अडानी इंटरप्राइजेज को अडानी ग्रुप की दुधारू गाय कहा जाता है। एक महीने में इसने 7 फीसदी रिटर्न दिया है। वहीं एक साल इसका रिटर्न नेगेटिव 23 फीसदी रहा है। इसी प्रकार अडानी पावर का भी एक साल का रिटर्न नेगेटिव रहा है। अडानी ग्रीन ने भी एक साल में निवेशकों को जबरदस्त नुकसान किया है। अडानी पोर्ट और अडानी टोटल गैस का भी एक साल का रिटर्न नेगेटिव में रहा है।

उम्र की सीमा तोड़ सिर्फ 20,000 रुपये से शुरू किया ये काम, अब बरस रहा पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश के जबलपुर की रहने वाली निरुपमा सिंह शर्मा और अंजना भामरा ने कमाल कर दिया है। इन दोनों ने 10 साल पहले द सैफ्रॉन सागा नाम का फैशन ब्रांड शुरू किया। उन्होंने सिर्फ 20,000 रुपये की पूंजी से इसकी शुरुआत की थी। दोनों ने 40 की उम्र के बाद बिजनेस की दुनिया में कदम रखे थे। उनका मकसद कुछ खास बनाना था। अंजना होटल, सैलून और बुटीक चलाती थीं। उनकी साथी मार्केटिंग और कम्युनिकेशन में माहिर थीं। दोनों ने मिलकर द सैफ्रन सागा शुरू किया। इसे अपनी नैतिक प्रथाओं, पर्यावरण अनुकूल सामग्री और समावेशी डिजाइनों के लिए जाना

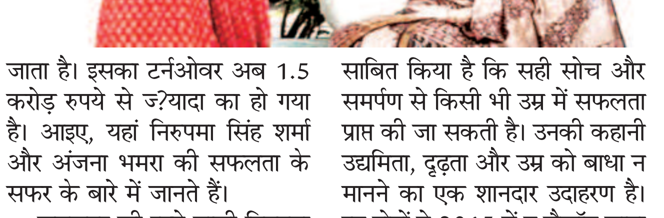

जाता है। इसका टर्नओवर अब 1.5 करोड़ रुपये से ज्?यादा का हो गया है। आइए, यहां निरुपमा सिंह शर्मा और अंजना भमरा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

जबलपुर की रहने वाली निरुपमा सिंह शर्मा और अंजना भामरा ने साबित किया है कि सही सोच और समर्पण से किसी भी उम्र में सफलता प्राप्त की जा सकती है। उनकी कहानी उद्यमिता, दृढ़ता और उम्र को बाधा न मानने का एक शानदार उदाहरण है। इन दोनों ने 2015 में द सैफ्रॉन सागा की शुरुआत की। बहुत कम पूंजी लगाकर उन्होंने कारोबार में एंट्री की थी। तब तक वे 40 की उम्र के पड़ाव को पार कर चुकी थीं। द सैफ्रॉन सागा एक ऐसा ब्रांड है जो कारीगर-अनुकूल है और मेक इन इंडिया की भावना के साथ स्वदेशी शिल्प कौशल को बढ़ावा देता है।

द सैफ्रॉन सागा शुरू करने से पहले अंजना का होटल, सैलून और बुटीक का काम था। उन्हें सुंदरता और कला की अच्छी समझ थी। वहीं, निरुपमा का बैकग्राउंड मार्केटिंग और कम्युनिकेशन का था। इस जोड़ी ने मिलकर फैशन ब्रांड शुरू करने का फैसला किया। लेकिन, यह सफर आसान नहीं था। उन्हें बैंक से लोन लेने में दिक्कत हुई। कई रातें बिना सोए गुजारनी पड़ीं। कई महीने तक कोई कमाई नहीं हुई। लेकिन, उन्होंने हार नहीं मानी। उनकी हिम्मत से एक शानदार ब्रांड बना।

ग्रामीण कारीगरों को मिलता है रोजगार : द सैफ्रन सागा पर्यावरण का ध्यान रखता है। ब्रांड इको-फ्रेंडली चीजें इस्तेमाल करता है। स?थानीय कारीगरों से काम लिया जाता है। अंजना और निरुपमा का मानना है कि फैशन में नैतिकता होनी चाहिए। वे हर महिला को साथ लेकर चलती हैं। उनका ब्रांड हर उम्र, आकार और पहचान वाली महिलाओं के लिए डिजाइन करता है। यह ब्रांड ग्रामीण कारीगरों को रोजगार देकर और टिकाऊ फैशन प्रथाओं को बढ़ावा देकर समाज को वापस देने पर भी केंद्रित है।

2024-25 में एफडीआई प्रवाह 13 प्रतिशत बढ़कर 50 अरब डॉलर पर पहुंचा, जनवरी-मार्च तिमाही में 24.5 प्रतिशत की आई गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में सालाना आधार पर 24.5 प्रतिशत घटकर 9.34 अरब डॉलर रह गया। वहीं, पूरे पिछले वित्त वर्ष के दौरान यह 13 प्रतिशत बढ़कर 50 अरब डॉलर पर पहुंच गया। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों में इसकी पुष्टि हुई।

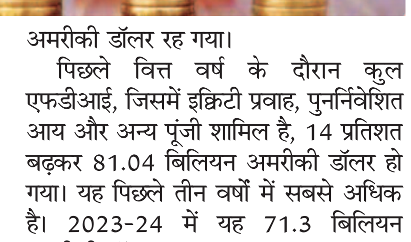

जनवरी से मार्च 2023-24 के दौरान एफडीआई प्रवाह 12.38 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा। पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में यह 44.42 बिलियन डॉलर था। 2024-25 की अक्तूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण एफडीआई प्रवाह सालाना आधार पर 5.6 प्रतिशत घटकर 10.9 बिलियन अमरीकी डॉलर रह गया।

पिछले वित्त वर्ष के दौरान कुल एफडीआई, जिसमें इक्विटी प्रवाह, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी शामिल है, 14 प्रतिशत बढ़कर 81.04 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। यह पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक है। 2023-24 में यह 71.3 बिलियन अमरीकी डॉलर था।

वैभव सूर्यवंशी ने दुनिया के 58 बल्लेबाजों के बीच मारी बाजी, बने नंबर 1

नई दिल्ली, एजेंसी। भइया अब तो कहना ही पड़ेगा, वैभव सूर्यवंशी जैसा कोई नहीं. अब जिस नन्हें खिलाड़ी ने दुनिया के 58 बल्लेबाजों के बीच बाजी मारी हो, उसके बारे में ऐसा नहीं कहेंगे तो और क्या कहेंगे? 58 बल्लेबाजों के बीच अपने दबदबे की कहानी लिख 14 साल के वैभव सूर्यवंशी नंबर 1 भी बन गए हैं. अब आप सोच रहे हैं कि वैभव सूर्यवंशी ने कारनामा किया कहां? और कब किया? तो इन सवालों का जवाब आईपीएल से ही जुड़ा है.

इन 58 बल्लेबाजों के बीच वैभव सूर्यवंशी छाए- सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि वो 58 बल्लेबाज हैं कौन, जिनके बीच वैभव सूर्यवंशी ने अपने नाम का डंका पीटा है. वो सभी बल्लेबाज आईपीएल में धूम मचा चुके हैं. दरअसल, ये उन बल्लेबाजों की संख्या है, जिन्होंने अभी तक आईपीएल में शतक जड़ा है. और, वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में शतक लगाने वाले उन सारे बल्लेबाजों के बीच नंबर वन पर हैं.

इस मामले में नंबर 1 बने वैभव सूर्यवंशी- अब वैभव सूर्यवंशी नंबर वन तो हैं मगर किस मामले में? क्योंकि, ना ही उनका शतक सबसे तेज है और ना ही उनका बनाया स्कोर सबसे बड़ा. वैभव सूर्यवंशी जिस मामले में 58 बल्लेबाजों के बीच बाजी मारने में कामयाब रहे हैं, वो है उनकी सेंचुरी में मौजूद बाउंड्री पर्सेन्टेज. 14 साल के बाएं हाथ के बल्लेबाज ने आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ 35 गेंदों में शतक जड़ दिया था. वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 38 गेंदों पर 265.78 की स्ट्राइक रेट से 101 रन बनाए थे, जिसमें 7 चौके और 11 छक्के शामिल रहे थे. मतलब उन्होंने अपनी सेंचरी में 94 रन सिर्फ बाउंड्री से बनाए थे.

वैभव सूर्यवंशी ने यशस्वी जायसवाल का रिकॉर्ड तोड़ा

अब अगर बाउंड्री पर्सेन्टेज निकालें तो वैभव सूर्यवंशी ने 93 प्रतिशत रन अपनी सेंचुरी के दौरान सिर्फ चौके-छक्के लगाकर बनाए थे, जो कि एक रिकॉर्ड है. वैभव सूर्यवंशी ने इस मामले में अपने ही टीममेट और ओपनिंग पार्टनर यशस्वी जायसवाल के रिकॉर्ड को तोड़ा है. यशस्वी जायसवाल ने जब आईपीएल 2023 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ शतक जड़ा था तो उसमें 90 प्रतिशत रन बाउंड्री से बनाए थे.

सनथ जयसूर्या नंबर 3, गिलक्रिस्ट चौथे नंबर पर

वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के बाद तीसरे नंबर पर श्रीलंका के पूर्व ओपनर सनथ जयसूर्या हैं. उन्होंने आईपीएल 2008 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जमाए अपने शतक में 89 प्रतिशत रन बाउंड्री से बनाए थे. जबकि उसी आईपीएल सीजन में एडम गिलक्रिस्ट ने जब मुंबई इंडियंस के खिलाफ शतक लगाया था तो उसमें 88 प्रतिशत रन बाउंड्री से मारे थे.

जितेश की पारी IPL के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है: टॉम मूडी

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी टॉम मूडी ने कहा कि मंगलवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ जितेश शर्मा की असाधारण पारी इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है।

कार्यवाहक कप्तान जितेश ने 33 गेंदों पर नाबाद 85 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल के पहले क्वालीफायर में पहुंचा दिया। जब विराट कोहली का विकेट गिरने के बाद जितेश क्रीज पर आए, तब आरसीबी को 228 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 52 गेंदों पर 105 रन की जरूरत थी। जितेश ने इससे पहले वर्तमान सत्र में कोई अर्धशतक नहीं लगाया था लेकिन उन्होंने महत्वपूर्ण मौके पर आकर्षक पारी खेली। मूडी ने कहा, 'मेरे लिए यह पारी आईपीएल के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है। हमने युवा और अनुभवी खिलाड़ियों की कुछ बेहतरीन पारियां देखी हैं, लेकिन यह पारी वाकई उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा, 'परिस्थितियां पूरी तरह से प्रतिकूल थी लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया और मैच का पासा पलट दिया। उन्होंने पूरी चतुराई से बल्लेबाजी की। वह जिस तरह से खेल रहे थे उसे देखकर लग रहा था कि वह इससे पहले भी कई बार ऐसा कर चुके हैं।

भारत ने अर्जेंटीना को पेनल्टी शूटआउट में हराया

रोसारियो (अर्जेंटीना), एजेंसी। गोलकीपर और कप्तान निधि ने लगातार चार गोल बचाए जिससे भारत ने चार देशों के जूनियर महिला हॉकी टूर्नामेंट में मेजबान अर्जेंटीना को मैच 1-1 से बराबर छूटने के बाद पेनल्टी शूटआउट में 2-0 से हराया। कनिका (44वें मिनट) ने निर्धारित समय

में भारत के लिए एकमात्र गोल किया, जबकि लालरिनपुई और लालथंतलुआंगी ने शूटआउट में गोल करके टूर्नामेंट के अपने तीसरे मैच में भारत को जीत दिलाई। अर्जेंटीना ने अच्छी शुरुआत की। मिलग्रोस डेल वैले (10वें मिनट) ने घरेलू टीम को पहले क्वार्टर में बढ़त दिलाई जबकि भारत ने तीसरे क्वार्टर में कनिका के गोल से स्कोर बराबर किया। भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को चिली से होगा।

भारत के खिलाफ श्रृंखला में होगी क्रॉली और पोप की असली परीक्षा:ज्योफ्री बॉयकॉट

लंदन, एजेंसी। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज ज्योफ्री बॉयकॉट इस बात से सहमत नहीं हैं कि जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक बनाने के बावजूद इंग्लैंड के जैक क्रॉली और ओली पोप अपनी 'तकनीकी और मानसिक समस्याओं से उबर चुके हैं और उनका मानना है कि उन्हें असली चुनौती अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में मिलेगी। क्रॉली के लिए पिछले कुछ महीने काफी कठिन रहे हैं। न्यूजीलैंड में वे संघर्ष करते रहे, जहां उनका औसत 9 से कम रहा और वे सभी छह पारियों में मैट हेनरी के हाथों आउट हुए। पोप के लिए भी 2024 उतार-चढ़ाव भरा रहा। हैदराबाद में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में 196 रन की शानदार पारी खेलने के बाद उनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा।

बॉयकॉट ने डेली टेलीग्राफ में अपने कॉलम में लिखा, 'हम अभी इस नतीजे पर नहीं पहुंच सकते हैं कि क्रॉली और पोप ने अपनी तकनीकी और मानसिक समस्याओं को सुलझा लिया है, जो उनके करियर को प्रभावित कर रही थीं, क्योंकि जिम्बाब्वे की गेंदबाजी बहुत औसत दर्जे की थी। इंग्लैंड के शीर्ष तीन बल्लेबाजों क्रॉली, बेन डकेट और पोप ने शतक लगाए, जिससे मेजबान टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अपनी पारी छह विकेट पर 565 रन बनाकर समाप्त घोषित की। इंग्लैंड ने यह एकमात्र टेस्ट मैच पारी और 45 रन से जीता था। बॉयकॉट ने कहा, 'वे मध्यम गति के गेंदबाज थे, जो क्रॉली और पोप की बल्लेबाजी में किसी भी तरह की खामी को उजागर करने के लिए पर्याप्त अच्छे नहीं थे। हमें भारत के खिलाफ श्रृंखला तक इंतजार करना होगा, ताकि यह देखा जा सके कि बेहतर गेंदबाजों के खिलाफ वास्तव में कोई सुधार हुआ है या नहीं। यह उनके लिए असली परीक्षा होगी और इससे हम बेहतर आकलन कर सकते हैं कि वह अभी किस स्थिति में हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला का पहला मैच 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। इंग्लैंड को इसके बाद एशेज श्रृंखला खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है जिसका पहला मैच 21 नवंबर को शुरू होगा।

शतक ठोकने बाद ऋषभ पंत को बड़ा नुकसान, IPL ने ठोका 30 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 70वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हरा दिया। लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने बेहतरीन शतक जड़ा, लेकिन टीम 228 का टारगेट डिफेंड नहीं कर पाई। शतक पर पानी फिरने के बाद पंत पर भारी जुर्माना लगा। स्लो ओवर रेट के कारण 30 लाख रुपये का जुर्माना ठोका गया। आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स ने तीसरी बार स्लो ओवर रेट से गेंदबाजी की। ऐसे में आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के तहत कप्तान पंत पर 30 लाख का जुर्माना और इंपैक्ट प्लेयर समेत प्लेइंग 11 के हिस्सा खिलाड़ियों पर 12-12 लाख रुपये या मैच फीस के 12 प्रतिशत का जुर्माना लगा।

पंत का बेहतरीन शतक- मुंबई इंडियंस के खिलाफ एलिमिनेटर खेलने से बचने के लिए बेंगलुरु को जीत की जरूरत थी और उसने 230-4 का स्कोर बनाकर रिकॉर्ड चेज किया। पंत ने सीजन की अपनी पहली बड़ी पारी में 61 गेंदों पर आठ छक्कों और 11 चौकों की मदद से नाबाद 118 रन बनाए, जिससे लखनऊ ने 227-3 का मजबूत स्कोर बनाया।

मार्श के साथ 152 रन की साझेदारी

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे पंत ने तीसरे ओवर में नुवान तुषारा द्वारा मैथ्यू ब्रीट्ज़के (14) को क्लीन बोल्ड किए जाने के बाद अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। पंत ने तेजी से रन बनाए और 29 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। मिचेल मार्श (67) ने इस सीजन में अपना छठा 50 से अधिक का स्कोर 31 गेंदों पर बनाया और पंत के साथ 78 गेंदों पर 152 रनों की मजबूत साझेदारी की।

जीतेश-कोहली का बेहतरीन अर्धशतक- आरसीबी ने जीतेश शर्मा की 33 गेंद पर 85 और विराट कोहली की 30 गेंद 54 रन की पारी के दम पर अबतक का अपना सबसे बड़ा स्कोर चेज किया।

गुकेश की नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में लगातार दूसरी हार-दूसरे राउंड में अर्जुन ने हराया

अगले दौर में हिकारू से भिड़ेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा वर्ल्ड चेस चैंपियन डी गुकेश की नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट 2025 में शुरुआत बेहद खराब रही। उन्हें शुरुआती दोनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। मंगलवार को खेले गए दूसरे राउंड में उन्हें हमवतन अर्जुन एरिगैसी ने हराया। इस हार के बाद गुकेश स्टैंडिंग में सबसे निचले छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। इससे पहले, उन्हें पहले राउंड में पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन और मौजूदा वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

तीसरे राउंड में हिकारू से भिड़ेंगे गुकेश इस जीत से अर्जुन दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। टॉप पर अमेरिका के हिकारू नाकामुरा हैं। एक अन्य मुकाबले में हिकारू ने मैग्नस कार्लसन को हरा दिया। तीसरे राउंड में गुकेश का सामना हिकारू से होगा।

कौन हैं डी गुकेश? गुकेश डी का पूरा नाम डोम्माराजू गुकेश है। वह चेन्नई के रहने वाले हैं। गुकेश का जन्म चेन्नई में 7 मई 2006 को हुआ था। उन्होंने 7 साल की उम्र में ही शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उन्हें शुरू में भास्कर नागैया ने कोचिंग दी थी। नागैया इंटरनेशनल चेस खिलाड़ी रहे हैं और चेन्नई में चेस के होम ट्यूटर हैं। इसके बाद विश्वनाथन आनंद ने गुकेश को खेल की जानकारी देने के साथ कोचिंग दी। गुकेश के पिता डॉक्टर हैं और मां पेशे से माइक्रोबायोलॉजिस्ट हैं।

गुकेश मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन गुकेश ने दिसंबर में सिंगापुर में खेले गए वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में चीन के डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से फाइनल में हराकर खिताब जीता था। 18 साल की उम्र में वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप जीतने वाले गुकेश दुनिया के पहले प्लेयर हैं। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कैस्परोव ने 22 साल की उम्र में यह खिताब जीता था। गुकेश ने चीनी खिलाड़ी को 14वें गेम में हराकर यह टाइटल जीता था।

पंत की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं था: जहीर खान

लखनऊ, एजेंसी। ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र में भले ही अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटोर (मार्गदर्शक) जहीर खान ने कहा है कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं रहा। मेगा नीलामी में 27 करोड़ रुपए की भारी भरकम कीमत पर खरीदे गए पंत ने 13 पारियों में सिर्फ 269 रन बनाए।

उन्होंने टीम के सत्र के आखिरी मैच में 61 गेंदों पर 118 रन बनाए लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार का सामना करना पड़ा। जहीर ने मैच के बाद कहा, 'उन्होंने कप्तान के रूप में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। यह पूरे सत्र में हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा। बल्ले से उनका प्रदर्शन निश्चित रूप से उनके लिए सीखने वाला अनुभव रहा, क्योंकि इस तरह का सत्र उनके लिए काफी महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, 'लेकिन उनकी योग्यता और क्षमता पर

किसी को कोई संदेह नहीं था। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि इस आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज को शानदार प्रदर्शन करते हुए सत्र का अंत करते देखना अच्छा लगा। जहीर ने कहा, 'हमें खुशी है कि उन्होंने बहुत अच्छे प्रदर्शन के साथ सत्र का समापन किया। उनकी क्षमता ऐसी है और वे खेल पर बहुत प्रभाव डाल सकते हैं।

लखनऊ के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा तथा वह छह जीत और आठ हार के साथ सातवें स्थान पर रहा। प्रमुख गेंदबाजों की चोटों के कारण उसकी लय और निरंतरता बाधित हुई। जहीर ने कहा, 'जब आप आईपीएल सत्र की शुरुआत करते हैं, तो आपका पहला लक्ष्य प्लेऑफ के बारे में सोचना होता है, कि आप वहां कैसे पहुंचेंगे। हमारे कुछ मुख्य गेंदबाज चोटिल होने के कारण बाहर हो गए थे और हमने इन चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी तरफ से अच्छे प्रयास किये। हमारे बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया और यह हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा।

रेसलिंग की जगह ये काम करना चाहते थे जॉन सीना

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई को जॉन सीना जैसा गोट (ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम) शायद कभी नहीं मिलता। एक समय ऐसा था जब जॉन सीना रेसलिंग में आने ही नहीं वाले थे। डब्ल्यूडब्ल्यूई में कई बड़े सितारे हुए हैं जिन्होंने अलग-अलग दौर में अपना नाम बनाया है। जॉन सीना भी उनमें से एक हैं। अनसीन 17 प्रोफेशनल रेसलिंग में बहुत बड़ा नाम है और डब्ल्यूडब्ल्यूई का चेहरा भी रहे हैं। लेकिन, अगर जॉन सीना ने कोई और रास्ता चुना होता तो

कंपनी को ऐसा तह्रञ्ज कभी नहीं मिल पाता। दरअसल, जॉन सीना एक समय मरीन कॉर्प्स में भर्ती होना चाहते थे। उसी समय उन्हें कुश्ती का भी ऑफर मिला।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में सीना का योगदान काफी अहम

जॉन सीना की कहानी प्रेरणादायक है। यह हमें सिखाती है कि हमें अपने सपनों को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। हमें हमेशा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। डब्ल्यूडब्ल्यूई में जॉन सीना का योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाया है। वे डब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं।

जॉन सीना ने कैसे चुनी रेसलिंग

जॉन सीना ने स्टेफनी मैकमैहन के नए शो स्टेफनी प्लेसेस पर अपने संघर्ष के दिनों की एक कहानी बताई। उन्होंने बताया कि शारीरिक गतिविधियों में रुचि होने के बाद वे मरीन कॉर्प्स में जाना चाहते थे। उन्हें लगता था कि यह उनके लिए सही रहेगा। जॉन सीना ने मरीन में भर्ती होने का फैसला कर लिया था। लेकिन, उसी हफ्ते उनके एक दोस्त ने उन्हें ऑरेंज काउंटी में एक ट्रेनिंग सेशन के लिए बुलाया। द फेस दैट रन्स द प्लेस ने वहां जाने का फैसला किया। रिंग देखकर उन्हें रेसलिंग से प्यार हो गया। फिर उन्होंने हफ्ते में एक नौकरी करने और वीकेंड पर रेसलिंग करने का फैसला किया। अगर जॉन सीना उस वीकेंड मरीन में भर्ती होने चले जाते, तो डब्ल्यूडब्ल्यूई को उनका एक बड़ा नाम कभी नहीं मिलता। रेसलिंग की दुनिया भी बहुत अलग होती। लेकिन, सीना ने उस ट्रेनिंग सेशन में जाने का फैसला किया और डब्ल्यूडब्ल्यूई में शामिल हो गए। 25 साल बाद, उन्हें गोट के रूप में जाना जाता है। वे 17 बार डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन रह चुके हैं।

जोकोविच ने मैकडोनाल्ड के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज की

पेरिस, एजेंसी। नोवाक जोकोविच ने मंगलवार को अपने 2025 रौलां गैरो अभियान की शुरुआत अपने ट्रेडमार्क अंदाज में की, उन्होंने कोर्ट फिलिप-चैटियर पर पहले दौर में आत्मविश्वास और संयम के साथ प्रदर्शन करते हुए अमेरिकी मैकेंजी मैकडोनाल्ड को 6-3, 6-3, 6-3 से हराया। यह जीत जोकोविच द्वारा जिनेवा ओपन में अपना 100वां टूर-लेवल खिताब जीतने के ठीक तीन दिन बाद मिली। मैकडोनाल्ड के खिलाफ अपना पहला एटीपी हेड2हेड मैच खेलते हुए, जोकोविच एक घंटे, 58 मिनट के मुकाबले में पूरे नियंत्रण में थे। मैच की शुरुआत में हवा की स्थिति ने कुछ अप्रत्याशितता पैदा की, लेकिन बारिश के कारण दूसरे सेट के बीच में छत बंद हो गई। तब तक, सर्बियाई खिलाड़ी ने

पहले ही गति पकड़ ली थी, उन्होंने शुरुआती सेट में 2-2 से सात में से छह गेम जीत लिए थे। इस जीत ने रौलां गैरो के पहले दौर के मैचों में जोकोविच के शानदार रिकॉर्ड को 20-0 तक पहुंचा दिया है। 2010 के बाद से उन्होंने क्ले-कोर्ट मेजर में ओपनर में एक भी सेट नहीं गंवाया है, जब उन्होंने चार सेटों में एवगेनी कोरोलेव को हराया था। जोकोविच ने कोर्ट पर दिए अपने इंटरव्यू में फ्रेंच में कहा, ÷मैं इस बेहद खास और खूबसूरत कोर्ट पर हर पल का लुत्फ उठाने की कोशिश करता हूं।मैं यहां अच्छा महसूस कर रहा हूँ, जाहिर है, और भी ज्यादा क्योंकि मैं पिछले साल के ओलंपिक की यादों को फिर से जी रहा हूं, पिछली बार जब मैंने इस कोर्ट पर खेला था। वे खूबसूरत भावनाएं हैं।

हाउसफुल 5 के इवेंट में फीस के सवाल पर भड़के अक्षय, बोले-

तुझे क्यों बताऊं? रेड डालेगा क्या?

अक्षय कुमार की फिल्म हाउसफुल 5 का ट्रेलर जारी हो गया है। सोशल मीडिया पर फिल्म के ट्रेलर को खूब सराहा गया है। हाउसफुल 5 के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अक्षय कुमार से एक व्यक्ति ने पूछा कि उन्होंने कितनी फीस ली। इस पर अक्षय कुमार भड़क गए। हालांकि उनके जवाब को लोगों ने मजाकिया अंदाज में लिया और सब हंस दिए।

अक्षय कुमार ने दिया मजेदार जवाब

हाउसफुल 5 के ट्रेलर लॉन्च इवेंट का एक वीडियो इंटरनेट पर सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि अक्षय कुमार से किसी ने पूछा हाउसफुल 5 के लिए उन्होंने कितना चार्ज किया? इस पर उन्होंने जवाब दिया अगर मैंने पैसे लिए होंगे तो मैं तुझे क्यों बताऊंगा? तू हमारा भतीजा लगता है? मैंने पैसे लिए, अच्छे खासे लिए। फिल्म बनी, बहुत अच्छे खासे बजट में बनी। बहुत मजा आया। आज खुशी का दिन है तूने मेरे यहां रेड डालना है? अक्षय के इस जवाब ने लोगों को हंसा दिया।

हाउसफुल 5 के बारे में

ख्याल रहे कि हाउसफुल 5 का निर्देशन तरुण मनसुखानी कर रहे हैं। फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला, वर्दा नाडियाडवाला और फिरुजी खान हैं। हाउसफुल 5 कॉमेडी फ्रैंचाइजी हाउसफुल की पांचवीं किस्त है। इस फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और अभिषेक बच्चन हैं। ये लोग हाउसफुल 3 के बाद फिर से साथ काम कर रहे हैं।

फिल्म में हैं ये कलाकार

इस फिल्म में संजय दत्त, फरदीन खान, श्रेयस तलपड़े, नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, डिनो मोरिया, जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, चित्रांगदा सिंह, सोनम बाजवा, सौंदर्या शर्मा, चंकी पांडे, निकितिन धीर और जॉनी लीवर भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। हाउसफुल 5 अगले महीने यानी 6 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

मृणाल और अदिवी शेष की डकैत का टीजर रिलीज

● प्यार और धोखे की कहानी में लगेगा एक्शन का तड़का

इस साल की मच अवेटेड फिल्मों में शामिल 'डकैत' का आज टीजर जारी हो गया है। टीजर सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह और भी बढ़ गया है। टीजर में फिल्म की प्रमुख स्टारकास्ट अदिवी शेष, मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप नजर आ रहे हैं। फिल्म का नाम 'डकैत- एक प्रेम कथा' है, ऐसे में फिल्म में एक्शन के साथ-साथ रोमांस का तड़का भी देखने को मिलेगा।

प्यार और धोखे की कहानी दिखाती है फिल्म

1 मिनट 1 सेकंड के इस टीजर की शुरूआत अदिवी शेष के एक वाइस ओवर से होती है। जबकि मृणाल ठाकुर की आखों में आंसू हैं और वो परेशान दिखती हैं। वाइस ओवर में कहता है, 'जूलियट तेरे साथ सबने बहुत गलत किया है। जिस पर भी तूने भरोसा किया, उसने तुम्हे धोखा दिया। लेकिन फिक्र मत कर, अब मैं आ गया हूं। अब कोई नहीं बचेगा। बचेगी तो बस तेरी बर्बादी।' टीजर से पता चलता है कि फिल्म की कहानी कहीं न कहीं प्यार और धोखे पर आधारित है। टीजर में अनुराग कश्यप भी एक झलक दिखे हैं। जो कहीं न कहीं फिर से फिल्म में निगेटिव किरदार में लग रहे हैं। फिल्म 25 दिसंबर को क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी।

टीजर ने बढ़ाई फिल्म को लेकर उत्सुकता

टीजर में एक ओर जहां अदिवी शेष एक्शन अवतार में और गुस्से में नजर आ रहे हैं, तो वहीं मृणाल ठाकुर परेशान हैं और दुखी दिख रही हैं। एक सीन में वो अदिवी शेष के ही पीछे छिपती भी दिखती हैं। टीजर के सामने आने के बाद फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है। शेनिल देव द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अदिवी शेष, मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप के अलावा प्रकाश राज, अतुल कुलकर्णी, सुनील, जैन मैरी खान और कामाक्षी भास्करला जैसे कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं।

मृणाल ने किया श्रुति हासन को रिप्लेस

डकैत में पहले श्रुति हासन अदिवी शेष के साथ मुख्य भूमिका में थीं, लेकिन बाद में उन्होंने फिल्म से किनारा कर लिया। इसके बाद अब मृणाल ठाकुर फिल्म में लीड रोल में नजर आ रही हैं।

ओमंग कुमार की फिल्म से होगी हर्षवर्धन राणे की वापसी

इमोशन के बादशाह निर्देशक ओमंग कुमार और अभिनेता हर्षवर्धन राणे दोनों की जबरदस्त वापसी एक साथ एक नई फिल्म से होने जा रही है। इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे के साथ सादिया खतीब, करणवीर मेहरा और इप्सिता भी होंगे। फिल्म एक रोमांटिक एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है।

बायोपिक फिल्मों 'मैरी कॉम' और 'सरबजीत' से धाक जमाने वाले निर्देशक ओमंग कुमार अब मैदान में उतर रहे हैं एक नए तेवर के साथ। इस बार न कोई बायोपिक, न कोई सीधी-सादी कहानी–बल्कि दिलों को धड़काने वाला एक हाई-वोल्टेज रोमांटिक एक्शन ड्रामा, जिसमें प्यार भी है, तकरार भी है और जबरदस्त टशन भी। जानकारी के मुताबिक इस फिल्म की मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे रफ-टफ लुक वाले हर्षवर्धन राणे, संजीदा अदाकारा सादिया खतीब, स्टाइलिश और सधा हुआ अंदाज़ लिए करणवीर मेहरा, और एक ताज़गी से भरी धमाकेदार एंट्री के साथ इप्सिता। ये चौकड़ी मिलकर लव स्टोरी के पर्दे पर आग लगाने आ रही है। फिल्म का निर्माण कर रहे हैं खुद ओमंग कुमार। पता चला है कि ओमंग कुमार ने ये पूरा प्रोजेक्ट अभिषेक अंकुर (ब्लू लोटस पिक्क्रर्स), उमेश केआर बंसल, प्रगति देशमुख (ज़ी स्टूडियोज), हिमांशु तिवारी, अजय सिंह, धनंजय सिंह (स्टार्क एंटरटेनमेंट) और कैप्टन राहुल बाली (इनोवेशंस इंडिया) के साथ मिलकर खड़ा किया है।

ऐश्वर्या की कॉपी कहे जाने पर आगबबूला उर्वशी

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला हाल ही में संपन्न हुए कान फिल्म फेस्टिवल में पहुंची थीं। उन्होंने अपने लुक से खूब लाइमलाइट बटोरी। इस बीच उन पर कथित तौर पर ऐश्वर्या राय को कॉपी करने का आरोप लगा, जिसका उर्वशी ने करारा जवाब दिया है।

उर्वशी रौतेला अक्सर अपनी टिप्पणियों, अपने लुक और सोशल मीडिया पोस्ट की वजह से ट्रोल्स के निशाने पर रहती हैं। हाल ही में वे जब कान फिल्म फेस्टिवल पहुंचीं तो उनके स्टाइल को लेकर फिर सोशल मीडिया पर उर्वशी को ट्रोल किया गया। मगर, इस बार उर्वशी का गुस्सा सातवें आसमान पर चढ़ गया है। आखिर उन पर ऐश्वर्या राय को कॉपी करने का आरोप जो लगाया गया। ऐसा कहने वालों को उर्वशी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मुंहतोड़ जवाब दिया है।

ऐश्वर्या की डुप्लीकेट कहे जाने पर बुरी तरह चिढ़ीं उर्वशी

हाल ही में 78वें कान फिल्म फेस्टिवल संपन्न हुए। यहां कई भारतीय अभिनेत्रियों ने रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरा। उर्वशी रौतेला भी कान फेस्टिवल पहुंचीं। उन पर कथित तौर पर ऐश्वर्या राय को कॉपी करने का आरोप लगाया गया। बता दें कि ऐश्वर्या साल 2002 से कान फिल्म फेस्टिवल में जलवा बिखेर रही हैं। खुद को ऐश्वर्या का डुप्लीकेट कहने वालों को उर्वशी ने लंबा चौड़ा पोस्ट लिखकर जवाब दिया है।

दोस्ती की आड़ में अब मिलेगा धोखा, करण जौहर के शो द ट्रेटर्स का प्रोमो हुआ रिलीज

करण जौहर का मच अवेटेड ओटीटी शो द ट्रेटर्स अब जल्द ही दस्तक देने वाला है। इस शो का पहला प्रोमो रिलीज हो चुका है। अमेजन प्राइम वीडियो पर इस शो को दिखाया जाएगा। ओटीटी प्लेटफॉर्म के इंस्टाग्राम पर शो का एक प्रोमो आया है, जिसमें करण जौहर शो के बारे में बताते हुए नजर आ रहे हैं।

शो का प्रोमो हुआ रिलीज

द ट्रेटर्स शो का पहला प्रोमो जारी किया जा चुका है, जिसके कैप्शन में लिखा गया है- दोस्ती करने के लिए आइए और धोखेबाजी करने के लिए रहिए। इस शो का थीम साफ है लोगों को एक दूसरे को धोखा देना होगा, तभी वो शो में सर्वाइव कर पाएंगे।

कौन-कौन कंटेस्टेंट होगा शामिल?

शो के प्रोमो से इसके कंटेस्टेंट्स के बारे में कोई हिंट नहीं मिला है। हालांकि टीवी और डिजीटल मीडिया के कई स्टार्स हैं जिनके नाम शो के लिए पहले से ही सामने आ रहे थे। इस नामों में करण कुंद्रा, एल्विश यादव, राज कुंद्रा, रफ्तार, उर्फी जावेद जैसे नाम शामिल हैं।

द ट्रेटर्स के बारे में

बता दें द ट्रेटर्स एक इंटरनेशनल हिट रियलिटी शो है, जिसकी सफलता अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कई दूसरे देशों में देखी जा चुकी है। अब इसका इंडियन वर्जन लेकर आ रहे हैं करण जौहर, जिसमें चालाकी, साजिश और दिमागी खेल का जबरदस्त तड़का देखने को मिलेगा।

इस शो का कांसेप्ट ऐसा है, जहां कुछ खिलाड़ी वफादार होंगे और कुछ गद्दार। द ट्रेटर्स खेल का उद्देश्य है धोखे को पकड़ना और सच्चाई को सामने लाना। लेकिन जब हर किसी पर शक किया जाए, तो दोस्त और दुश्मन में फर्क करना आसान नहीं रहता। यह शो सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि मानसिक ताकत, रणनीति और सामाजिक कौशल की चुनौती है। होर्डिंग्स पर दिखाई देने वाले डायलॉग्स में बदलाव भी इसी खेल का हिस्सा है।

दिलजीत दोसांझ की तरह सिंगर-एक्टर बनना चाहती हूं

उड़ीसा में जन्मी और शिकागो में पली-बढ़ी लिसा मिश्रा आज भले मनोरंजन जगत में अपनी जमीन तलाश रही हैं, मगर उन्हें मुंबई आए 7 साल हो गए हैं। बॉलिवुड के कई मशहूर गीतों के कवर गए चुकी लिसा रे कॉल मी बे के बाद अब हालिया वेब सीरीज द रॉयल्स में भी नजर आई। भारतीय मूल की ये अमेरिकन सिंगर-एक्टर बॉलिवुड में आगे बढ़ने को आतुर हैं और दिलजीत दोसांझ की तरह अपने सिंगिंग-एक्टिंग करियर को आगे बढ़ाना चाहती हैं।

सिंगिंग से शुरुआत करने वाली लिसा कॉल मी बे से अपने अभिनय की यात्रा का आगाज भी कर चुकी हैं। वह कहती हैं, जैसा मैंने कहा कि संगीत हमेशा मेरा पहला प्यार रहेगा। आज हमारी इंडस्ट्री में कई सिंगर-एक्टर हैं, मगर मैं इस मामले में दिलजीत दोसांझ को अपना आदर्श मानती हूं। मैं उन्हीं की तरह गायन और अभिनय करना चाहूंगी।

एक जमाना था, जब सुरैया, नूरजहां, अशोक कुमार और किशोर कुमार सरीखे सिंगर-एक्टर हुआ करते थे। आज हम जैसे कलाकार सिंगिंग और एक्टिंग करते हैं, तो लोगों को नया लगता है, मगर ये तो हम पहले से करते आए हैं। मैं सिंगर-एक्टर के रूप में अपना सफर जारी रखना चाहूंगी। आज इंडिया ही नहीं पूरी दुनिया भर में लेडी गागा, सेलेना गोम्स, विल स्मिथ सरीखे एक्टर-सिंगर छाए हुए हैं।

-साभार-एजेंसी

शाहरुख ने 21 दिन बाद किया पोस्ट

यूजर्स ने किया ट्रोल, बोले- ऑपरेशन सिंदूर पर कब बोलोगे?

अभिनेता शाहरुख खान ने आज मंगलवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर किया है। इस पर रिएक्ट करते हुए यूजर्स उनसे किंग फिल्म पर अपडेट मांग रहे हैं।

नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के सफर को 75 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर प्रोडक्शन कंपनी ने अपना नया लोगो जारी किया है। अभिनेता शाहरुख खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर बधाई दी है और साथ ही यह लोगो शेयर किया है।

शाहरुख खान ने दी बधाई

शाहरुख खान ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ लिखा है, बधाई हो नाडियाडवाला ग्रैंडसन 75 वर्ष के इस शानदार सफर के लिए। ऐसे सौ वर्ष और आएं।

एक्टर के इस पोस्ट पर यूजर्स कमेंट कर उनसे आगामी फिल्म किंग पर अपडेट मांग रहे हैं।